THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 300 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.8 2080 गुरुवार, 18 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

10 साल पहले कमजोर सरकार थी : मोदी

> कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का सिर्फ नारा दिया > हमनें 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला

तिरुअनंतपुरम, 17 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 और 17 जनवरी को आंध्र प्रदेश-केरल दौरे पर हैं। बुधवार की सुबह पीएम मोदी ने केरल के गुरुवायूर मंदिर और त्रिप्रयार श्रीराम मंदिर में पूजा की। दोपहर करीब 1 बजे उन्होंने कोच्चि में कोचीन शिपयार्ड से जुड़े 4000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने एर्नाकुलम में भाजपा के शक्ति केंद्र प्रभारियों के सम्मेलन को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा-हमें वोटर को बताना होगा कि 10 साल पहले देश में एक कमजोर सरकार थी। तब आए दिन आतंकी हमले होते थे।

आज भारत को दुनिया विश्व मित्र के रूप में देख रही है। गल्फ देशों में भारतीयों का सम्मान बढ़ा है। कांग्रेस ने पांच दशकों तक सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा दिया। पिछले 9 सालों के दौरान हमारी सरकार में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। इससे पता चलता है कि हमने विकास के लिए जो रास्ता चुना है वो सही है। मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को जीत का फॉर्मूला देते हुए कहा-हमारा संकल्प होना चाहिए हम अपना बूथ जीतेंगे। हम एक बूथ जीत सकते हैं तो केरल में चुनाव जीत सकते हैं। आपको अधिक मेहनत करनी होगी और हर मतदाता पर ध्यान देना होगा। केरल में सत्तारूढ़ एलडीएफ और विपक्षी गठबंधन यूडीएफ का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्टाचार के इतिहास का पर्याय है। >14

पीएम ने 3 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया

नया ड्राई डॉक कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड कोच्चि के मौजूदा परिसर में लगभग 1,800 करोड़ की लागत से बनाया गया है। 310 मीटर लंबा ड्राई डॉक, 75/60 मीटर की चौड़ाई, 13 मीटर की गहराई और 9.5 मीटर तक के ड्राफ्ट के साथ, इस क्षेत्र के सबसे बड़े समुद्री बुनियादी ढांचे में से एक है। इंटरनेशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी (आईएसआरएफ) प्रोजेक्ट लगभग 970 करोड़ की लागत से बनाया गया है। इसमें 6000 टन की क्षमता वाला एक जहाज लिफ्ट सिस्टम, ट्रांसफर सिस्टम, छह वर्कस्टेशन और लगभग 1400 मीटर की बर्थ है जो 130 मीटर लंबाई के सात जहाजों को एक साथ एडजस्ट कर सकता है। कोच्चि के पुथुवाइपीन में इंडियन ऑयल का एलपीजी इम्पोर्ट टर्मिनल प्रोजेक्ट को लगभग 1,236 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। इसकी स्टोरेज कैपेसिटी 15400 मीट्रिक टन है। इस प्रोजेक्ट के तहत लाखों घरों और बिजनेस के लिए एलपीजी की सप्लाई होगी।

अदाणी समूह तेलंगाना में करेगा 12,400 करोड़ रुपये का निवेश

राज्य सरकार के साथ चार एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अदाणी समूह और तेलंगाना सरकार ने बुधवार को राज्य में 12,400 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए चार समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

अदाणी समूह की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ)-2024 के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी की उपस्थिति में इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। >14

हिंदू संगठन की यवतमाल-रायपुर रैलियों पर रोक लगाने से एससी का इनकार

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू संगठन द्वारा महाराष्ट्र के यवतमाल और छत्तीसगढ़ के रायपुर में होने वाली रैलियों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने दोनों जिलों के जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षक से दोनों रैलियों की सीसीटीवी कैमरों के जरिए वीडियो रिकॉर्डिंग करने का निर्देश दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रैलियों के दौरान नफरत भरे भाषण देने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने हिंदू संगठन की रैली पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि 'जिनपर नफरती भाषण देने के आरोप लगे हैं, वह कोर्ट में नहीं हैं। ऐसे में वह रैलियों पर रोक नहीं लगा सकते। हालांकि दोनों जिलों के डीएम और एसपी को निर्देश दिए जाते हैं कि वह यह सुनिश्चित करें कि रैली स्थलों पर रिकॉर्डिंग सुविधाओं वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं ताकि अगर कुछ होता है तो हेट स्पीच देने वालों की पहचान की जा सके।' महाराष्ट्र के यवतमाल में हिंदू जनजागृति समिति संगठन और छत्तीसगढ़ के रायपुर में भाजपा विधायक टी राजा सिंह की रैलियां होनी हैं। इन रैलियों में हिंदूवादी नेता और भाजपा विधायक टी राजा सिंह रैलियों को संबोधित कर सकते हैं। >14

आईएसआईएस का इनामी आतंकी अरेस्ट, एटीएस करेगी पूछताछ

लखनऊ, 17 जनवरी (एजेंसियां)। आतंकी संगठन आईएसआईएस के अलीगढ़ मॉड्यूल से जुड़े इनामी आतंकी को यूपी एटीएस ने अलीगढ़ से गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान 25 हजार के इनामी आतंकी फैजान बख्तियार के रूप में हुई है। इस मॉड्यूल के अब तक आठ आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। फैजान ने प्रयागराज के रिजवान अशरफ के जरिए आईएसआईएस की बैयत (शपथ) ली थी।

सूत्रों ने बताया कि फैजान ने अपने कुछ साथियों के साथ अलीगढ़ का आईएसआईएस मॉड्यूल तैयार किया था। ये सभी आरोपी आईएसआईएस की शपथ ले चुके हैं। हालांकि इन सबको एटीएस गिरफ्तार कर चुकी है. ये मॉड्यूल बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने के लिए तैयार था. फैजान बख्तियार अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से मास्टर इन सोशल वर्क कर रहा था। एटीएस जल्द ही फैजान को कस्टडी रिमांड में लेकर पूछताछ करेगी। इससे पहले नवंबर में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से पेट्रोकैमिकल में बीटेक करने वाले अब्दुल्ला अर्सलान को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया है। एटीएस का दावा है कि अर्सलान आईएसआईएस संगठन से जुड़ा है और वह यहां जिहाद के लिए फ़ौज खड़ा कर रहा था। >14

पीएम ने 9 साल पहले आपसे एक झूठा वादा किया, इसे लेकर शर्मिंदा हूं : राहुल

कोहिमा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत जोड़ो न्याय यात्रा नगालैंड में है। राहुल गांधी ने चौथे दिन सुबह 9 बजे नगालैंड के वीकेटाउन, झुनहाबोटो से यात्रा की शुरुआत की।

मोकोकचुंग में उन्होंने लोगों से कहा, 'मैं शर्मिंदा हूं कि पीएम मोदी ने 9 साल पहले नगालैंड के लोगों से नगा संधि को लेकर एक वादा किया था, लेकिन इसे लेकर कुछ नहीं किया। अगर आपके पास किसी चीज का हल नहीं है, तो आपको झूठ नहीं बोलना चाहिए। मैंने नगालैंड के गांव के लोगों के साथ चाय पी। एक बच्ची ने मुझसे पूछा कि इस यात्रा के पीछे मकसद क्या है? तो मैंने उसे बताया कि इस यात्रा का मकसद है उसकी बात सुनना। ये समझना कि नगालैंड के लोग क्या महसूस करते हैं और कैसे जिंदगी जीते हैं।' इसके बाद यात्रा चुचुयिम्बेंग गांव में मॉर्निंग ब्रेक के लिए रुकी। कोहिमा में लोगों को संबोधित करने हुए राहुल ने कहा कि इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप छोटे राज्य हैं, आपको देश के बाकी लोगों जैसे बराबरी का दर्जा मिलना चाहिए।

विधायकों की अयोग्यता मामले में अदालत ने स्पीकर से मांगा जवाब

सीएम शिंदे गुट की तरफ से दायर याचिका

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शिवसेना के दो-फाड़ होने के बाद राजनीतिक पार्टी- शिवसेना पर दावा कर रहे हैं। चुनाव आयोग के साथ-साथ हाईकोर्ट ने भी माना है कि शिंदे का गुट ही असली शिवसेना है। ताजा घटनाक्रम में शिंदे गुट बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा है। अदालत ने इस याचिका पर विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर से जवाब मांगा है। शिंदे गुट ने स्पीकर के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के 14 विधायकों को अयोग्य नहीं माना है।

बॉम्बे हाईकोर्ट में शिंदे गुट की शिवसेना के मुख्य सचेतक भरत गोगावले ने याचिका दायर की है। इस पर न्यायमूर्ति गिरिश कुलकर्णी और जस्टिश फिरदोश पूनीवाला की खंडपीठ सुनवाई कर रही है। इस मामले की सुनवाई आठ फरवरी को होगी। गौरतलब है कि विगत 10 जनवरी को अयोग्यता मामले में विधासभा स्पीकर नार्वेकर ने अपना फैसला सुनाया था। इसके मुताबिक शिवसेना के दोनों गुटों के विधायकों की सदस्यता पर कोई खतरा नहीं है। पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे को समर्थन देने वाले 14 विधायकों को अयोग्य नहीं मानने पर असंतुष्ट खेमा अदालत की शरण में गया है। शिंदे गुट ने अदालत से कहा, वे 10 जनवरी को जारी स्पीकर के फैसले की 'वैधता और औचित्य' को चुनौती देते हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट के समक्ष भरत गोगावले ने कहा, विधानसभा में शक्ति परीक्षण से पहले उन्होंने 3 जुलाई, 2022 को शिवसेना विधायकों के लिए व्हिप जारी किया था। उन्होंने कहा, 4 जुलाई को विश्वास प्रस्ताव पर मतदान के दौरान एकनाथ शिंदे सरकार के पक्ष में वोट करने का निर्देश दिया गया था।

उन्होंने विधायकों की अयोग्यता के पक्ष में दलीलें दीं और कहा, 14 विधायकों ने उद्धव ठाकरे का समर्थन किया। ये व्हिप के उल्लंघन के साथ-साथ 'शिवसेना राजनीतिक दल' की सदस्यता छोड़ना भी है। गोगावले के मुताबिक स्पीकर नार्वेकर इस बात पर विचार करने में विफल रहे कि सदस्यता छोड़ने के अलावा, ठाकरे समूह के 14 विधायकों ने सत्तारूढ़ सरकार को अस्थिर करने का भी प्रयास किया। गोगावले का आरोप है कि कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ मिलकर इन विधायकों ने महाराष्ट्र की शिवसेना सरकार (शिंदे गुट) के खिलाफ मतदान किया। पार्टी विरोधी गतिविधि के आरोपी इन विधायकों को अयोग्य करार दिया जाना चाहिए।

बता दें कि गोगावले ने 12 जनवरी को उच्च न्यायालय का रूख किया, जबकि उद्धव ठाकरे गुट ने सोमवार (15 जनवरी) को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ठाकरे गुट ने जून 2022 में पार्टी में विभाजन के बाद सीएम शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को 'वास्तविक राजनीतिक दल' घोषित करने के स्पीकर के आदेश को चुनौती दी है। बता दें कि स्पीकर ने शिंदे समेत सत्तारूढ़ खेमे के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने से इनकार कर दिया था। स्पीकर नार्वेकर ने ठाकरे खेमे के विधायकों की सदस्यता भी बरकरार रखी है।

संदेशखाली हत्याकांड मामला

ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर एचसी की रोक

याचिकाकर्ता ने जांच पर उठाए सवाल

कोलकाता, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2019 में संदेशखाली में दो व्यक्तियों की हत्या और अन्य के अपहरण मामले में एक निचली अदालत की कार्यवाही पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है।

इस मामले में शिकायतकर्ता ने टीएमसी नेता शेख शाहजहां को मुख्य आरोपी के तौर पर नामित किया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि अपहरण किए गए व्यक्ति का कंकाल घटना के दो साल बाद एक नदी के किनारे मिला।

याचिकाकर्ताओं ने मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी से करवाने का मांग की है, उनका दावा है कि पुलिस इस मामले में जांच ठीक से नहीं कर रही है। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अगले आदेश तक ट्रायल कोर्ट में मामले की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 21 फरवरी को तय की गई है। पश्चिम बंगाल सरकार के तरफ से पेश हुए माधिवक्ता किशोर दत्ता के आग्रह पर राज्य को तीन सप्ताह में हलफनामा दायर करने की अनुमति दी है। जिसके बाद याचिकाकर्ताओं को एक सप्ताह में जवाब दाखिल करने की अनुमति दी गई। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2019 में उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में उनके घरों पर हमला किया। इस दौरान आरोपियों ने प्रदीप मंडल और सुकांत मंडल की हत्या कर दी थी। वहीं देवदास मंडल का अपहरण कर लिया गया था, जिनका कंकाल घटना के दो साल बाद एक नदी के पास मिला। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि स्थानीय पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था, जिनका नाम एफआईआर में ही नहीं था। शिकायतकर्ता ने शेख शाहजहां को मामले में मुख्य आरोपी बताया था।

रोचक खबरें

दुनिया की सबसे अनोखी मछली उकसाने पर गुस्से में बदल लेती है रंग

खूबी ने जानकारों को किया हैरान!

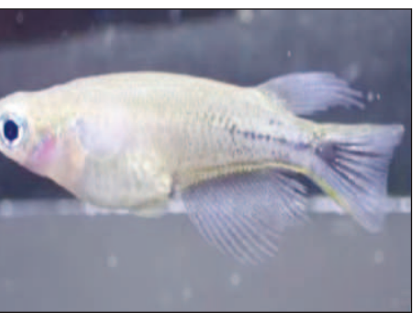

सेलेब्स मेडका दुनिया की सबसे अनोखी मछली है. उकसाने पर नर सेलेब्स मेडका अपना रंग बदल सकता है. वह गुस्से में एक मिनट के अंदर काला पड़ सकता है. इंडोनेशियाई प्रजाति की इस मछली की रंग बदलने की खूबी ने जानकारों को हैरान कर दिया है. वैसे ये मछली चांदी जैसे रंग की होती है, जिसके पुच्छीय पंखों पर पीले से नारंगी रंग की धारियां होती हैं. इसके निचले हिस्से में डार्क ब्राउन से ब्लैक रंग के निशान होते हैं। लाइव साइंस की रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया कि इंडोनेशिया की आक्रामक छोटी नर मछलियां अपना प्रभुत्व दिखाने के लिए क्रोधित होने पर काली हो जाती हैं. रिसर्चर्स ने प्रीप्रिंट रिपॉजिटरी BioRxiv में 24 दिसंबर 2023 को बताया कि जब ये नर मछलियां अन्य किसी पर हमला करने को होते तब इनके शरीर पर काले निशान अधिक होते हैं और संघर्ष शुरू होने के एक मिनट के भीतर ही ये निशान दिखाई देने लगते हैं. इस मछली का साइंटिफिक नाम ओरीज़ियास सेलेबेंसिस है। हालांकि, रिसर्चर्स ने इस बात का एनालिसिस नहीं किया है कि आखिर ये नर मछलियां कैसे अपना रंग बदलती हैं और क्यों काले रंग की हो जाती हैं. सेलेब्स मेडका के मामले में, यह रंग परिवर्तन संभवतः मेलानोफोरस कोशिकाएं के कारण होता है, जिनमें गहरे रंग के कण होते हैं, जिन्हें मेलानोसोम्स कहा जाता है.

रंग बदलने की यह घटना अन्य मछली प्रजातियों में भी देखी जाती है. जैसे– ट्रिनिडाडियन गप्पियों (पोसीलिया रेटिकुलाटा) मछलियां जब अपने प्रतिद्वंदी पर हमला करने वाली होती हैं, तो उनकी आंखें काले रंग की हो जाती हैं। यह मछली अधिकतम 4.5 सेंटीमीटर की लंबाई तक बढ़ सकती है. सेलेब्स मेडका एक छोटी, शांतिपूर्ण मछली है, जो इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप और पूर्वी तिमोर की एक नदी की मूल निवासी है. यह राइसफिश के एड्रियानिचथिडे फैमिली की सदस्य है. सेलेब्स मेडका एक स्कूलिंग फिश है, जिसे समान आकार की अन्य शांतिपूर्ण मछलियों के साथ रखा जाना चाहिए. एक्वेरियम के किनारों और पृष्ठभूमि पर घने पौधे होने चाहिए, बीच में तैराकी के लिए पर्याप्त खुली जगह होनी चाहिए।

बेटी की बॉडी पर खुद लिख जाता था राम नाम

चमत्कार मान करने लगे पूजा, निकली गंभीर बीमारी

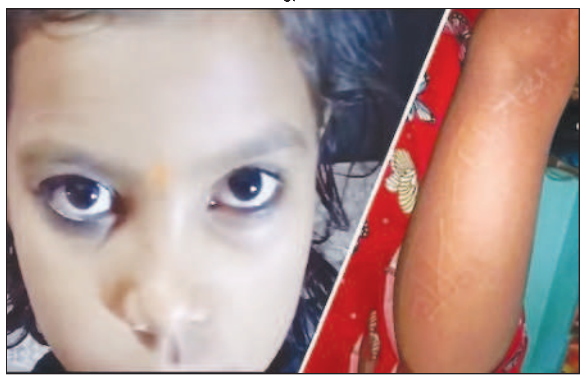

भारत में लोगों के मन में भगवान के प्रति काफी आस्था है. इस आस्था का ही परिणाम है कि लोग आसानी से भगवान के नाम बेवकूफ बन जाते हैं. ऐसे कई मामले सामने आते हैं, जहां लोगों को उनकी आस्था के आधार पर बेवकूफ बनाया जाता है. पिछले साल यूपी के हरदोई में एक बच्ची का मामला सामने आया था. ये बच्ची रातो रात चर्चा में आ गई थी. बच्ची की बॉडी पर अपनेआप राम राम और राधे राधे लिखा जा रहा था. साथ ही उसकी बॉडी पर भगवान की तस्वीरें भी उभर जा रही थी. लोगों ने उसे पूजना शुरू कर दिया था लेकिन अब इसकी असलियत सामने आ गई है।

हरदोई की रहने वाली आठ साल की साक्षी पहली कक्षा की छात्रा है. हरदोई से 35 किलोमीटर दूर विकासखंड माधौगंज के गांव सहिजना के निवासी देवेंद्र की बेटी साक्षी तब चर्चा में आई थी जब खबर फैली कि उसकी बॉडी पर अपने आप राम राम और राधे राधे लिखा जाता है. परिवार के लोगों के साथ ही गांव वाले भी इसे चमत्कार मानने लगे. लेकिन अब पता चला कि उसे असल में एक दुर्लभ बीमारी है इस बीमारी का नाम डर्माटोग्राफिया है. इसमें स्किन पर रगड़ने से या किसी चीज से स्क्रैच लगने पर लिखावट जैसे निशान बन जाते हैं. ये आधे घंटे में अपनेआप गायब भी हो जाते हैं. इसकी वजह से दर्द नहीं होता लेकिन ये थोड़ा असुविधाजनक होता है. सर्दियों में इस बीमारी का प्रभाव ज्यादा नजर आता है. डॉक्टर्स के मुताबिक इसका कोई इलाज नहीं है. ये अपने ही ठीक हो जाता है।

आपकी ड्राइविंग का टेस्ट लेती है सड़क

पहाड़ पर रेंगते 'विशाल सांप' की तरह दिखती है बेहद खतरनाक हैं मोड़!

जापान में इरोहाजाका वाइंडिंग रोड बड़ी ही फेमस है, जिसका हवाई दृश्य पहाड़ पर रेंगते किसी 'विशाल सांप' की तरह दिखता है. ये सड़क आपकी ड्राइविंग का अच्छे से टेस्ट लेती है, क्योंकि इसमें इतने मोड़ हैं कि गाड़ी मोड़ते-मोड़ते अच्छी खासी मेहनत हो जाती है, जिनमें से कई मोड़ तो बेहद खतरनाक मानते जाते हैं. बावजूद इसके, अपने प्राकृतिक सुंदरता की वजह से ये सड़क कई लोगों के लिए पसंदीदा ड्राइविंग स्पॉट है. रिपोर्ट के अनुसार, इरोहाजाका जापान में घुमावदार सड़कों का एक पेयर है, जो टोचिगी प्रांत के निक्को के निचले मैदानों को पहाड़ी ओकुनिक्को क्षेत्र से जोड़ती है. इन घुमावदार सड़कों का नाम इरोहाज़ाका इसलिए रखा गया, क्योंकि इनमें कुल मिलाकर 48 हेयरपिन मोड़ हैं। हर मोड़ को जापानी वर्णमाला के 48 अक्षरों में से एक के साथ लेबल किया गया है. हालांकि, पिछले कुछ सालों में संकरी सड़क का आधुनिकीकरण किया गया है, लेकिन मोड़ों की संख्या स्थिर रखने का ध्यान रखा गया है। इरोहाज़ाका में दो सड़कें शामिल हैं, जो 'पुरानी सड़क' 1954 में बनाई गई, जो चुजेन्जी झील से निक्को तक नीचे की ओर जाती है, जबकि 'नई सड़क' 1965 में बनाई गई. पहले इन सड़कों पर टोल लिया जाता था, लेकिन बाद में इनको टोल फ्री कर दिया गया. आज पुरानी सड़क केवल नीचे की ओर यातायात करने के लिए खुली है. बीच में एक स्टॉप प्वॉइन्ट है, जहां स्थित दो झरनों को देखने के लिए लोग रुकते हैं. वहीं, नई सड़क केवल ऊपर की ओर यातायात के लिए खुली है, जो अकेचिदैरा पठार तक चलती है.

पायलट को थप्पड़ मारने के मामले में नया दावा

फ्लाइट में मौजूद पैसेंजर बोला बुजुर्गों को इग्नोर कर रहे थे क्रू मेंबर्स, घंटों भूखा-प्यासा रखा

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। इंडिगो फ्लाइट में पायलट को थप्पड़ मारने के मामले में नए दावे किए जा रहे हैं। इस फ्लाइट में सफर कर रहे एक अन्य पैसेंजर ने घटना के पीछे एयरलाइंस को जिम्मेदार ठहराया। यात्री सनल विज ने आरोप लगाया कि पैसेंजर की गलती बताकर इंडिगो अपने कुप्रबंधन और गलतियों को छिपा रहा है।

दरअसल, 14 जनवरी को इंडिगो की दिल्ली-गोवा फ्लाइट 6E-2175 में साहिल कटारिया नाम के पैसेंजर ने पायलट को थप्पड़ मारा था। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद आरोपी पैसेंजर को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, 16 जनवरी को उसे जमानत मिल गई। इसी फ्लाइट में बैठे यात्री सनल विज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर 15 जनवरी को लिखा- मैं हिंसा का समर्थन नहीं करता, लेकिन इंडिगो ने घटना का फायदा उठाया है। पैसेंजर के थप्पड़ मारने की घटना के पीछे इंडिगो ने अपनी गलतियों को छुपाया।

रामलला प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या जाऊंगा : शरद पवार

चंपत राय को लेटर लिखा- न्योता मिला, इसके लिए मैं आभारी; लालू यादव भी नहीं जाएंगे

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार 22 जनवरी को होने जा रहे राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय को लेटर लिखा है। इसमें उन्होंने न्योता भेजे जाने का आभार जताया है। उन्होंने ये भी लिखा- 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूरा होने के बाद मैं समय निकालकर दर्शन के लिए आऊंगा। तब तक राम मंदिर का निर्माण कार्य भी पूरा हो जाएगा। इधर, लालू प्रसाद यादव ने भी अयोध्या जाने से इनकार कर दिया है।

दिनांक 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में हो रहे प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का न्योता मिला, इसके लिए मैं आभारी हूं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भारत ही नहीं, विश्वभर में फैले करोड़ों भक्तों की श्रद्धा और आस्था के प्रतीक हैं। अयोध्या के समारोह को लेकर राम भक्तों में उत्सुकता और आतुरता है और वे भारी संख्या में वहां (अयोध्या) पहुंच रहे हैं। उनके माध्यम से इस ऐतिहासिक समारोह का आनंद मुझ तक पहुंचेगा। 22 जनवरी के समारोह के समापन के बाद श्री रामलला के दर्शन सहजता और आराम के साथ लिए जा सकेंगे। मेरा अयोध्या आने का कार्यक्रम है, उस समय श्रद्धा के साथ श्री रामलला जी के दर्शन करूंगा। तब तक राम मंदिर का निर्माण भी पूर्ण हो चुका होगा। आपके स्नेहपूर्ण निमंत्रण के लिए मैं एक बार फिर हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। समारोह की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करें। आज (17 जनवरी) को शरद पवार महाराष्ट्र के बेलगांव के निपानी में एक कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- बाबरी मस्जिद गिराने के बाद मंदिर बनाने का जब विचार हुआ तब राजीव गांधी पीएम थे। उन्होंने मंदिर निर्माण की इजाजत दी और मंदिर का शिलान्यास भी किया। फिर कुछ लोग कोर्ट गए। कोर्ट ने अभी मंदिर बनाने की इजाजत दी, तब से मंदिर निर्माण का कार्य जारी है। कांग्रेस ने 10 जनवरी को रामलला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में जाने से इनकार कर दिया था। पार्टी के जारी लेटर में कहा गया था कि सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन समेत सभी कांग्रेस नेता इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। ये कार्यक्रम भाजपा ने राजनीतिक लाभ के लिए आयोजित किया है। धर्म निजी मामला है, लेकिन बीजेपी/आरएसएस ने मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम को अपना इवेंट बना लिया है।

'न्यायपालिका में भी आरक्षण होना चाहिए था'

शरद पवार गुट के जितेंद्र आव्हाड बोले-उनसे ऐसी उम्मीद नहीं थी

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। शरद पवार गुट के एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड ने एक बार ऐसा बयान दिया है, जिस पर विवाद हो सकता है। दरअसल इस बार उन्होंने न्यायपालिका पर सवाल उठाया है। जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर को न्यायपालिका में भी आरक्षण का प्रावधान करना चाहिए था। साथ ही उन्होंने न्यायपालिका के कुछ फैसलों पर जातिवादी होने का भा आरोप लगाया। एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि 'मुझे आज दुख होता है बाबा साहेब अंबेडकर को न्यायपालिका में भी आरक्षण रखना चाहिए था। मैं इस पर नहीं बोलूंगा क्योंकि इससे विवाद हो सकता है। लेकिन कुछ फैसलों से हमें जातिवाद की बू आ रही है। न्यायपालिका से इसकी उम्मीद नहीं की जाती। उसे निष्पक्ष होना चाहिए और जातिवाद से बाहर रहना चाहिए। संविधान में ऐसी ही उम्मीद की गई थी, लेकिन क्या ऐसा हो रहा है।' आव्हाड ने नागपुर के एक कार्यक्रम में आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने विधायकों की अयोग्यता को लेकर जो फैसला दिया, उसे दिल्ली में टाइप किया गया था। आव्हाड ने ये भी आरोप लगाया कि भाजपा भगवान राम के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए कर रही है। गौरतलब है कि इससे पहले भी जितेंद्र आव्हाड के एक बयान पर भारी विवाद हुआ था।

डीपफेक पर केंद्र जल्द ही सख्त आईटी नियम बनायेगा!

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर डीपफेक पर मशविरा पत्र के अनुपालन में गड़बड़ी के बीच केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि समस्या से निपटने के लिए आने वाले समय में सख्त आईटी नियमों को अधिसूचित किए जाने की संभावना है। चंद्रशेखर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, अनुपालन का मिश्रित प्रदर्शन रहा है और मैंने मशविरा पत्र के समय कहा था कि अगर हमें लगता है कि इसका पूरी तरह से पालन नहीं किया जा रहा है, तो हम बहुत स्पष्ट रूप से संशोधित आईटी नियमों के साथ इसका पालन करेंगे जिन्हें अधिसूचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले एक सप्ताह में आईटी नियमों में संशोधन की उम्मीद की जा सकती है।

सरकार ने पिछले महीने मौजूदा आईटी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने और एआई-डीपफेक द्वारा संचालित गलत सूचना के आसपास बढ़ती चिंताओं को विशेष रूप से लक्षित करने के लिए सभी सोशल मीडिया मध्यस्थों को एक मशविरा जारी किया था। मशविरा पत्र में कहा गया है कि मध्यस्थ प्रतिबंधित कंटेंट, विशेष रूप से आईटी नियमों के नियम 3(1)(बी) के तहत निर्दिष्ट कंटेंट को स्पष्ट और सटीक रूप से यूजरों तक पहुंचाएं। मंत्री ने राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर नोएडा में एक बोट विनिर्माण इकाई का दौरा किया, जहां उन्होंने कंपनी के सह-संस्थापक अमन गुप्ता के साथ चर्चा की। मंत्री ने कहा, इस राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर, बोट हमारे देश भर में पनप रहे जीवंत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में भारत सरकार की अभिन्न भूमिका को सलाम करते हुए कृतज्ञता के स्वर में शामिल होता है। उन्होंने कहा, हम उस बिंदु पर पहुंच गए हैं, जहां 2014 में कम स्टार्टअप से, हमारे पास एक लाख से अधिक स्टार्टअप और 112 यूनिकॉर्न हैं।

केजरीवाल सरकार छह शहीद जवानों के परिवार को देगी एक-एक करोड़ की सम्मान राशि

सीएम ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। केजरीवाल सरकार ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले दिल्ली के छह शहीद जवानों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि देगी। केजरीवाल सरकार दिल्ली पुलिस में तैनात एएसआई ओम प्रकाश व एएसआई राधेश्याम, भारतीय सेना में तैनात मेजर रघुनाथ व कैप्टन जयंत जोशी, दिल्ली सिविल डिफेंस कर्मी पुनीत गुप्ता और फायर ऑपरेटर प्रवीर कुमार के परिवार को यह सम्मान राशि देगी। इस संबंध में राजस्व विभाग से आए प्रस्ताव को सीएम अरविंद केजरीवाल अपनी मंजूरी दे दी है। इस बाबत दिल्ली की राजस्व मंत्री आतिशी ने बताया कि दिल्ली सरकार सेना, पुलिस, पैरामिलिट्री, दिल्ली सिविल डिफेंस, होम गार्ड के जवानों की बहादुरी का सम्मान करती है। हमारी सरकार वर्दी पहनने वाले हर एक उस जवान की कद्र करती है जो अपनी जान पर खेल कर देश और समाज की रक्षा करते हैं। दिल्ली सरकार इनके जज्बे को सलाम करती है। राजस्व मंत्री आतिशी ने कहा कि सरकार में आते ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने देश की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाने वाले शहीदों के परिवारों को एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने शुरू किया। इस सम्मान राशि से शहीदों के परिवारों के नुकसान की भरपाई तो नहीं की जा सकती, लेकिन उनके परिवार को एक सम्मानजनक जीवन जीने में थोड़ी मदद जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने छह बहादुर सिपाहियों की शहादत को नमन करते हुए उनके परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार हमेशा शहीदों के परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। दिल्ली सरकार की यह योजना देश की सेवा कर रहे उन सभी वर्दीधारी सैनिकों को यह आत्म विश्वास देती है कि सरकार और समाज उनके परिवार के साथ है। बता दें कि केजरीवाल सरकार इस योजना के तहत दिल्ली के निवासी सेना, पुलिस, पैरामिलिट्री, दिल्ली सिविल डिफेंस, होम गार्ड के जवान आते हैं जो ड्यूटी के दौरान अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देते हैं। सरकार उनकी बहादुरी को सलाम करती है और उनका परिवार बेहतर ढंग से सम्मानपूर्वक जीवन जी सके, इसके लिए उन्हें एक-एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि प्रदान करती है। इन छह शहीद जवानों में भारतीय सेना के दो जवान, दिल्ली पुलिस के दो जवान, दिल्ली सिविल डिफेंस के एक जवान और दिल्ली फायर सर्विसेज के एक जवान शामिल है। शहीदों को सम्मान देने की इस योजना के तहत दिल्ली सरकार दिल्ली निवासी या दिल्ली में ड्यूटी पर तैनात उन सभी वर्दीधारियों के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि देती है जो ड्यूटी के दौरान बहादुरी दिखाते हुए शहीद हुए। एएसआई ओम प्रकाश ओखला इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस स्टेशन में तैनात थे। घटना के दिन वो सी-लाल चौक पर पिकेट ड्यूटी पर तैनात थे। जब वो अपने सहयोगी के साथ चौक पर वाहनों की जांच कर रहे थे, तभी लगभग 11:45 बजे उन्हें एक मोटरसाइकिल पर उनकी तरफ आते तीन लोग दिखे। जब उन्होंने नियमों का उल्लंघन कर रहे मोटरसाइकिल सवारों को रोकने की कोशिश की, तो मोटरसाइकिल सवारों ने उन्हें टक्कर मार दी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

मरने के बाद कि गई तारीफ़ और दिल दुखाने के बाद मांगी गई माफ़ी इन दोनों का कोई महत्व नहीं होता!

तेलंगाना सरकार ने पुनर्नियुक्त सेवानिवृत्त अधिकारियों पर कार्रवाई की

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य इंजीनियर-इन-चीफ सी. मुरलीधर सहित लगभग 100 सेवानिवृत्त अधिकारियों को हटाने के लिए तैयार है, जिन्हें पिछली बीआरएस सरकार के दौरान फिर से नियुक्त किया गया था। यह निर्णय सरकार द्वारा सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य प्रमुख विभागों में सेवानिवृत्त अधिकारियों की पुनर्नियुक्ति के बारे में चिंता जताए जाने के बाद आया है।मुख्य सचिव शांति कुमारी ने सभी विभागों को एक परिपत्र जारी किया है, जिसमें उनसे वर्तमान में सेवारत और मानदेय प्राप्त करने वाले सेवानिवृत्त अधिकारियों की पहचान करने का आग्रह किया गया है। सचिवालय विभाग में विशेष प्रमुखों, प्राचार्यों और सचिवों से अनुरोध किया गया है कि वे ऐसी पुनर्नियुक्तियों का विवरण प्रदान करें, भले ही उनके पारिश्रमिक के भुगतान के स्रोत कुछ भी हों।मुख्य सचिव ने त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर जोर देते हुए सचिवों से तुरंत विवरण प्रस्तुत करने को कहा।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Mrs. Eswari Geddam, D/o. Kulai Lachaiah, Spouse of Service No.15214892X Rank: Hav Mohanarao Geddam R/o. H.No. 1-120, Ampuram, Kanchili Mandalam, Srikakulam Dist, AP-532290. changed my name from Kulai Eswari to Eswari Geddam vide affidavit dt.13-01-2023 duly signed by Kedasi Srinivasa Rao, Adv.& Notary

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.426/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी, दि.17.01.2024

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.09.02.2024 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01-टेंडर आयडीः 2645, सीनि.डीइएन/डीइएनः उत्तर, कार्य विवरणः टेल- राल सेक्शन में आरयुबी नं. 73ए (एलसी नं.275) का सुधार कार्य। अनुमानित मूल्यः रू.1,81,13,713/-, बोली सुरक्षा राशिःरू.2,32,100/-

क्रम सं. 02-टेंडर आयडीः 2646, सीनि.डीइएन/डीइएनः पश्चिम, कार्य विवरणःडीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में रेलों के लिए संक्षारण निवारण उपाय(कोरोसन प्रीवेन्शन मीजर्स) करना। अनुमानित मूल्यः रू.69,99,759/-, बोली सुरक्षा राशिःरू.1,40,000/-

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि दि.09.02.2024 के 15.30 बजे तक है। तत्संबंधित विस्तृत विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागआन करें।

इस बारे में अधिक संचार/शुद्धिपत्रों को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in से सूचित किया जायेगा।

मंडल रेल प्रबंधक/कार्य/गुंटूर

PUB/0056

ई-निविदा सूचना सं. -13 से 14

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनकी ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता(रखरखाव),गुंटूर द्वारा आयआरइपीएस पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01, निविदा शीर्षकः गुंटूर स्टेशन बिल्डिंग के लिए फैकेड लाइटिन्ग का प्रावधान। निविदा संदर्भ सं. -जीएनटीइएलइ-13-2023-24 दि.16.01.2024, अनुमानित मूल्यः रू.90,64,754.13, पूधराः रू.1,81,300.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य(अप्रतिदेय) रू. शून्य ।

क्रम सं. 02, निविदा शीर्षकः आयआर-एनआयवायएएनटीआरएसी पोर्टल सहित पम्प्स का एटोमेशन, 30-70 प्लाटफार्म्स पर रोशनाई या लाइटिन्ग, स्ट्रीट लाइटिन्ग सर्क्यूट्स, लिफ्ट्स व एस्केलेटर्स तथा वेब आधारित मानिटरिन्ग(आयओटी) एवं कन्ट्रोल्स आफ पम्प्स की व्यवस्था का प्रावधान। निविदा संदर्भ सं. -जीएनटीइएलइ-14-2023-24 दि.17.01.2024, अनुमानित मूल्यः रू.85,40,373.71, पूधराः रू.1,70,800.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य(अप्रतिदेय) रू. शून्य ।

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि दि.08.02.2024 के 15.30 बजे तक है।

इस बारे में अधिक संचार/शुद्धिपत्रों को केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in पर ही प्रकाशित किया जायेगा।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/एम/गुंटूर

PUB/0057

A0064

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दर्शकों को असुविधा से बचाने के उपाय किए जाएंगेः सुधीर बाबू

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, उप्पल में 25 से 29 जरवरी के बीच होने वाले पांच दिवसीय टेस्ट क्रिकेट मैच की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राचकोंडा कमिश्नर सुधीर बाबू ,डीसीपी मलकज गिरी पद्मजा आईपीएस और हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने उप्पल स्टेडियम में एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में सीपी सुधीर बाबू ने कहा कि उप्पल स्टेडियम में क्रिकेट मैचों का आयोजन बहुत प्रतिष्ठित है और यह राचाकोंडा आयुक्तालय में क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन करने का एक शानदार अवसर है और अधिकारियों को उचित सुरक्षा व्यवस्था करने की सलाह दी। अधिकारियों को दर्शकों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए व्यवस्था करने और सतर्क रहने की सलाह दी गई है क्योंकि बड़ी संख्या में दर्शकों के आने की संभावना है। अधिकारियों को रचाकोंडा आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में होने वाले टेस्ट क्रिकेट मैच के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय करने की सलाह दी गई कि टिकटों का वितरण ठीक से किया जाए। एचसीए अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया गया कि शीतल पेय और अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतें मानदंडों के भीतर हों।

स्टेडियम के आसपास सीसीटीवी लगाने का सुझाव दिया गया है। दर्शकों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए आवश्यक पार्किंग व्यवस्था का सुझाव दिया गया है। बताया गया है कि सभी की गतिविधियां सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड की जाएंगी। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे आयोजकों को पास जारी करने में उचित सावधानी बरतने का निर्देश दें। उन्होंने कहा कि फर्जी टिकट बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और टिकटों का वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। स्टेडियम के आसपास सीसीटीवी लगाने का सुझाव दिया गया है. दर्शकों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए आवश्यक पार्किंग व्यवस्था का सुझाव दिया गया है। बताया गया है कि सभी की गतिविधियां सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड की जाएंगी। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे आयोजकों को पास जारी करने में उचित सावधानी बरतने का निर्देश दें। उन्होंने कहा कि फर्जी टिकट बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और टिकटों का वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा.

इस बैठक में हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जगन मोहन राव, उपाध्यक्ष दलजीत सिंह, एचसीए सचिव देवराजू डीसीपी मलकाज गिरी पद्मजा, एडमिन डीसीपी इंदिरा, एसबी डीसीपी करुणाकर, ट्रैफिक डीसीपी मल्काजीगिरी अतिरिक्त डीसीपी वेंकट रमना, रफीक और अन्य ने भाग लिया।

नेल्लोर रेलवे स्टेशन उन्नयन कार्य तेज गति से जारी

हैदराबाद , 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व, पश्चिम और उत्तर दिशा में स्टेशन भवनों की नींव और स्तंभों का काम पूरा हो गया। स्टेशन के पश्चिमी हिस्से में सबवे का 80 प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है। ईपीसी मोड के तहत शुरू किए गए नेल्लोर रेलवे स्टेशन के उन्नयन कार्य लगातार प्रगति कर रहे हैं। ग्रैंड ट्रंक मार्ग पर स्थित स्टेशन को सुरुचिपूर्ण सुविधाओं के साथ विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए उन्नत किया जा रहा है। स्टेशन पुनर्विकास कार्य ईपीसी मोड के तहत मेसर्स को सौंपा गया है। एससीएल इंफ्राटेक लिमिटेड, हैदराबाद और इसे 21 महीने की छोटी अवधि के भीतर काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पश्चिम की ओर एक नई इमारत का निर्माण किया जा रहा है, जबकि पूर्व की ओर और उत्तर की ओर मौजूदा इमारतों को रेल उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप विस्तारित किया जा रहा है। इसके साथ-साथ इमारतों के नवीनीकरण और मुखौटा सुधार का कार्य भी किया जा रहा है। स्टेशन उन्नयन के पहले चरण में, साइट कार्यालयों की स्थापना, कंक्रीट परीक्षण प्रयोगशाला, सामग्रियों के ढेर के लिए भंडारण शेड, रेलवे कोर्ट और जीआरपी कार्यालयों के लिए अस्थायी शेड का निर्माण पूरा हो चुका है। सभी भवनों में नींव और कॉलम की कंक्रीटिंग का काम भी पूरा हो चुका है। पूर्व दिशा की इमारत में, भूतल, पहली मंजिल और दूसरी मंजिल के स्लैब की छत के स्लैब की कंक्रीटिंग का काम पूरा हो चुका है, जबकि दूसरी मंजिल के स्लैब के लिए शटरिंग और सेंटरिंग का काम प्रगति पर है। पश्चिम दिशा की इमारत में, भूतल, पहली मंजिल, दूसरी मंजिल, तीसरी मंजिल की नींव और छत के स्लैब की कंक्रीटिंग का काम पूरा हो चुका है, जबकि तीसरी मंजिल के लिए सेंटरिंग और शटरिंग का काम चल रहा है। उत्तर दिशा की इमारत में, नींव और स्तंभों का काम पूरा हो चुका है और भूतल की छत के स्लैब की सेंटरिंग और शटरिंग का काम चल रहा है। सभी प्लेटफार्मों (1 से 4) पर 36 मीटर चौड़ाई के एयर कॉनकोर्स संबंधित निर्माण कार्य चल रहे हैं, जिसमें नींव, कॉलम की कंक्रीटिंग और गर्डर्स की लॉन्चिंग का काम भी पूरा हो चुका है, जबकि फर्श का काम प्रगति पर है। सबवे विस्तार के संबंध में, ट्रैक के नीचे का महत्वपूर्ण हिस्सा पूरा हो गया है और आरएच गर्डरों को ट्रैक से हटा दिया गया है। 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा अन्य कार्य प्रगति पर हैं। अन्य कार्यों के संबंध में, सभी प्लेटफार्मों पर प्लेटफार्म स्टैंचियन पर कवर का निर्माण पूरा हो गया है और गैलवेल्यूम शीट का 80% काम पूरा हो चुका है। इसके साथ ही स्थायी न्यायालय भवन, 6 लाख लीटर क्षमता का ग्राउंड लेवल जलाशय, 870 किलो लीटर क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण लगभग पूरा होने के अंतिम चरण में है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने सभी चरणों में कार्यों का उचित निष्पादन सुनिश्चित करने की सलाह दी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्टेशन उन्नयन कार्य समय पर पूरा हो जाए। उन्होंने निष्पादन अधिकारियों को रेल उपयोगकर्ताओं को कम से कम असुविधा सुनिश्चित करते हुए सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरतते हुए काम करने का भी निर्देश दिया।

हैदराबाद में 10 फरवरी से बिजली कटौती

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीएसएसपीडीसीएल) ने आगामी गर्मियों से पहले रखरखाव और मरम्मत कार्यों के लिए हैदराबाद में निर्धारित बिजली कटौती की घोषणा की है। गर्मियों के दौरान बिजली की मांग में वृद्धि की आशंका को देखते हुए, टीएसएसपीडीसीएल ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) सीमा के भीतर रोटेशनल आधार पर बिजली लाइनों और सबस्टेशनों पर रखरखाव और मरम्मत कार्य करेगा। निवासियों को सूचित रखने के लिए, दैनिक बिजली कटौती कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी टीएसएसपीडीसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। हैदराबाद के निवासियों की असुविधा को कम करने के लिए, टीएसएसपीडीसीएल ने रखरखाव कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए फील्ड-स्तरीय कर्मचारियों के लिए एक समयरेखा निर्धारित की है, जिसका लक्ष्य प्रत्येक सत्र को 15 मिनट से 2 घंटे के भीतर समाप्त करना है।

यह पहल, रविवार और त्योहारों को छोड़कर, गर्मी के मौसम के दौरान अपेक्षित उच्च मांग को पूरा करने के लिए बिजली के बुनियादी ढांचे को अनुकूलित करने की दिशा में तैयार की गई है। टीएसएसपीडीसीएल उन क्षेत्रों के बिजली उपभोक्ताओं से आग्रह करता है जहां रखरखाव कार्य किया जाना है, वे बिजली विभाग के साथ सहयोग करें।

क्षेत्रीय रिंग रोड के काम में तेजी लाएं अधिकारीः रेवंत

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को ग्रेटर हैदराबाद के आसपास क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया है। सीएम कार्यालय के एक प्रेस नोट के अनुसार उन्होंने तीन महीने के भीतर भूमि अधिग्रहण का काम पूरा करने और संबंधित कार्यों के लिए निविदा प्रक्रियाओं को शीघ्र शुरू करने पर जोर दिया।158.645 किलोमीटर तक फैली आरआरआर (उत्तर) परियोजना, भारतमाला परियोजना के पहले चरण का हिस्सा है, जिसमें राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण लागत का 50 प्रतिशत वहन करती है।

सरकार औद्योगिक विकास के लिए तेलंगाना को तीन समूहों में विभाजित करने की योजना बना रही है। बाहरी रिंग रोड के भीतर एक शहरी क्लस्टर, बाहरी रिंग रोड और आरआरआर के बीच एक अर्ध-शहरी क्लस्टर और आरआरआर से परे एक ग्रामीण क्लस्टर्। आरआरआर के पूरा होने से परिवहन में आसानी होगी औरखासकर अर्ध-शहरी क्षेत्र में्। विकास में तेजी आने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से आरआरआर (दक्षिण) हिस्से को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और क्षेत्र के लिए भूमि अधिग्रहण योजना तैयार करने का भी आग्रह किया। आरआरआर को पूरा करने के लिए सरकार कोई भी वित्तीय बोझ उठाने को तैयार है।

एनसीसी टीम ने जीते तीन स्वर्ण चार रजत और तीन कांस्य

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी निदेशालय, एपीएंडटी नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस हॉर्स शो प्रतियोगिता 2024 में अपने प्रतिभाशाली एनसीसी सवारों द्वारा घुड़सवारी कौशल के विजयी प्रदर्शन की घोषणा करते हुए रोमांचित है। एनसीसी अपने कैडेटों को युवाओं में खेल भावना के अलावा साहस, दृढ़ता और अनुशासन के गुणों को विकसित करने के लिए घुड़सवारी की विशेष सुविधा प्रदान करता है। गणतंत्र दिवस शिविर के हिस्से के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में हमारे राइडर्स ने अपने असाधारण कौशल और खेल के प्रति समर्पण का प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते।

घुड़सवारी उत्कृष्टता के उल्लेखनीय प्रदर्शन में, हमारी टीम ने विभिन्न श्रेणियों में तीन स्वर्ण, चार रजत, तीन कांस्य पदक और सबसे प्रतिष्ठित शो जंपिंग चैंपियन ऑफ द डे ट्रॉफी जीती है। 03 से 08 जनवरी 2024 तक आर्मी इक्वेस्ट्रियन नोड, नई दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में 15 एनसीसी निदेशालय के शीर्ष एनसीसी राइडर्स एक साथ आए, जिससे यह एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और प्रतिष्ठित कार्यक्रम बन गया। एनसीसी निदेशालय एपी एंड टी टीम की सफलता सवारों, घोड़ों और उनके सहायक कर्मचारियों दोनों के कठोर प्रशिक्षण, प्रतिबद्धता और जुनून का प्रमाण है। सवारों ने अपने शानदार घोड़ों पर सवार होकर कौशल, सटीकता और अनुग्रह का एक आदर्श मिश्रण प्रदर्शित किया, जिससे दर्शकों और न्यायाधीशों का ध्यान और प्रशंसा समान रूप से आकर्षित हुई। उल्लेखनीय उपलब्धियों में वे शामिल हैं जो अपनी-अपनी श्रेणियों में सच्चे चैंपियन बनकर उभरे। हमारी टीम के सदस्यों द्वारा प्रदर्शित समर्पण और खेल कौशल ने न केवल एनसीसी निदेशालय (एपी एंड टी) को गौरव दिलाया है, बल्कि हमारे देश में घुड़सवारी खेल की समृद्ध विरासत में भी योगदान दिया है।

अज्ञात हैकर्स ने राज्यपाल तमिलिसाई की सोशल मीडिया को निशाना बनाया, मामला दर्ज

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई साउंदराजन के श्एक्सश् अकाउंट को हैक करने के आरोप में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। राजभवन के अधिकारियों द्वारा पुलिस में शिकायत करने के बाद मामला दर्ज किया गया था कि कुछ लोगों ने मंगलवार को खाता हैक कर लिया था और संबंधित अधिकारी उपलब्ध विकल्पों का उपयोग करने के बावजूद लॉग इन करने और इसे प्रबंधित करने में असमर्थ थे। पुलिस ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट के प्रबंधन से संपर्क कर उन्हें जानकारी दी है और साथ ही दोषियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।पुलिस ने देखा कि हैकर्स ने खाते पर कोई संदेश पोस्ट नहीं किया और अपनी गतिविधि खाते तक पहुंच को जब्त करने तक सीमित कर दी।

बीआरएस का नाम बदलकर टीआरएस करने की मांग

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के राज्य विधानसभा चुनावों में हार के बाद, भारत राष्ट्र समिति के नेताओं और कैडर से लेकर आलाकमान तक इसका नाम बदलकर तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) करने की मांग बढ़ रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के.रामा राव सहित वरिष्ठ बीआरएस नेता वर्तमान में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र-वार तैयारी बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहे हैं, जिसमें चुनावी हार के कारणों पर विचार-मंथन करते हुए कार्यकर्ताओं से सुझाव मांगे जा रहे हैं। पार्टी की हर बैठक में कुछ नेता और कार्यकर्ता वरिष्ठ नेतृत्व से नाम बदलकर टीआरएस करने के लिए कह रहे हैं।

उन्हें लगता है कि तेलंगाना के बिना, पार्टी का नाम लोगों से अलग हो गया है।

एक अन्य नेता ने कहा कि हालांकि वे नाम बदलने के खिलाफ हैं, लेकिन वे अपने मन की बात नहीं कह सकते क्योंकि राव, जिन्हें केसीआर के नाम से भी जाना जाता है, कठोर निर्णय लेने और अदम्य रूप से उभरने के लिए जाने जाते हैं।नेता ने कहा कि टीआरएस में नाम बदलना विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के लिए जिम्मेदार शीर्ष पांच कारणों में से एक है। 2022 में, केसीआर ने तेलंगाना से परे पार्टी के पदचिह्न का विस्तार करने के लिए टीआरएस का नाम बदलकर बीआरएस कर दिया, लेकिन विधानसभा चुनाव में विफलता से उनकी योजनाएं पटरी से उतर सकती हैं और कुछ महीनों में स्पष्टता सामने आएगी।अविभाजित आंध्र प्रदेश में तेलंगाना के गठन से पहले भी बीआरएस (तब टीआरएस) एक दुर्जेय ताकत थी और इसकी यूएसपी तेलंगाना के हितों की चैंपियन थी। केसीआर के नेतृत्व वाली पार्टी को 30 नवंबर के चुनावों में 175 विधानसभा सीटों में से केवल हासिल हुई।

संक्रांति खत्मः नगर में लोगों की वापसी, टोल प्लाजा पर भारी भीड

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्योहार के बाद, बुधवार को अपने गांवों से लौटने वाले लोगों की भारी भीड के कारण हैदराबाद की ओर जाने वाली सड़कों पर टोल प्लाजा पर यातायात की भीड़ बढ़ गई है। मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश से हजारों वाहन अपने गृहनगर में त्योहारी छुट्टियां मनाने के बाद शहर वापस आ रहे हैं। अत्यधिक प्रभावित मार्गों में से एक विजयवाड़ा-हैदराबाद रोड है, जहां टोल प्लाजा पर वाहन यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। भीड से निपटने के लिए, अधिकारियों ने सक्रिय कदम उठाए हैं। चैटुप्पल मंडल में पंतंगी टोल प्लाजा पर, अधिकारियों ने विशेष रूप से हैदराबाद की ओर जाने वाले वाहनों के लिए 10 टोल बूथ खोले हैं। इसी प्रकार कोरलापहाड़ टोल बूथ पर भी आठ बूथ चालू किये गये हैं। सूर्यापेट में घटकेसर टोल प्लाजा पर भारी ट्रैफिक जाम की सूचना मिली है, जो मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश से हैदराबाद आने वाले वाहनों के कारण हुआ है। घटकेसर टोल प्लाजा पर कुल 12 बूथों में से छह को हैदराबाद की ओर सुगम यातायात प्रवाह की सुविधा के लिए खोल दिया गया है।

अग्र महिला मंच का सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या कार्यक्रम 20 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच की कार्यकारिणी सभा मंत्राणी अंजु गोयल के निवास स्थान हिमायतनगर स्थित श्री साई सदन में की गई। प्रेस विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि नव वर्ष 2024 के आगमन के स्वागत के साथ ही यह सभा मंच की 8वीं सभा थी, जिसमें सभी पदाधिकारियों व अन्य सदस्यों की सहमति से श्रीराम मंदिर अयोध्या में उद्धघाटन दिवस एवं श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर पंडित सुदामाचार्य महाराज जी के मुखारविंद से बशीरबाग स्थित शक्ति हनुमान देवस्थानम में 20 जनवरी मध्यान्ह 1.40, शनिवार को संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवम् भजनों का कार्यक्रम भव्य रूप से किया जायेगा , हाई टी की व्यवस्था का भी प्रबंध किया गया है, इस सभा में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणि अंजू गोयल, पूर्वाध्यक्ष सरला अग्रवाल, मंजू केजरीवाल, संजीता अग्रवाल, मधु गोयल, सीमा पंसारी, प्रभावती अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, सपना अग्रवाल, सीमा गर्ग, संगीता देवड़ा, अनिता अग्रवाल, अमिता बगोडिया ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहयोग दिया। सरला अग्रवाल के आभार व धन्यवाद से सभा संपन्न हुई।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

एस. एलिना राज

माता : अंजलि राज

पिता : राज कुमार

'प्रधानमंत्री कौन बनेगा, यह महागठबंधन का विषय नहीं'

नीतीश कुमार को लेकर उनके ही मंत्री ने कह दी बड़ी बात

मंत्री लेसी सिंह

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना, 17 जनवरी (एजेंसियां)। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में देश का नेतृत्व करने के सभी गुण मौजूद हैं। जदयू कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री कौन बनेगा, यह महागठबंधन का विषय नहीं है। पार्टी के कार्यकर्ताओं को अपनी भावना प्रकट करने का अधिकार है। किसी भी पार्टी का कार्यकर्ता अपने नेता को सर्वोच्च पद पर देखना चाहता है। जदयू कार्यकर्ता के नाते हमारी भी यही भावना है कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनकर देश का नेतृत्व करें। लेशी सिंह ने कहा कि प्रभु श्रीराम हम सबों के आराध्य हैं। हमारे दिल में बसते हैं। वे सर्वोच्च हैं। अयोध्या जाना या नहीं जाना किसी का व्यक्तिगत निर्णय हो सकता है।

कौन हैं लेशी सिंह?

लेशी सिंह पूर्णिया के धमदाहा विधानसभा क्षेत्र की जदयू विधायक हैं। एक सामान्य परिवार की बेटी व बहू लेसी सिंह का न केवल अब तक का सियासी सफर काफी दिलचस्प है बल्कि उन्होंने जीवन के कई परेशानियों का डटकर मुकाबला किया है। लेसी सिंह का जन्म मूल रुप से कटिहार जिले के मनिहारी प्रखंड स्थित गौआगाछी गांव में हुआ था। बाद में उनके पिता दिवंगत गंगाशरण सिंह सरसी में ही बस गए। पांच जनवरी 1974 को जन्म लेने वाली लेसी सिंह की शादी महज 16 वर्ष की उम्र में गांव के ही समता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष मधुसूदन सिंह उर्फ बूटन सिंह से उनकी शादी हो गई। केवल 21 साल की उम्र में उन्होंने अपने पति के चुनाव प्रचार के लिए घर से निकल गई। 1995 में उनके पति धमदाहा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े थे और हार गए थे। इसके बाद उनके पति ने पूरा सियासी बागडोर लेसी सिंह के हाथों में ही थमा दी थी और तब से अब तक उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

यूपी पुलिस के दारोगा रिश्वत लेते पकड़े गए

जानलेवा हमले की धारा हटाने के लिए मांगी थी 10 हजार रुपये की रिश्वत

मुजफ्फरनगर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। एंटी करप्शन सहारनपुर की टीम ने भोपा थाने में तैनात एक दारोगा को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि एक मुकदमे में जानलेवा हमले की धारा हटाने की एवज में दारोगा ने रिश्वत की मांग की थी। एंटी करप्शन विभाग के अधिकारियों ने आरोपित दारोगा को थाना सिविल लाइंस लाकर पूछताछ की।

चिराग पासवान ने हाजीपुर लोकसभा सीट से

अपनी मां रीना को चुनाव लड़ाने का दिया संकेत

हाजीपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपनी मां रीना को हाजीपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाने का संकेत दिया। हाजीपुर लोकसभा सीट चिराग के दिवंगत पिता राम विलास पासवान का गढ़ है, जहां से उनके चाचा पशुपति कुमार पारस वर्तमान सांसद हैं और वह इस सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। चिराग ने हाजीपुर में एक विशाल रैली को संबोधित किया, जहां उनकी मां रीना को भीड़ के सामने माताजी के रूप में पेश किया गया और सम्मानित किया गया। वह रीना को 2024 में इस सीट से चुनाव लड़ाना चाहते हैं। वहीं जमुई से सांसद ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें

उम्मीद है कि हाजीपुर के लोग इस बार एक नया रिकॉर्ड बनाएंगे, जब वे लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को वोट देंगे। उन्होंने रैली के दौरान अपनी मां को चुनावी मैदान में उतारने के अपने इरादे पर स्पष्ट रूप से कुछ भी कहने से परहेज किया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस के हिन्दू वादी को मिली जान से मारने की धमकी

पाकिस्तान से आए धमकी भरे मैसेज

मथुरा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले से जुड़ी एक अहम खबर सामने आ रही है। इस केस से जुड़े हिन्दू पक्षकार आशुतोष पांडे को जान से मारने की धमकी दी गई है। जान से मारने की ये धमकी पाकिस्तान से आई है। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान से आए धमकी भरे ऑडियो मैसेज में हिन्दू पक्षकार को तीन दिन के अंदर मार डालने की बात कही गई है। इसके साथ ही मैसेज में उन्हें गंदी गालियां और अपशब्द भी कहे गए हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए आशुतोष पांडे ने कहा कि मेरे साथ ऐसी घटना हो गई जिसे मैं छुपा नहीं सकता हूं। पहले सुबह 10 बजे के पास धमकी दी गई और उसके बाद दोपहर लगभग दो बजे धमकाया गया। दूसरी धमकी से मेरे पदाधिकारी तक घबरा गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस के हिन्दू वादी आशुतोष पांडे को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इसके साथ ही ये भी बताया जा रहा है कि उनका फ़ेसबुक पेज हैक करके उस पर अश्लील वीडियो और फोटो भी शेयर किए गए। हालांकि हिन्दू वादी का कहना है कि धमकी के बाद उसे भेजने वाले ने ऑडियो मैसेज डिलीट कर दिया।

बिहार में हाड़ कंपाने वाली ठंड से कब मिलेगी राहत

पटना, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में पिछले एक सप्ताह से शीतलहर की का असर देखा जा रहा है। अधिकतम तापमान में काफी गिरावट आ चुकी है जिसके चलते हाड़ कंपाने देने वाली ठंड से लोग परेशान हैं। पटना मौसम विभाग के अनुसार 20 जनवरी तक ठंड से फिलहाल राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। आज बुधवार को राज्य के दक्षिण मध्य और दक्षिण पूर्व इलाकों के कुछ जिलों में हल्की वर्षा के साथ बादल छाए रहने का भी पूर्वानुमान है। साथ ही पछुआ एवं पूर्वा के मिलने के चलते ठंड और बढ़ेगी। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार दक्षिण बांग्लादेश और आसपास के क्षेत्रों पर चक्रवातीय परिसंचरण औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर बना हुआ है। इसके प्रभाव से आज भागलपुर, मुंगेर, जमुई, बांका, बेगूसराय, नालंदा और पटना जिले के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा के साथ बादल छाए रहने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने रिपोर्ट में बताया है कि राज्य के कई जिलों में घना कुहासा छाए रहने का पूर्वानुमान है। बुधवार को उत्तर बिहार के अधिसंख्य जिलों में भीषण शीतलहर की चेतावनी दी गई है। दक्षिणी भागों में भी अधिसंख्य जिलों में शीतलहर की स्थिति रहेगी और ज्यादातर जिलों में सुबह के समय ज्यादा कुहासा होने की संभावना है।

'दिल्ली और पंजाब की तरह यूपी में भी'

बिजली बिल माफ होना चाहिए: ओमप्रकाश राजभर

बलरामपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने एक बड़ा बयान दिया। बलरामपुर में कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे राजभर ने कहा कि दिल्ली और पंजाब की तरह उत्तर प्रदेश में भी घरेलू बिजली का बिल माफ होना चाहिए। अपने विवादित बयानों के कारण हमेशा चर्चा में रहने वाले राजभर ने नेताओं पर आरोप लगाया, 'दारू, मुर्गा और पैसे देकर नेता वोट ले लेते हैं, लेकिन जनता को कुछ दिया नहीं है। नेताओं ने सिर्फ जनता को गुमराह करके रखा है, लेकिन हम उत्तर प्रदेश और बिहार में जनता को जागरूक करने के लिए निकले हैं।'

'यूपी में 7 साल में एक भी दंगा नहीं हुआ'

सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए एसबीएसपी चीफ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी विधायकों को 25-25 लाख रुपये लोगों के इलाज के लिए दिए हैं लेकिन इस बात की लोगों को जानकारी नहीं है। उन्होंने मांग कि की दिल्ली और पंजाब की तरह घरेलू बिजली का बिल माफ होना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, 'अगर गुजरात, बिहार और पुडुचेरी में शराब बंदी हो सकती है तो पूरे देश में शराबबंदी क्यों नहीं हो सकती।' वहीं, सपा पर निशाना साधते हुए राजभर ने कहा, 'सपा राज को गुंडाराज की

संज्ञा दी जाती है जबकि योगी राज में कानून व्यवस्था बेहतर है। यहां तक कि 7 वर्ष में एक भी दंगा प्रदेश में नहीं हुआ है।'

'उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतेगा एनडीए'

राजभर ने दावा किया कि एनडीए उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें तथा पूरे देश में 400 सीटें जीतेगा। राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने 2022 का विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके लड़ा था और उसे प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में 6 सीटों पर जीत मिली थी। हालांकि बाद में वह सपा से नाता तोड़कर एनडीए में शामिल हो गये। इसके पहले वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में बनी एनडीए सरकार में राजभर पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री थे, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मनमुटाव के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव से ऐन पहले वह सरकार से अलग हो गये थे। एसबीएसपी सुप्रीमो ओम प्रकाश राजभर गाजीपुर की जहूराबाद सीट से विधायक हैं।

अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में लिया 14 करोड़ का प्लॉट

तो कांग्रेस ने बीजेपी पर बोला हमला

लखनऊ, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर के चलते अयोध्या शहर सुर्खियों में बना हुआ है। हर कोई अयोध्या जाना चाह रहा है और वहां जमीन खरीदकर अपना आशियाना भी बनाना चाह रहा है। राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाली रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बीच खबर मिली है कि सुपरस्टार अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में 10 हजार स्क्वायर फीट जमीन खरीदी है। इस प्लॉट की कीमत 14 करोड़ रुपये के आसपास बताई जा रही है। खास बात ये है कि यह प्लॉट राम मंदिर से महज 15 मिनट की दूरी पर है।

रिपोर्ट की मानें तो अमिताभ बच्चन इस प्लॉट पर अपना घर बनाना चाहते हैं। मगर अमिताभ बच्चन द्वारा इस प्लॉट को खरीदने के बाद कांग्रेस ने सत्ताधारी भाजपा पर हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए यूपी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा, "आस्था में अवसर। आज सिने स्टार अभिताभ बच्चन ने अयोध्या में 10 हजार स्क्वायर फीट जमीन रजिस्ट्री कराई है जिसकी कीमत 14 करोड़ बताई जा रही है। अयोध्या का किसान 2017 से ही वहां अपनी जमीनों के सर्किल रेट बढ़ाने को लेकर संघर्ष कर रहा है जो सड़क और सरकारी दफ्तरों से निकलकर आज़ लखनऊ के हाईकोर्ट में लंबित है।"उन्होंने आगे कहा, "किसानों की मांग को बीजेपी-आरएसएस की देश-प्रदेश की सरकार ने नकार दिया है। आज अयोध्या की स्थिति क्या है? शासन तंत्र के साथ सांठगांठ करके सरकार से जुड़े उद्योगपति व जमीन व्यवसायी/बिल्डर किसानों की जमीनों को औने-पौने दामों में लेकर जमीन लेने को आतुर देश के बड़े-बड़े चेहरों को मुंह मांगे दाम पर बेच रहे हैं। सरकार-व्यवस्था की अयोध्या में संगठित लूट चल रही हैं जिसमें सब हिस्सेदार हैं। यह 'आस्था में अवसर' नहीं तो और क्या है।" आपको बता दें कि प्लॉट सरयू नदी के किनारे बनने वाले 7 स्टार प्लॉटेड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट 'द सरयू' का हिस्सा है। इस पर मुंबई स्थित डेवलपर 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' (एचओएबीएल) काम करेगा। सरयू प्रोजेक्ट मार्च 2028 तक पूरा हो जाएगा।

अमिताभ बच्चन ने कही ये बात

रिपोर्ट के मुताबिक, प्लॉट में इन्वेस्ट करने को लेकर अमिताभ बच्चन ने कहा, "मैं अयोध्या में 'सरयू' और एचओएबीएल के साथ इस यात्रा को शुरू करने के लिए उत्सुक हूं। ये एक ऐसा शहर है जो मेरे दिल में एक खास जगह रखता है। अयोध्या की शाश्वत आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक समृद्धि ने एक भावनात्मक संबंध बनाया है जो भौगोलिक सीमाओं से परे है। ये एक हार्दिक यात्रा की शुरुआत है। मैं वैश्विक आध्यात्मिक राजधानी में अपना घर बनाने की आशा कर रहा हूं।"

लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी में जुटे चंद्रशेखर रावण ने कर दिया बड़ा ऐलान

मऊ, 17 जनवरी (एजेंसियां)। मऊ के एक निजी सभागार में आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर रावण मऊ पहुंचकर कार्यकर्ता सम्मेलन किया साथ ही लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जोर से नारा लगाने जय भीम करने और हल्ला करने से कोई कार्यकर्ता नहीं हो जाता है और ना ही कोई विचारधारा आगे बढ़ती है डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि, समझदारों की भीड़ में अगर कोई अच्छे कपड़े पहन कर बैठ जाए तो वह तब तक नहीं समझ में आता जब तक वह कुछ बोलना या करता नहीं इसलिए अच्छे काम और बातों से आप अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाएं। दौरान चंद्रशेखर रावण ने कहा कि, लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर जिला स्तरीय सम्मेलन हम पूरे प्रदेश भर में कर रहे हैं और हर लोकसभा सीटों पर क्या राजनीतिक एवं सामाजिक समीकरण है उसका विवरण कार्यकर्ताओं से लिया जा रहा है। इंडिया एलाइंस में जो जरूरी बातें हैं उन सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार हो रहा है और हमारा लक्ष्य की केंद्र में जो भाजपा सरकार है, उसमें गरीब और गरीब होता जा रहा है अमीर और अमीर होता जा रहा है महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा इस समय दांव पर लगी हुई है। गरीब मजदूर किसान व्यापारी सभी इस समय काफ़ी परेशान इसलिए हमारा पूरा प्रयास है इस भाजपा सरकार को पूरी ताकत के साथ रोकना।

'राम भक्त होना कोई पाप नहीं है' , प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाएंगे कांग्रेस नेता निर्मल खत्री; राहुल गांधी को लेकर कही ये बात

अयोध्या, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ। निर्मल खत्री ने सोशल मीडिया के फेसबुक पेज पर अपने मन की बात साझा करते हुए प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए निमंत्रण को व्यक्तिगत बताते हुए स्वीकार किया है। उन्होंने प्रदेश के कांग्रेसियों को इवेंट की राजनीति को छोड़कर विरोधियों से वैचारिक धरातल पर लड़ने के लिए संगठन मजबूत करने की सलाह भी दी। खत्री ने लिखा कि मैं इस कार्यक्रम में भाग लूंगा। कांग्रेस पार्टी का ऐसा कोई निर्देश नहीं है कि कोई कांग्रेसी इस कार्यक्रम में भाग न ले, सिर्फ हमारे सर्वोच्च नेताओं ने ही 22 के निमंत्रण में आने में असमर्थता व्यक्त की है। आगे लिखा कि अब तो प्रदेश कांग्रेस इकाई ने भी 15 तारीख को अयोध्या यात्रा, सरयू में डुबकी, दर्शन करके 22 तारीख के निमंत्रण को हर हाल में स्वीकार करने के लिए प्रेरित कर दिया है। खत्री ने आगे लिखा, राम भक्त होना कोई पाप नहीं है, मुझे इस भक्ति पर गर्व है और मुझे इस बात पर भी गर्व है कि मैं प्रभु राम की नगरी का निवासी हूं। मेरी जन्मस्थली व कर्मभूमि भी अयोध्या है। सभी धर्मों के लोगों को अपने इष्ट देव पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने वाल्मीकि रामायण की रामो विग्रहवान्‌ धर्मः का ध्यान दिलाते हुए लिखा कि राम धर्म हैं और धर्म ही राम। महात्मा गांधी का राम, सनातन अजन्मा है, वह आत्मशक्ति का उपासक है, वह निर्बल का सहारा है, उसकी कसौटी प्रजा का सुख है। मैं धर्म के पाखंड का विरोधी, धर्म के सहारे राजनीतिक लाभ लेने के हथकंडे का विरोधी हूं। उन्होंने राहुल गांधी को साहसी बताते हुए लिखा कि वह इस देश के लोगों की आवाज बनकर उनकी समस्याओं को उजागर करने और उन्हें यह विश्वास दिलाने कि राहुल गांधी उनके साथ खड़ा है, एक लंबी यात्रा पर मणिपुर से महाराष्ट्र के लिए निकले है। उन्होंने अपने प्रिय, निर्भीक, ईमानदार नेता को यात्रा की सफलता के लिए मंगलकामनाएं अर्पित कीं। लिखा, किसी भी दल या संगठन की विचारधारा से लड़ाई वैचारिक आधार पर अपने संगठन को मजबूत करके ही लड़ी जा सकती है न कि जवाबी। उन्होंने सलाह भरे शब्दों में लिखा कि इवेंट से इवेंट की लड़ाई में हम अपने प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला नहीं कर पाएंगे। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस नेताओं से एक सच्चा कांग्रेसी होने के नाते आग्रह किया कि इवेंट की राजनीति को छोड़कर हम अपने विरोधियों से वैचारिक धरातल पर अपने संगठन को मजबूत करके और उसके द्वारा जनमानस में भी अपनी भावना का प्रचार-प्रसार करके ही कर सकते है।

यह राजनीति नहीं, धर्मनीति है

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले राम मंदिर के मुख्य पुजारी ने ऐसा क्यों कहा?

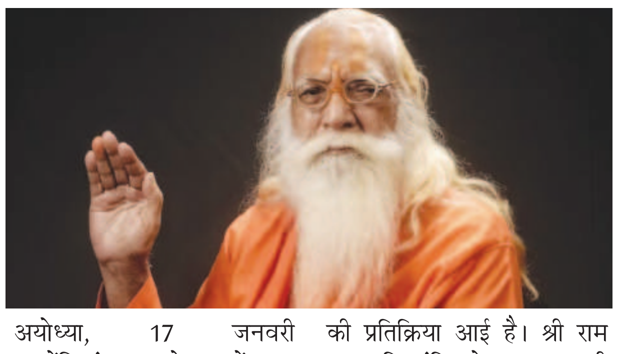

अयोध्या, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर समारोह और प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। विपक्षी पार्टियों ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्रर सरकार पर अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। हालांकि, विपक्ष के आरोपों के बीच राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास की प्रतिक्रिया आई है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा कि यह 'राजनीति' नहीं है; यह 'धर्मनीति' (धर्म मार्ग) है। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा, 'यह राजनीति नहीं है; यह धर्मनीति है। वे प्रधानमंत्री के बारे में अनाप-शनाप बोलते रहते हैं। बीजेपी उसका जवाब देगी। हालांकि, मैं 'धर्मनीति' से जुड़ा हूं। मुझे बस 'राम भक्तों' की सेवा करनी है। मैं एक पुजारी हूं और मेरा राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।' बता दें कि 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है, जिसमें पीएम मोदी समेत देश के कई दिग्गज शामिल होंगे।

विपक्ष ने क्या आरोप लगाया

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को अब विपक्ष लोकसभा चुनाव से जोड़ रहा है और विपक्षी दल इसकी टाइमिंग को लेकर भाजपा पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि अयोध्या में 22 जनवरी के 'प्राण प्रतिष्ठा' कार्यक्रम को 'चुनावी, राजनीतिक और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं आरएसएस का कार्यक्रम' बना दिया गया है, जिस वजह से पार्टी के प्रमुख नेताओं ने इसमें शामिल नहीं होने का फैसला किया। उन्होंने दावा किया कि यह चुनावी कार्यक्रम है, और इसके जरिये 'चुनावी माहौल' तैयार किया जा रहा है। उनका कहना था कि कांग्रेस पार्टी का कोई भी व्यक्ति जो भी दर्शन के लिए जाना चाहता है, वह जा सकता है।

राहुल गांधी ने क्या कहा

अयोध्या में 'प्राण प्रतिष्ठा' कार्यक्रम से जुड़े सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, 'राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भाजपा ने 22 जनवरी के कार्यक्रम को पूरी तरह से राजनीतिक और 'नरेंद्र मोदी फंक्शन' बना दिया है। यह संघ और भाजपा का कार्यक्रम बन गया है। यही कारण है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह इस कार्यक्रम में नहीं जाएंगे।' उन्होंने कहा, 'हम सभी धर्मों के साथ हैं।

मदीना से अमेठी तक

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के दौरे के सियासी मायने समझिए

अमेठी, 17 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले अमेठी सांसद एवं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी काफी एक्टिव हो गई हैं। अमेठी का लगातार दौरा कर रही हैं। कुछ दिन पहले स्मृति ईरानी मक्का और मदीना का दौरा किया था। उनके दौरे को लेकर कट्टरपंथियों ने जमकर हमला बोला था। मक्का दौरा से क्या स्मृति ईरानी को फायदा मिलेगा। अगर अमेठी में मुस्लिम वोटरों की बात करें तो करीब तीन लाख मुस्लिम वोटर पूरे जिले में हैं। ऐसे में क्या स्मृति ईरानी का मक्का- मदीना दौरा मुस्लिम वोटरों पर सकारात्मक प्रभाव डाल पाएगा?

किन सीटों पर मुस्लिम वोटर अहम रोल में

अमेठी जिले की तिलोई विधानसभा सीट पर सबसे ज्यादा मुस्लिम वोटर हैं। तिलोई सीट पर बीजेपी का विधायक है। यहां से मयंकेश्वर शरण सिंह 2022 का चुनाव जीते हैं। इस सीट से मुस्लिम वोटर ज्यादा होने के कारण बीजेपी की जीत ये बताती है कि अल्पसंख्यक भी बीजेपी की साथ है। तिलोई सीट पर करीब 1 लाख 41 हजार मुस्लिम वोटर है। इसके बाद जगदीशपुर विधानसभा सीट पर मुस्लिम वोटर हैं। इस सीट पर 95 हजार मुस्लिम वोटर हैं। यहां से भी बीजेपी के सुरेश कुमार विधायक हैं। फिर गौरीगंज विधानसभा सीट आती है। यहां पर करीब 35 हजार मुस्लिम वोटर हैं। इस सीट पर सपा के राकेश प्रताप सिंह विधायक हैं। सबसे आखिरी में अमेठी विधानसभा सीट आती है। इस सीट पर लगभग 22 हजार मुस्लिम वोटर हैं। यहां से सपा की महाराजी प्रजापति विधायक हैं। ऐसे में साफ है कि जहां दो सीट पर बीजेपी का दबदबा है तो वहीं दो सीट पर सपा का दबदबा है।

संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस रद्द करने से हुआ काफी नुकसान

स्मृति ईरानी की छवि को सबसे ज्यादा नुकसान अमेठी के संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को रद्द करने के बाद हुआ था। एक महिला की मौत के बाद यूपी सरकार ने अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया था। इसके बाद कई दिनों तक आंदोलन चला था। अमेठी के लोगों में इसको लेकर काफी आक्रोश था और उनका कहना था कि इसका लाइसेंस राजनीति के चलते रद्द किया गया था। लोगों ने कहा था कि यहां बड़ी संख्या में आम आदमी इलाज के लिए आता है। इस मामले में भाजपा सांसद वरुण गांधी भी कूदे थे। उन्होंने अस्पताल के लाइसेंस को रद्द किए जाने को लेकर सवाल उठाए थे।

प्राण प्रतिष्ठा से तीन दिन पहले बिस्तर का त्याग कर चौकी पर कंबल बिछाकर सोएंगे पीएम

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य जजमान की भूमिका निभा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्राण प्रतिष्ठा के तीन दिन पहले कठिन व्रत और संयम से गुजरना होगा। यम नियम के तहत पीएम बिस्तर की जगह लकड़ी की चौकी पर कंबल बिछा कर शयन करेंगे। अंतिम दिन दिन सिर्फ फलाहार पर तो प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन पूर्ण उपवास पर रहेंगे। उल्लेखनीय है कि यम नियम के तहत ही पीएम मोदी बीते शुक्रवार से व्रत और कई नियमों का पालन कर रहे हैं। इस क्रम में पीएम 12 जनवरी से लगातार एक समय के उपवास पर हैं।

विहिप सूत्रों के मुताबिक यम नियम और पूजा पद्धति के मुताबिक पीएम 19 जनवरी से 21 जनवरी तक पूर्ण रूप से फलहार पर निर्भर रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन उन्हें पूर्ण उपवास करना होगा। इस दौरान पीएम शास्त्रों के नियमों के मुताबिक चुनिंदा मंत्रों का जाप करेंगे।

बिस्तर का भी करेंगे त्याग

यम नियम के मुताबिक पीएम प्राण प्रतिष्ठा से तीन दिन पहले सामान्य बिस्तर का त्याग करेंगे। प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन तक वह लकड़ी की चौकी पर कंबल बिछा कर सोएंगे। 11 दिनों के यम नियम में पीएम को हर दिन शास्त्रों के मुताबिक अलग-अलग कार्य करने होंगे। इसी नियम के तहत पीएम को अंतिम तीन दिन अन्न त्याग कर सिर्फ फलाहार पर निर्भर रहना होगा।

जटायु की मूर्ति की पूजा

प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन ही पीएम राम मंदिर परिसर में बने जटायु की मूर्ति की पूजा करेंगे। जटायु की मूर्ति की स्थापना विशेष रूप से मंदिर आंदोलन में अपना जीवन न्यौछावर करने वाले बलिदानियों की स्मृति में की गई है। पूजा के दौरान कार सेवा के दौरान शहीद हुए बलिदानियों के परिजन भी मौजूद रहेंगे। इसी दिन मोदी राम मंदिर निर्माण में जुटे मजदूरों के साथ भी संवाद करेंगे।

सात दिनों तक यजमान की भूमिका में रहेंगे डॉ. अनिल मिश्र

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य यजमान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ.अनिल मिश्र हैं। यजमान के रूप में उन्होंने मंगलवार को प्रायश्चित पूजन में हिस्सा लिया। अब वे सात दिनों तक यजमान की ही भूमिका में रहेंगे।

प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले कर्मकांडी ब्राह्मणों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, राममंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, संघ प्रमुख मोहन भागवत और डॉ. अनिल मिश्र सपत्नीक मुख्य आयोजन के समय 22 जनवरी को उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी गर्भगृह में अपने हाथ से कुशा और श्लाका खींचेंगे। उसके बाद रामलला प्राण प्रतिष्ठित हो जाएंगे। इसके बाद पीएम मोदी भोग अर्पित करने के साथ ही आरती भी करेंगे।

न मोदी से डरना, न शाह से...तुमको कह रहा हूं सिर्फ अल्लाह से खौफ खाना : ओवैसी

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि वह अल्लाह के सिवाय किसी से नहीं डरते हैं. फिर चाहे वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही क्यों न हों. हैदराबाद से सांसद ने इस दौरान और लोगों को भी सलाह दी कि वे न तो पीएम मोदी से डरें और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से डरें. वे सिर्फ और सिर्फ ऊपर वाले से डरें।

एआईएमआईएम चीफ की ओर से बातें बुधवार (17 जनवरी, 2024) को माइक्रो ब्लॉगिंग मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) के जरिए कहीं गईं। उन्होंने 36 सेकेंड्स का एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स हैंडल पर लिखा था, हम सिर्फ जमीन-ओ-आसमान को बनाने वाले से (अल्लाह के संदर्भ में) से डरते हैं. बाकी किसी से भी नहीं डरते हैं। उन्होंने इस दौरान जो वीडियो क्लिप शेयर की थी, उसमें वह जनसभा के दौरान शायराना अंदाज में कहते नजर आए- हम सिर्फ जमीन-ओ-आसमान को बनाने वाले से (अल्लाह के संदर्भ में) से डरते हैं. बाकी किसी से भी नहीं डरते हैं. जो मैं गुनहगार हूं, खताकार हूं, सियाकार हूं...मैं क्या हूं, मेरे रब को मालूम मगर मैं सिर्फ अल्लाह से डरता हूं और तुमको भी बोलने आया हूं कि न मोदी से डरना, न शाह से डरना और न हुकूमत से डरना...किसी से नहीं डरना. सिर्फ अल्लाह से डरना. असदुद्दीन ओवैसी का यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब देश में राम के नाम पर कथित तौर पर सियासत हो रही है. यूपी के अयोध्या में रामलला की 22 जनवरी, 2024 को प्राण-प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से पहले सियासी सूरमाओं से लेकर संतों के बीच जुबानी संग्राम देखने को मिला है। एआईएमआईएम के एमपी ने इससे पहले प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट (उपासना स्थल अधिनियम) का जिक्र छेड़ा था और कहा था कि यह संसद का बनाया हुआ है. ऐसे में क्यों मोदी सरकार कहती है कि हम इस पर स्टैंड करते हैं. विरोध का क्या है? 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद को किसने शहीद किया. यह मुद्दा जिंदगी भर रहेगा. अगर मस्जिद को आप शहीद नहीं करते तो कोर्ट का फैसला क्या आता? 6 दिसंबर तो एक फैक्ट है. क्या हम चाहेंगे कि दोबारा 6 दिसंबर हो? दूध का जला छाछ को भी फूंक फूंककर पीता है.

जगन्नाथ मंदिर हेरिटेज कॉरिडोर का उद्घाटन

सूर्य पूजा-हवन के साथ अनुष्ठान किया गया 800 करोड़ रुपए में बना गलियार

पुरी, 17 जनवरी (एजेंसियां)। देश के चार धामों में से एक 12वीं सदी में बने ओडिशा के पुरी जगन्नाथ मंदिर हेरिटेज कॉरिडोर (श्रीमंदिर परियोजना) का काम पूरा हो चुका है। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आज (17 जनवरी) मंदिर के गजपति दिव्यसिंह देव के साथ इस कॉरिडोर का उद्घाटन किया। ओडिशा सरकार ने उद्घाटन कार्यक्रम में भारत और नेपाल के एक हजार मंदिरों को न्योता भेजा था। साथ ही देश के चारों शंकराचार्यों, चारों पवित्र धाम और चार अन्य छोटे धामों को भी आमंत्रित किया गया। मंदिर प्रशासन ने नेपाल के राजा को भी निमंत्रण भेजा था।

प्रोजेक्ट के तहत मंदिर से लगे बाहरी दीवार (मेघनाद पचेरी) के चारों तरफ 75 मीटर चौड़ा गलियारा बनाया गया है। मंदिर के चारों ओर 2 किलोमीटर में श्रीमंदिर परिक्रमा पथ का निर्माण किया गया है। यहां से श्रद्धालु मंदिर का सीधे दर्शन कर सकेंगे। दिसंबर 2019 में शुरू हुए प्रोजेक्ट के तहत बने रिसेप्शन सेंटर में 6 हजार भक्त एक साथ खड़े हो सकेंगे। यहां 4 हजार परिवारों के लिए सामान रखने के लिए लॉकर रूम, शेल्टर पवेलियन, मल्टीलेवल कार पार्किंग, पुलिस और फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी के लिए शटल बस की सुविधा दी गई है। उद्घाटन के लिए दो दिन पहले यहां महायज्ञ शुरू हुआ। आज पूर्णाहूति के साथ इसे विधिवत रूप से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। 800 करोड़ रुपए में बनाए गए इस प्रोजेक्ट का मकसद 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल करना है।

मोबाइल चोर को 500 मीटर तक ट्रेन से लटकाया

चलती ट्रेन में थप्पड़ बरसाते रहे यात्री; वो बोलता रहा छोड़ दीजिए मर जाएंगे

भागलपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भागलपुर में एक महिला ट्रेन में फोन से बात कर रही थी, तभी मोबाइल झपटमार मोबाइल लेकर भागने लगा। ट्रेन में बैठे लोगों ने मोबाइल चोर को पकड़ लिया। यात्रियों ने चोर को ट्रेन से लटका दिया। करीब 500 मीटर तक यात्री चोर को थप्पड़ मारते रहे। चोर ट्रेन से लटककर छोड़ने की गुहार लगता रहा। वो कहता रहा कि छोड़ दो भइया, मर जाएंगे, हाथ टूट जाएगा। घटना 16 जनवरी की बताई जा रही है। इसका वीडियो अब सामने आया है।

हलक में अटकी जान तो देवदूत बने नौसैनिक

एयरलिफ्ट कर बचाई जान; एचएएल 'विंग्स इंडिया 2024' में दिखाएगा ताकत

हैदराबाद, 17 जनवरी (एजेंसियां)। किसी भी संकट या आपातकाल में सेना की याद आती है। ताजा घटनाक्रम समुद्र में मेडिकल इमरजेंसी का है। भारतीय नौसेना ने मुंबई से लगभग 65 नॉटिकल माइल (120 कि.मी) दूर से आई कॉल का तत्काल संज्ञान लिया और मरीज को एयरलिफ्ट किया। रिपोर्ट के मुताबिक रेस्क्यू ऑपरेशन इसलिए भी खास रहा क्योंकि जहाज पर हेलीकॉप्टर के लैंड करने की जगह नहीं थी। इसके बावजूद नौसैनिकों ने हार नहीं मानी और गजब का जज्बा दिखाया। खबर के मुताबिक मुंबई के तट से 100 किलोमीटर से भी अधिक दूर जा चुके फ्रांसीसी ध्वज वाले कंटेनर शिप- सीएमए सीजीएम पैलैस रॉयल (सीएमए सीजीएम पैलेस रॉयल) से मरीज की तबीयत बिगड़ी। नौसेना से मदद मांगी गई। मरीज को आंख या नसों से जुड़ी गंभीर समस्या थी। चेतावनी संदेश मिलने के बाद 16 जनवरी को नौसेना ने आईएनएस शिकरा पर मौजूद हेलीकॉप्टर को एम्बुलेंस की भूमिका में मदद के लिए भेजा। आईएनएस शिकरा पर नौसेना का एएलएच एमके III (एमआर) मरीज की मदद के लिए भेजा गया, लेकिन कंटेनर शिप पर लैंडिंग की जगह ही नहीं थी। नौसेना ने मरीज को बड़े बास्केट जैसे लिफ्ट में बिठाकर एयरलिफ्ट किया गया। मिशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ किया गया और नौसेना के हेलीकॉप्टर मरीज को लेकर आईएनएस शिकरा पर सुरक्षित उतर आए।

तेलंगाना में विंग्स इंडिया 2024 का आयोजन

मुंबई से इतर एक अन्य गतिविधि तेलंगाना में होने वाली है। हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर 18-21 जनवरी तक विंग्स इंडिया 2024 आयोजित होने वाला है। इसमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अपने स्वदेशी प्लेटफार्म- हिंदुस्तान -228 विमान और एएलएच ध्रुव उन्नत हेलीकॉप्टर का प्रदर्शन करेगा।

एचएएल के सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) सीबी अनंतकृष्णन ने बताया कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए 'मेड इन इंडिया' फिक्स्ड विंग सिविल एयरक्राफ्ट की पहल को आगे बढ़ा रहा है।

उड़ानों में देरी पर शशि थरूर ज्योतिरादित्य सिंधिया में जुबानी जंग

कांग्रेस नेता पर मंत्री का पलटवार

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बीच कोहरे के कारण उड़ान में देरी और दिल्ली हवाईअड्डे पर अव्यवस्था को लेकर विवाद हो गया। कांग्रेस नेता ने इसे मोदी सरकार द्वारा निर्मित आपदा बताकर केंद्र पर निशाना साधा। इसके बाद नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उनपर पलटवार करते हुए कहा कि थरूर थिसॉरस (शब्द भंडार) की अपनी गूढ़ दुनिया में खोए हुए हैं। उनके इंटरनेट से चुनिंदा प्रेस लेखों का डेटा संकलन शोध के रूप में उपयोगी है। उन्होंने एक के बाद एक छह एक्स पोस्ट कर केंद्र की मोदी सरकार पर तंज कसा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर अराजकता नागरिक उड्डयन मंत्रालय की उपेक्षा और अक्षमता का परिणाम है। विश्व के अन्य अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों जैसी आधुनिक सुविधाएं यहां स्थापित करने में नागरिक उड्डयन मंत्रालय विफल रही है। थरूर ने आरोप लगाया कि भारत का विमानन क्षेत्र खस्ता हालत में है। नागरिक मंत्रालय यह सुनिश्चित करने में फेल साबित हुआ है कि दिल्ली और अन्य भारतीय शहरों में हवाई अड्डे ऐसे वैश्विक मानक के हों कि शून्य दृश्यता में भी विमान वहां उतर सकें।

मुंबई-बेंगलुरु फ्लाइट में पैसेंजर पूरे सफर टॉयलेट में फंसा रहा

एयर-होस्टेस ने दरवाजे के नीचे से पर्ची भेजी-सर कमोड पर बैठ जाइए, हम लैंड करने वाले हैं

बेंगलुरु, 17 जनवरी (एजेंसियां)। स्पाइसजेट की मुंबई से बेंगलुरु जाने वाली एक फ्लाइट में एक पैसेंजर पूरे सफर के दौरान टॉयलेट में फंसा रहा। टॉयलेट के गेट का लॉक खराब हो गया था। करीब 100 मिनट तक टॉयलेट में फंसे रहने के कारण पैसेंजर लैंडिंग के बाद सदमे में था।

मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि लैंडिंग से पहले एयर होस्टेस ने एक पर्ची लिखी और गेट के नीचे से पैसेंजर को भेजा। एयर होस्टेस ने लिखा- सर, हमने गेट खोलने की पूरी कोशिश की, लेकिन हम गेट नहीं खोल सके। आप घबराइए मत। हम कुछ ही मिनटों में लैंड करने वाले हैं। आप कमोड का ढक्कन बंद करके उस पर बैठ जाएं और अपनी सुरक्षा करें। जैसे ही मुख्य दरवाजा खुलेगा, इंजीनियर आ जाएगा। इसके बाद आपको बाहर निकाल लेंगे। मुंबई एयरपोर्ट से स्पाइसजेट की फ्लाइट नंबर SG-268 को सोमवार रात 10:55 बजे टेक ऑफ करना था। हालांकि, फ्लाइट ने देर रात 2 बजे उड़ान भरी।

टेक ऑफ के बाद जैसे ही सीट बेल्ट खोलने की इजाजत मिली, 14D सीट पर बैठा पैसेंजर टॉयलेट गया। तभी टॉयलेट का दरवाजा खराब हो गया और पैसेंजर अंदर बंद हो गया। पैसेंजर घबराकर शोर मचाने लगा, जिससे क्रू मेंबर्स को टॉयलेट में किसी के बंद होने की जानकारी मिली। उन्होंने दरवाजा खोलने की बहुत कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

फिर एयर होस्टेस ने पेपर पर बड़े अक्षरों में एक नोट लिखा। उसने पैसेंजर को घबराने से मना किया और लैंडिंग के समय कमोड पर बैठे रहने को कहा। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर फ्लाइट मंगलवार सुबह 3.42 बजे लैंड हुई। तब इंजीनियर आए और दो घंटे की मशक्कत के बाद दरवाजा तोड़कर पैसेंजर को बाहर निकाला।

स्पाइसजेट ने कहा- पैसेंजर को पूरा रिफंड देंगे

स्पाइसजेट ने घटना को लेकर बताया कि फ्लाइट में टॉयलेट के दरवाजे का लॉक खराब हो गया था। इसके कारण एक पैसेंजर लगभग एक घंटे तक टॉयलेट के अंदर फंसा रहा। हमारे क्रू पूरी यात्रा के दौरान पैसेंजर की मदद करते रहे। एयरलाइंस ने पैसेंजर को पूरा रिफंड देने का दावा किया है।

डीजीसीए ने कहा- घटना की जांच कर रहे हैं

घटना को लेकर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने बयान जारी किया है। डीजीसीए के एक अफसर के हवाले से बताया- विमान के शौचालय में स्पाइसजेट के एक यात्री के फंसने की घटना की जांच कर रही है।

सुनंदा पुष्कर की पुण्यतिथि पर शशि थरूर ने शेयर किया भावुक पोस्ट

यूजर ने कहा-नाटक बंद करो

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने आज अपनी पत्नी सुनंदा पुष्कर को उनकी पुन्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पत्नी की तस्वीरें शेयर कर उन्हें याद किया। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर सुनंदा पुष्कर की तस्वीरें शेयर करते हुए एक कैप्शन भी लिखा। उन्होंने कहा, 'दस साल। एक खुबसूरत आत्मा हमेशा जिदा रहेगी। ओम शांति। बता दें कि 22 अगस्त 2010 को थरुर और सुनंदा का विवाह हुआ था।' सुनंदा पुष्कर की मौत 17 जनवरी 2014 में हुई थी। होटल लीला पैलेस के सुईट में उनका शव संदिग्ध हालत में पाया गया था। शुरुआत में उनकी मौत को आत्महत्या माना गया था, लेकिन बाद में दिल्ली पुलिस ने दावा किया था कि उनकी हत्या की गई है। उन्होंने कांग्रेस नेता शशि थरूर पर अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। शशि थरूर के इस पोस्ट पर यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने कहा, 'ये नाटक बंद करो, आपको मालूम है आपने क्या किया है।'

'शिवसेना का ठाकरे खेमा हताशा में कर रहा अनर्गल बयानबाजी'

मेगा प्रेस वार्ता पर शिंदे गुट का तंज

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर चर्चा में है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कभी पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के करीबी रहे थे, लेकिन आज बदले हुए सियासी चौसर पर दोनों एक दूसरे पर हमला करने का कोई मौका नहीं गंवाते।

ताजा घटनाक्रम में शिंदे खेमे ने ठाकरे गुट को आड़े हाथ लिया है। शिंदे खेमे का दावा है कि शिवसेना हताश हो चुका है। महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले ठाकरे गुट ने मंगलवार को 'मेगा प्रेस वार्ता' सह 'पीपुल्स कोर्ट' का नाम दिया। ठाकरे गुट पहले भी कहता रहा है कि वह इस राजनीतिक लड़ाई को जनता के बीच लड़ेगा। छत्रपति संभाजी नगर में बुधवार को पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के गुट पर कटाक्ष करते हुए शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कहा कि संवाददाता सम्मेलन से विरोधी खेमे की हताशा साफ झलकती है। इनका आरोप है कि ठाकरे खेमे के नेताओं ने जबरन पार्टी कार्यकर्ताओं को 'मेगा प्रेस कॉन्फ्रेंस' में शामिल कराया। उन्हें मजबूर किया गया। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा, 'जब लोग निराश होते हैं तो ऐसा करते हैं। वे अपना जनाधार और अस्तित्व खो चुके हैं। पार्टी ने मेगा प्रेस वार्ता नहीं चुनावी रैली का आयोजन किया था।' उन्होंने कहा कि हताशा में उद्धव ठाकरे गुट के नेता अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। जनता इन नेताओं को सिरे से खारिज कर चुकी है। स्पीकर नार्वेकर के फैसले पर शिरसाट ने कहा कि वे विधानसभा अध्यक्ष के फैसले की आलोचना नहीं कर रहे, लेकिन अगर उनके दावों में दम था तो ठाकरे गुट के 14 विधायकों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए था।

फरार टीएमसी नेता शाहजहां शेख के आवास के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे

अदालत ने दिया था निर्देश

कोलकाता, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश के बाद फरार तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख के आवास के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। मंगलवार को अदालत ने संदेशखाली में उनके आवास के मुख्यद्वार और अन्य इलाकों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश जारी किया था। शाहजहां शेख का आवास बांग्लादेश की सीमा से कुछ ही किलोमीटर दूर है।

टीएमसी नेता के आवास के बाहर लगा सीसीटीवी कैमरा

अदालत ने मंगलवार को राज्य से यह सुनिश्चित करने को कहा था कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख के आवास के बाहर जल्द से जल्द सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

ईडी द्वारा शाहजहां के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हम आरोपी को पकड़ने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।' शाहजहां शेख के भाई ने मीडिया को बताया कि उन्हें सीसीटीवी कैमरे के बारे में तब पता चला जब पुलिस इस उपकरण को चलाने के लिए बिजली कनेक्शन के लिए उनसे मदद मांगी। उन्होंने कहा, 'मैंने भी सुरक्षा कारणों से अपने घर पर भी ऐसे कैमरे लगाए हैं।' पांच जनवरी को राशन वितरण घोटाला मामले के तहत ईडी के अधिकारियों ने टीएमसी नेता शाहजहां शेख के आवास पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान टीएमसी नेता के समर्थकों ने अधिकारियों पर हमला कर दिया था। इस घटना में ईडी के तीन अधिकारी घायल हो गए। पश्चिम बंगाल में राशन वितरण घोटाला मामले में राज्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को गिरफ्तार किया गया है।

तुष्टिकरण की राजनीति के चलते हिंदुओं को अपमानित करने का कोई मौका नहीं चूकते राहुल : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह को राजनीतिक समारोह बनाने के बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस और उनके सहयोगी दल हिंदुओं को अपमानित करने का कोई मौका नहीं चूकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भाजपा द्वारा देश भर में चलाए जा रहे 'स्वच्छ तीर्थ स्वच्छता अभियान' के तहत बुधवार को दिल्ली के वाल्मिकी मंदिर परिसर में सफाई और दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अनुराग ठाकुर ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर राहुल गांधी, कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन में शामिल अन्य नेताओं के बयान की तीखी आलोचना की। ठाकुर ने कहा कि एक के बाद एक घमंडिया गठबंधन के नेताओं ने कभी सनातन धर्म को कुचलने की बात कही तो कभी हिंदुओं के बारे में अनाप-शनाप बयान दिए। उन्होंने मंदिर की जगह को लेकर झूठ फैलाने की भी आलोचना करते हुए कहा कि ये लोग कल तक कहते थे कि मंदिर 3 किलोमीटर दूर बन रहा है लेकिन अब यह भी झूठ साबित हो गया। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि ना इन्होंने कभी भगवान राम को माना और ना ही आज भगवान राम को मान रहे हैं। भगवान राम को काल्पनिक बताने वाले और राम मंदिर का विरोध करने वाले घमंडिया गठबंधन के ये नेता सिर्फ राजनीति करने, सुर्खियों में बने रहने, हिंदुओं को अपमानित करने और राम मंदिर से दूरी बनाए रखने के लिए अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं।

प्राण प्रतिष्ठा में जाने की तैयारी कर रही सचिन की वाइफ

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अवैध तरीके से पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते भारत आई सीमा हैदर ने 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह का हिस्सा बनने की इच्छा जताई. उसके और पति सचिन मीणा के वकील एपी सिंह ने यह जानकारी दी. वो खुद अयोध्या जाने का निमंत्रण लेकर रबूपुरा पहुंचे. बताया गया कि आज सीमा के ग्रेटर नोएडा स्थित घर में सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया. वकील एपी सिंह ने कहा 22 जनवरी के बाद पूरा परिवार पैदल यात्रा करेगा. हमने परमिशन के लिए अप्लाई किया. हम पैदल संगम जाएंगे. फिर काशी विश्वनाथ और उसके बाद प्रभु श्री राम के दर्शन परिवार करेगा. इस मौके पर सीमा हैदर ने कहा सनातन धर्म जैसे कोई धर्म नहीं. सीमा हैदर ने प्रभु श्रीराम का गीत गुनगुनाया, बेटे राज ने हनुमान चालीसा सुनाई.

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 18 जनवरी - 2024

भारत का संयमित रुख

चीन का प्रश्रय पाकर मालदीव की अकड देखते ही बन रही है। यहां तक कि वह भारत को ही आंखें दिखाने पर अमादा हो गया है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीन की यात्रा के बाद जिस तरह से बयान दिया है उससे भारत के साथ उसके संबंधों में तल्खी साफ झलकती है। ऐसे में मालदीव के साथ भविष्य में भारत का क्या रुख रहता है यह भी वहां के राष्ट्रपति के रुख पर ही निर्भर करेगा। चीन से लौटते ही आखिर मालदीव को भारत से यह कहने की क्या जरूरत महसूस हुई कि वह 15 मार्च तक अपनी सेना वहां से वापस बुला ले। यह बात दोनों पक्षों के उच्चस्तरीय कोर ग्रुप की रविवार को हुई बैठक में बताई गई। कोर ग्रुप की यह बैठक मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के एक सप्ताह की चीन यात्रा से लौटने के ठीक बाद हुई थी। चीन से लौटने के बाद शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुद मुइज्जू ने ऐसा बयान दिया, जिसे कूटनीतिक हलकों में असामान्य ही माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम छोटे देश हो सकते हैं, लेकिन उस वजह से किसी को हमें धौंस दिखाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता। हालाकि उन्होंने भारत का नाम तो नहीं लिया, लेकिन यह भी किसी से छुपा नहीं रह गया है कि उनका इशारा भारत की ओर ही था। बता दें कि कुछ ही समय पहले दोनों देशों के बीच एक अप्रिय विवाद हुआ था, जिसमें मुइज्जू सरकार के तीन मंत्रियों ने सोशल मीडिया एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में भद्दे कॉमेंट किए थे। इस पर स्वाभाविक ही भारत सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई बल्कि भारतीयों की भावनाएं भी आहत हुईं। इसके बाद मालदीव सरकार ने तीनों मंत्रियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की, लेकिन सोशल मीडिया पर बॉयकॉट मालदीव का ट्रेंड चल पडा। इसके बावजूद मालदीव सरकार के ताजा रुख को इस विवाद का परिणाम मानना कतई उचित नहीं होगा। वहां काफी समय से इसकी पृष्ठभूमि तैयार हो रही थी। पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में भी मुइज्जू ने भारतीय फौज की वापसी को बड़ा मुद्दा बनाया था। ऐसे में अगर वह चीन की ओर झुकने वाली नीति अपनाने की कोशिश कर रहा है तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यह बात किसी के समझ में नहीं आई कि उन्होंने देश में भारत विरोधी माहौल बनाने वाला बयान क्यों दिया है। इससे लगता है कि उनका ध्यान वहां मार्च में होने वाले संसदीय चुनावों पर केंद्रित तो नहीं है। किसी देश की विदेश नीति घरेलू राजनीति से निर्देशित होने लगे तो समझ लेना चाहिए कि वहां की दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित गौण पड़ने लगा है। जिस तरह से मुइज्जू तुर्किये से खाना और यूरोप व अमेरिका से दवाएं मंगाने की बात कर रहे हैं, उससे लगता है कि मालदीव की भू-राजनीतिक स्थिति की हकीकत से उनका वास्ता नहीं पडा है। उन्होंने शायद किसी गलतफहमी में कुछ समय के लिए समस्याओं से मुंह फेर लिया है। बहरहाल, तसल्ली की बात यह है कि भारत ने अपना संयत रुख बनाए रखा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह कहना अर्थपूर्ण है कि 'राजनीति तो राजनीति है।' साफ है, भारत जल्दबाजी में कदम उठाने से बचना चाहता है। वह मालदीव को वक्त देते हुए चलेगा ताकि चुनावी जरूरतें पूरी होने के बाद ठंडे माहौल में इत्मीनान से संबंधों को पटरी पर लाया जा सके, जो लंबे समय तक कायम रहे।

बदतर हुई हवाई और रेल यात्रा

ऋतुपर्ण दवे

आम जन की यात्राओं की सुविधाएं के नाम पर संचालित सरकारी सेवाएं बेहद गैर जिम्मेदाराना व्यव्हार कर रही हैं। चाहे हवाई यात्रा हो या रेल, हर रोज करोड़ों लोग परेशान हो रहे हैं। इनमें वो भी हैं जिन्हें हर हालत में अपनी नियत तिथि पर वांछित गंतव्य पर पहुंचना होता है और वो भी जिन्हें दो कनेक्टिविटी के सहारे यात्रा पूरी करनी पड़ती है। भारत में सही समय पर यात्रा पूरी होने की न तो किसी की गारण्टी है और न ही कोई इस बदहाली को चुनौती ही दे सकता है। हर रोज पूरे देश में बड़ी संख्या में हवाई और रेल सेवाएं लेट-लतीफी का शिकार हो रही हैंष जिसके जवाब में प्री रिकॉर्डेड चार शब्द 'असुविधा के लिए खेद है' काफी हैं। इन दिनों तो घने कोहरे के चलते स्थिति और भी बद से बदतर है। देश में औसतन ढ़ाई से तीन हजार फ्लाइट्स रोजाना लगभग 4,56,000 यात्रियों को मुकाम तक पहुंचाती हैं। वहीं 8 अक्टूबर 2023 का एक आंकड़ा बताता है कि रेलवे रोजाना 22,593 ट्रेनें चलाता है जिनमें 13,452 यात्री ट्रेनों से औसतन 2.40 करोड़ यात्री सफर करते हैं, बांकी 9141 मालगाड़ियां हैं। बसों और निजी वाहनों से सफर करने वालों की संख्या जोड़ दें यह कई गुना बढ़ जाएगी।

अभी हवाई और रेल सेवा कोहरे के चलते ऐसी चरमराई हुई है कि पूछिए मत। अकेले दिल्ली से रोजाना 1400 उड़ानें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं। कोहरे से हालात यूं हैं कि कई- कई दिन सूर्य देव दर्शन नहीं देते, कोहरा छाया रहता है। ऐसे क्या टेक ऑफ, क्या लैण्ड सभी उड़ानों को रद्द, रिशेड्यूल या डायवर्ट करना पड़ता है। पूरे देश का यही हाल है। अभी दो दिन पहले 13 जनवरी को घने कोहरे के चलते मुंबई-गुवाहाटी उड़ान को बांग्लादेश के ढाका में इमरजेंसी लैंडिंग खातिर मजबूर होना पड़ा। इसमें फंसे यात्री बिना पासपोर्ट के अंतरराष्ट्रीय सीमा तो पार कर गए लेकिन कई घण्टे हवाई जहाज में ही बैठे रहे। विदेशी धरती पर कैसे उतरते? कोहरे की मार से हमारे सभी हवाई अड्डे प्रभावित हैं। ऐसे में मंहगी और सही वक्त पर पहुंचने खातिर हवाई यात्राओं के भी कोई मायने नहीं। कमोवेश इससे भी बदतर हालत यात्री ट्रेनों की है। कोहरे की मार से रोजाना आधे से ज्यादा रेल यात्री परेशान होते हैं। जहां कोरोना के चलते रद्द कई ट्रेन शुरू नहीं हो पाईं वहीं जो चलीं वो भी कई तरह के सुधार और सुविधाओं के नाम पर रद्द, लेट या रिशेड्यूल हो रही हैं। बिलासपुर जोन ने तो ट्रेनों के रद्द करने का देश में कीर्तिमान ही बना डाला। यहां कुछ सालों में हजारों जोड़ी ट्रेन रद्द हुईं। कोयला, दूसरी खदानों व पॉवर सेक्टर वाले बिलासपुर जोन में आने-जाने वाले लाखों यात्रियों को लेट- लतीफी या एकाएक कैंसल होने से असहनीय परेशानी होती है। अभी यात्री गाड़ियो खातिर कोहरे का बहाना है और मालगाड़ियां पूरी रफ्तार में हैं।

आखिर हवाई और रेल यात्रियों की सुध लेगा कौन? उनकी परिस्थिति और मानसिक स्थिति को कौन समझेगा? आगे की यात्रा के लिए दो-तीन घण्टे की मार्जिन रख, कनेक्टिंग फ्लाइट्स या ट्रेन की कंफर्म टिकट लेकर महीनों पहले अपना कार्यक्रम तय कर चुके लोग ऐन वक्त पर चार शब्दों के जवाब 'असुविधा के लिए खेद है' से निपटा दिए जाते हैं और भुक्तभोगी अपना सिर नोचने के कुछ नहीं कर पाता। चाहे विमानन सेक्टर हो या रेलवे इन्हें पता होता है कि कब से कब कोहरा तो कब बारिश और कब गर्मी होगी। लेकिन जानकर भी न निपट पाने की ढ़िठाई इस हाईटेक और आर्टीफीसियल इण्टेलीजेंस के जमाने में समझ से बाहर है। कोहरे से कम विजिबिलिटी में विमान उड़ाने और उतारने के लिए पायलटों को सीएटी-3बी जैसे प्रशिक्षित होना जरूरी है। इसमें मुख्य पायलट को 2,500 घंटे और को पायलट को 500 घंटे उड़ान का अनुभव हो। यह अत्याधिक खर्चीला है। कंपनियों को पायलट को सवैतनिक छुट्टी देकर दूसरे खर्च भी उठाने पड़ते हैं जो लाखों में होता है जो नहीं होता। कैट-3बी तकनीक के रनवे भी अलग बनते हैं ताकि घने कोहरे में भी विमान उतर सकें। ये देश में ज्यादा नहीं हैं।

मायावती ने यूपी में भाजपा की राह आसान कर दी

राजेश कुमार पासी

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एक प्रेस कांफ्रेंस करके बता दिया है कि अगले लोकसभा चुनावों में वो किसी भी गठबंधन के साथ नहीं जा रही हैं । भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करते ही राहुल गांधी को दो झटके एक साथ लग गए हैं। एक तरफ उनकी मंडली के युवा नेता मिलिंद देवड़ा ने पार्टी छोड़ दी है तो दूसरी तरफ मायावती ने गठबंधन में शामिल होने की उनकी कोशिशों पर पानी फेर दिया है । बसपा के अकेले चुनावों में जाने से जहां इंडिया गठबन्धन खेमे में निराशा छा गई है, वहीं एनडीए के लिए ये राहत वाली बात है । एनडीए तो बसपा के साथ गठबंधन की कोशिश कर ही नहीं रहा था लेकिन कांग्रेस और सपा की बातचीत इसी मुद्दे पर रूकी हुई थी क्योंकि दोनों उम्मीद कर रहे थे कि बसपा के साथ गठबंधन हो सकता है । दोनों दल चाहते थे कि बसपा के फैसले के बाद ही सीटों का बंटवारा किया जाये ।

कांग्रेस में यह भी विचार चल रहा था कि अगर बसपा गठबंधन में नहीं आती है तो सपा को छोड़कर बसपा के साथ समझौता किया जा सकता है । कांग्रेस को लगता है कि वो बसपा के साथ जाकर ज्यादा फायदा उठा सकती है । गठबंधन के रणनीतिकारों को लगता है कि अगर मायावती भी गठबंधन का हिस्सा बन जाती हैं तो भाजपा को यूपी में रोका जा सकता है । इस रणनीति की वजह यह भी है कि गठबंधन के रणनीतिकार यह मानते हैं कि अगर भाजपा को बहुमत प्राप्त करने से रोक दिया जाये तो मोदी को प्रधानमंत्री बनने से रोका जा सकता है । वास्तव में विपक्ष भाजपा को हराने की नहीं बल्कि उसकी सीटें कम करने की लड़ाई लड़ रहा है । उसे लगता है कि मोदी अल्पमत की सरकार का मुखिया बनना नहीं चाहेंगे । देखा जाये तो विपक्ष भाजपा को नहीं बल्कि मोदी को रोकने की जंग लड़ रहा है। उसे लगता है कि 80 सीटों वाले यूपी में अगर भाजपा को बड़ा नुकसान होता है तो उसकी रणनीति सफल हो सकती है । लेकिन गठबंधन की सारी कोशिशों को मायावती ने एक झटके में खत्म कर दिया है । यह एक ऐसा झटका है कि इसको सहन करना गठबन्धन के लिए मुश्किल हो रहा है । यूपी पर गठबन्धन की बहुत उम्मीदें टिकी हुई थी लेकिन अब सब उम्मीदें टूटती दिखाई दे रही हैं ।

राम मंदिर के मामले में भी मायावती ने बहुत संतुलित बयान दिया है । उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का समर्थन कर दिया है लेकिन साथ ही साथ यह भी कह दिया है वो चुनावी व्यस्तता के कारण वहां जाने के बारे में अभी कुछ कह नहीं सकती । उन्होंने बाबरी मस्जिद बनने का भी स्वागत किया है । ऐसी समझदारी गठबन्धन का कोई भी दल नहीं दिखा सका । मायावती वहां जाती है या नहीं लेकिन कार्यक्रम का समर्थन करके उन्होंने गठबन्धन के नेताओं को आईना दिखा दिया है । उन्होंने गठबन्धन में शामिल न होने की वजह बताते हुए कहा है कि गठबंधन का ज्यादा फायदा दूसरे दलों को होता है । उनका यह भी कहना है कि गठबंधन से बसपा को नुकसान होता है इसलिए बसपा ने अकेले लड़ने का फैसला किया है । उन्होंने इस फैसले पर बोलते हुए भाजपा और कांग्रेस को निशाने पर लिया है लेकिन सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिए काफी सख्त शब्दों का इस्तेमाल किया है । मायावती ने अखिलेश यादव को गिरगिट बता दिया है जिससे लगता है कि उन्हें भाजपा से ज्यादा समाजवादी पार्टी से दिक्कत है । इसकी वजह यह भी हो सकती है कि पिछले दिनों अखिलेश यादव ने एक बयान में मायावती की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े कर दिये थे ।

मायावती ने चुनाव परिणामों के बाद हालातों को देखते हुए गठबन्धन करने की बात कही है। देखा जाए तो उन्होंने दोनों गठबन्धनों के लिए रास्ता खुला छोड़ दिया है । भाजपा तो इस फैसले से खुश है और उसने कहा है कि मायावती जी गठबन्धन की हकीकत जानती हैं इसलिए वो गठबन्धन में नहीं जा रही हैं । कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जानती हैं कि मायावती के इस फैसले से उन्हें ही नुकसान होगा लेकिन दोनों दलों ने इस फैसले के बाद मायावती के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया है । इसकी वजह यह भी हो सकती है कि मायावती का दलितों में बहुत सम्मान है । उनके खिलाफ दिया गया कोई सख्त बयान दलितों में नराजगी पैदा कर सकता है, इसलिये दोनों दलों ने चुप्पी साध ली है । इतना जरूर कहा गया है कि इससे भाजपा को फायदा होगा । गठबंधन के नेता लगातार यह बयान दे रहे थे कि बसपा के बिना बात बनने वाली नहीं है, इसलिए वो बसपा के गठबन्धन में आने का इन्तजार कर रहे थे । इससे उनकी निराशा का अंदाजा लगाया जा सकता है ।

अब सवाल उठता है कि इसका फायदा किसे होगा और नुकसान किसे होगा ? यह तय है कि इसका सबसे ज्यादा फायदा भाजपा को होगा । 2014 में सपा और बसपा अलग-अलग चुनाव लड़ी थीं तो भाजपा गठबन्धन को 73 सीटें मिली थी लेकिन 2019 में सपा बसपा के मिलने से भाजपा को 62 सीटों पर संतोष करना पड़ा । 2014 में बसपा को कोई सीट नहीं मिली थी लेकिन 2019 में गठबंधन के कारण ही मायावती दस सीटें जीतने में कामयाब रहीं । देखा जाये तो मायावती के फैसले का नुकसान बसपा को होना तय है । उनके पास दलित समुदाय के लगभग 13 प्रतिशत वोट हैं और कुछ मुस्लिम वोट भी वो प्राप्त कर सकती हैं लेकिन पिछला प्रदर्शन दोहरा सकती हैं, इसकी उम्मीद दिखाई नहीं देती । सपा और कांग्रेस के लिये भी पुराना प्रदर्शन दोहराना मुश्किल लग रहा है । मायावती के फैसले के बाद सारी उम्मीदें भाजपा के लिए ही नजर आ रही हैं । अब सवाल उठता है कि सब कुछ जानते हुए भी उन्होंने ऐसा कदम क्यों उठाया ? लगता है कि वो अपने फायदे से ज्यादा गठबन्धन का नुकसान देख रही हैं । वो विपक्षी दलों को दिखाना चाहती हैं कि मैं अपना फायदा नहीं कर सकती लेकिन तुम्हारा बहुत बड़ा नुकसान कर सकती हूं ।

विपक्ष को अच्छी तरह से पता है कि बसपा मुस्लिम वोट बैंक में भी सेंध लगा सकती है । पिछली बार भी उन्होंने बड़ी संख्या में मुस्लिम उम्मीदवार उतार दिए थे । हो सकता है कि वो अपने इस कदम से विपक्षी दलों को बेहतर शर्तों पर समझौते की राह दिखा रही हों । उनके कुछ नेताओं ने उन्हें गठबन्धन में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की बात कही थी । इसका सीधा सा मतलब है कि वो गठबन्धन में सम्मानजनक स्थान चाहती हैं । उनका यह फैसला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनाने के बाद आया है । हो सकता है कि वो खड़गे की अध्यक्षता वाले गठबन्धन में काम करना अपने लिए अपमानजनक मानती हों क्योंकि वो खुद को दलितों का सबसे बड़ा नेता मानती हैं, जो कि वो हैं भी । सोनिया गांधी की अध्यक्षता को मायावती स्वीकार कर लेती लेकिन खड़गे जैसे नेता को वो अपना नेता कैसे मान सकती हैं ।

मायावती ने अकेले लड़ने का फैसला क्यों किया है, इसका सही-सही जवाब देना मुश्किल है क्योंकि उन्हें भी पता है कि वो गठबन्धन करके फायदे में रह सकती थीं । सिर्फ दूसरे का नुकसान करने के लिये अपना नुकसान करना मायावती की राजनीति नहीं है । यह भी संभव है कि उनकी नजर लोकसभा चुनावों की जगह 2027 के विधानसभा के चुनावों पर हो ।

अगर वो लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के साथ जाती हैं तो उनके मतदाताओं में यह संदेश चला जायेगा कि बसपा और सपा साथ-साथ हैं । विधानसभा चुनावों में भाजपा विरोधी वोट उसी के खाते में जायेंगे जो भाजपा को हरा सकता है ।

कांग्रेस में राम मंदिर को लेकर विरोधाभास

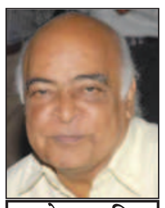

अशोक भाटिया

अयोध्या में नए राम मंदिर में रामलला की मूर्ति का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह चर्चा में है। 22 जनवरी को कार्यक्रम है और सामने देश में लोकसभा चुनाव हैं। लिहाजा, अभी से राजनीतिक दलों के बीच सियासत की पिच तैयार की जाने लगी है। जैसे ही कांग्रेस ने राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का न्योता ठुकराया, भाजपा आक्रमण मोड में आ गई। देशभर से भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाएं आती रही हैं और कांग्रेस को हिंदू विरोधी साबित करने की होड़ मच गई है हालांकि यह भी सच है कि 90 के दशक में कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में कानूनी तरीके या बातचीत के जरिए राम मंदिर निर्माण के लिए हामी भरी थी। इस लिहाज से तो उसे अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाना चाहिए था लेकिन, यह दांव बताता है कि कांग्रेस सॉफ्ट हिंदुत्व से किनारा कर रही है।

दरअसल, हाल ही में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं, वहां कांग्रेस ने सॉफ्ट हिंदुत्व का कार्ड खेला लेकिन उसे इस दांव के जरिए सफलता नहीं मिली है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ तीनों राज्यों में हार का सामना करना पड़ा है जबकि दक्षिण के राज्यों में पहले कर्नाटक और फिर तेलंगाना में जबरदस्त जीत मिली है। इन दोनों राज्यों में एंटी सनातन और एंटी बिहार का मसला खूब चर्चा में रहा। अयोध्या को लेकर यह बात निकलकर आई कि एक फैसले से पार्टी को केरल में झटका लग सकता है। उसे चुनाव में नुकसान उठाना पड़ेगा। कर्नाटक, तेलंगाना जैसे राज्यों में सीटें कम हो सकती हैं। यहां कांग्रेस को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उत्तरी, पश्चिमी और अन्य मध्य राज्यों में पार्टी कोई खास फायदा नहीं होगा, जहां भाजपा -कांग्रेस के बीच सीधी लड़ाई है।

फिलहाल, सारे प्रयोग के बाद कांग्रेस अब सॉफ्ट हिंदुत्व से किनारा करने लगी है हालांकि, इसका अपवाद भी है। राज्य इकाइयों में स्थानीय स्तर पर अभी भी नेता राम या राम मंदिर और सॉफ्ट हिंदुत्व में भरोसा रख रहे हैं। जब कांग्रेस हाईकमान ने अयोध्या जाने से इंकार कर दिया तो गुजरात से लेकर उत्तरप्रदेश और हिमाचल प्रदेश के नेताओं की प्रतिक्रियाओं ने हर किसी का ध्यान आकर्षित किया। गुजरात कांग्रेस के मीडिया विभाग के सह-संयोजक और प्रवक्ता हेमांग रावल कहते हैं कि मुझे गर्व है कि मैं धर्म, कर्म, वचन से हिंदू ब्राह्मण हूं। दुनिया में श्री राम के नाम से बड़ा कोई नाम नहीं है। राम मंदिर निर्माण के गौरवशाली क्षण पर अगर मुझे निमंत्रण मिलता तो मैं जरूर जाता। मैं जल्द ही रामचंद्र के दर्शन करने जाऊंगा। जय श्री राम।

गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पोरबंदर से विधायक अर्जुन मोढवाडिया अपनी ही पार्टी को नसीहत देते हैं और कहते हैं कि भगवान श्री राम आराध्य देव हैं। यह देशवासियों की आस्था और विश्वास का विषय है। कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक निर्णय लेने से दूर रहना चाहिए था।इसी तरह, कांग्रेस नेता अंबरीश डेर कहते हैं कि देशभर में अनगिनत लोगों की आस्था इस नवनिर्मित मंदिर से वर्षों से जुड़ी हुई है। कांग्रेस के कुछ लोगों को उस खास तरह के बयान से दूरी बनाए रखनी चाहिए और जनभावना का दिल से सम्मान करना चाहिए। इस तरह के बयान से मेरे जैसे गुजरात कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं के लिए निराशाजनक हैं। बात यहीं खत्म नहीं हो जाती है। कांग्रेस नेता कमलनाथ मध्य प्रदेश में चुनावी साल में राम मय नजर आए थे । उन्होंने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत ही धार्मिक आयोजन से की थी । पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी को भी बुलाया था । नर्मदा तट पर पूजा-अर्चना और आरती का कार्यक्रम रखा। उससे पहले सनातन के बड़े चेहरे धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को छिंदवाड़ा बुलाकर कथा का आयोजन करवाया। एक दिन पहले ही उनके बेटे और छिंदवाड़ा से सांसद नकुलनाथ ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया और लिखा, 4 करोड़ 31 लाख राम नाम लिखकर छिंदवाड़ा इतिहास रचने जा रहा है। फिर उसी क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय कमलनाथ जी के साथ सिमरिया हनुमान मंदिर पहुंचकर पत्रक में राम नाम लिखा। लोगों से अपील कि की इस ऐतिहासिक कार्य में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करें। राम राम। उत्तरप्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पहले ही कह रखा था कि वो मकर संक्राति पर अयोध्या जाएंगे और रामलला के दर्शन करेंगे। उनके साथ उत्तरप्रदेश कांग्रेस के नेता भी अयोध्या पहुंचेंगे। राय ने नया नारा भी दिया था - 'सबके राम, चलो अयोध्या धाम'। पोस्टर में उन्होंने सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे की तस्वीर लगाई थी । जो उन्होंने कहा वह कर भी दिखाया । अयोध्या में सोमवार को उत्तरप्रदेश कांग्रेस के नेताओं की रामभक्ति का नज़ारा दिखा। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा, उत्तरप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, उत्तरप्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे जैसे तमाम नेता अयोध्या पहुंचे, 'जय श्रीराम', 'जय जय सियाराम', 'सियावर रामचन्द्र की जय' के नारे गूंजे। वैसे तो ये कोई बड़ी बात नहीं है, भगवान राम के नारे कोई भी लगा सकता है, सरयू में डुबकी लगाकर रामलला के दर्शन कोई भी कर सकता है लेकिन कांग्रेस के नेताओं का अयोध्या जाकर सरयू में डुबकी लगाना और जय श्रीराम के नारे लगाना इसलिए बड़ी बात है क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और अधीर रंजन चौधरी ने 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने से इंकार कर दिया है, रामजन्भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आमन्त्रण को ठुकरा दिया है। लेकिन सोमवार को मकर संक्रांति पर कांग्रेस के तमाम नेताओं ने अयोध्या पहुंचकर सरयू में डुबकी लगाई, पापों का प्रायश्चित किया, बजरंगबली के दर्शन किए, फिर राम के दरबार में हाजिरी लगाई, इसके बाद कहा कि हम तो पुराने रामभक्त हैं,कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने कहा कि जिस काम को शंकराचार्य सनातन विरोधी बता रहे हैं, जिस कार्यक्रम में शंकराचार्य नहीं आ रहे हैं, उस समारोह में कांग्रेस के नेता क्यों जाएंगे। भाजपा वाले तो 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के नाम पर पाप कर रहे हैं, अधूरे मंदिर में रामलला का विग्रह स्थापित कर रहे हैं। मंगलवार को कोहिमा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 22 जनवरी के कार्यक्रम को राजनीतिक बताया, कहा कि कांग्रेस इस राजनीतिक कार्यक्रम में नहीं जाएगी क्योंकि भाजपा -आरएसएस चुनावी फायदे के लिए ये कार्यक्रम करवा रही है।

क्या भारत बनेगा पर्यटन हब?

राज सक्सेना

चीन से लौट कर मालदीव के राष्ट्रपति ने भारत को अपने सैनिक तुरंत वापस बुलाने का फरमान सुना कर सोये हुए भारतीय शेर मोदी को जगा दिया है। मोदी ऐसे इंसान हैं जो मुंह से तो कुछ नहीं बोलते मगर अपने दुश्मन का विनाश सुनिश्चित कर देते हैं। पर्यटन पर आश्रित मालदीव का अब पर्यटन उद्योग खतरे में पड़ जाएगा, इसमें कोई शक नहीं है। राम जन्मभूमि के पवित्र कार्य से फुर्सत पाकर मोदी अब द्वीप पर्यटन विकास पर अपना पूरा जोर लगाकर मालदीव को उसकी औकात में ला देंगे यह निश्चित है। आइये देखते हैं किन किन द्वीपों के दिन बहुर सकते हैं।

भारत 1,208 द्वीपों वाला एक खूबसूरत देश है। प्रत्येक द्वीप के अपने अनूठे आकर्षण स्थल हैं जो इसे बाकियों से अलग बनाते हैं। कुछ सबसे प्रसिद्ध द्वीपों में ग्रेट निकोबार द्वीप, नील द्वीप और लक्षद्वीप शामिल हैं।

माजुली द्वीप दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीपों में से एक है। भारत के सभी द्वीपों में से सबसे अनोखा, यह स्थान अपने लुभावने सूर्योदय और आश्चर्यजनक सूर्यास्त के लिए प्रसिद्ध है। यहां असमिया संस्कृति का भरपूर स्वाद मिलता है। भारत के सभी द्वीपों में से, यह सबसे अपरंपरागत है। इसके तट पर रेत की जगह काई और समुद्री भोजन की जगह पारंपरिक पूर्वोत्तर व्यंजन मिलते हैं।

भारत के छोटे से दीव द्वीप में पुर्तगाली संस्कृति के निशान समाहित हैं। वास्तुकला की सुंदरता और शांति एक नयी दुनिया में ले जा सकती है। गुजराती प्रभाव के साथ उत्तम समुद्र तट और उष्णकटिबंधीय समुद्री भोजन इसे भारत के अन्य द्वीपों से एक पायदान अलग बना देता है। और सबसे बड़ी बात यह है कि गुजरात के विपरीत, यहां शराब वैध है!

भारत के अछूते द्वीपों में से एक दिवार द्वीप, पंजिम, गोवा से लगभग 10 किमी ऊपर की ओर स्थित है। यह मंडोवी की हलचल भरी नदी के पार स्थित है, और इसने गोवा की जीवंत संस्कृति और ग्रामीण इलाकों के अनुभव को बरकरार रखा है।

सेंट मैरीज़ कर्नाटक में चार छोटे द्वीपों का एक समूह है। आयरलैंड में जायंट्स कॉज़वे के समान, ये द्वीप एक अजीब हेक्सागोनल आकार में काटी गई अपनी बेसाल्टिक चट्टानी संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। चट्टानी समुद्र तट और साफ नीला पानी इन द्वीपों को अवश्य देखने लायक बनाता है। भारत का यह द्वीप आज भी बड़ी संख्या में लोगों के लिए अज्ञात है।

दुर्भाग्य से भारत में इस खाली द्वीप पर आवास की कोई सुविधा नहीं है। लिटिल अंडमान द्वीप अंडमान द्वीप समूह के ऑफबीट स्थलों में से एक है। बहुत अधिक भीड़-भाड़ न होने के कारण इस जगह पर वास्तव में कुछ आकर्षक समुद्र तट हैं और यह सबसे अच्छे भारतीय द्वीपों में से एक है। यह भारत के सबसे खूबसूरत द्वीपों में से एक है और उन लोगों के लिए बिल्कुल सही है जो प्रकृति से उसके मूल रूप में प्यार करते हैं।

खूबसूरत लक्षद्वीप द्वीप समूह 36 ताड़ से लदे मूंगा द्वीपों का एक समूह है। यह समूह भारत का सबसे छोटा द्वीप समूह है। असाधारण सुंदरता और काफी हद तक अछूता वातावरण यात्रा से पहले किसी भी तनाव को दूर कर सकता है। यह हिंद महासागर के अद्भुत द्वीपों में से एक है ।

बैरेन द्वीप, अंडमान का सबसे पूर्वी द्वीप, भारत और दक्षिण एशिया का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी द्वीप है। इस खूबसूरत द्वीप की आश्चर्यजनक सुंदरता और लावा चट्टानें इसे भारत के सबसे आकर्षक द्वीपों में से एक बनाती हैं। सबसे प्राचीन भारतीय द्वीपों में से एक, दुखद बात यह है कि तट पर उतरना प्रतिबंधित है। केवल जहाज़ पर सवार होकर द्वीप के चारों ओर चक्कर लगाने की अनुमति है। वन विभाग से एक विशेष इनर लाइन परमिट (आईएलपी) की आवश्यकता होती है।गोवा के पास गोताखोरी और स्नॉर्कलिंग के लिए सबसे अच्छी जगह ग्रैंड आइलैंड है। यह अपने असाधारण स्कूबा डाइविंग स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। उत्कृष्ट सुंदरता और गंदगी रहित समुद्रतट अनुभव को और बढ़ा देते हैं।

ग्रेट निकोबार द्वीप भारत का सबसे बड़ा द्वीप है और हिंद महासागर के सबसे खूबसूरत द्वीपों में से एक है। इसका क्रिस्टल साफ़ पानी डुबकी लगाने के लिए प्रेरित करता है। इस जगह की अद्भुत वनस्पति और जीव-जंतु इसे एक छोटी सी दुनिया बनाते हैं। भारत के सबसे अच्छे द्वीपों में से एक जगह है। जीवनसाथी के साथ एक छोटी छुट्टी के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। भारत में सबसे अच्छे द्वीप हैवलॉक द्वीप को शामिल किए बिना सूची अधूरी है, जो अंडमान का सबसे बड़ा द्वीप भी है। अपने सुरम्य समुद्र तटों और आकर्षक दृश्यों के लिए जाना जाने वाला हैवलॉक द्वीप भारत में घूमने लायक सबसे खूबसूरत द्वीपों में से एक है। इस द्वीप पर करने और देखने के लिए बहुत कुछ है, यही कारण है कि यह हनीमून मनाने वालों और परिवारों के बीच प्रसिद्ध है। यह भारत के सबसे अच्छे मूंगा द्वीपों में से एक है । अगाती द्वीप को हिंद महासागर के सबसे अच्छे द्वीपों में से एक बनाने वाली चीज़ इसके शांत लैगून, मूंगा चट्टानें और सफेद रेत वाले समुद्र तट हैं।

कृषि को बढ़ावा देता मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार

डॉ. राजेन्द प्रसाद शर्मा

इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि लाख औद्योगिक विकास हो गया हो पर कृषि आज भी देश दुनिया की अर्थ व्यवस्था की बेकवोन है। कोरोना के दौर ने कृषि और अन्नदाता की महत्ता को और अधिक उजागर कर दिया है। रुस यूक्रेन युद्ध का उदाहरण हमारे सामने हैं जिसके कारण गेहूं और चावल के आयात निर्यात से दुनिया के कई देशों को दो चार होना पड़ा। देखा जाए तो कृषि अनुमानों के आधार पर अर्थ व्यवस्था में उतार चढ़ाव साफ तौर से देखा जा सकता है। दुनिया के देश आसन्न अन्न संकट को लेकर लगातार चिंतित है तो दूसरी और कुपोषण और भोजन सामग्री की कम उपलब्धता को परेषान है। पर्यावरण संकट के कारण अजिवृष्टि और अनावृष्टि से कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार दुनिया के देशों में भूमि की उर्वरा शक्ति में भी लगातार कमी होती जा रही है और तेजी से बजंर होती भूमि चिंता का एक ओर कारण बनती जा रही है। दरअसल हमारे देश में पंजाब, हरियाणा आदि प्रदेशों में उत्पादन सेचुरेशन की और है तो पानी के अत्याधिक दोहन से भूमिगत जल रसातल में जाता जा रहा है तो उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने के साथ ही पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों पर असर पड़ रहा है।

दूसरी और बढ़ती महंगाई का असर खेती पर भी देखा जा सकता है। किसानों की आय बढ़ने के लाख दावों के बावजूद इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि आम अन्नदाता के लिए खेती लाभ का सौदा नहीं थी और ना ही आज है। बल्कि यह कहा जाएं तो अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भविष्य में भी आम किसान के लिए खेती लाभ का सौदा होगी यह दिवा स्वप्न ही दिखाई देता है। दरअसल अच्छी पैदावार के बावजूद भी बिचौलियों या बाजार ताकतों के हाथों में ही किसानों का भविष्य दिखाई दे रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार द्वारा खेती में दीर्घकालीन सुधार, उपज में बढ़ोतरी और आय में बढ़ोतरी के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। कृषि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालायों की प्रयोगशालाओं में नित नए प्रयोग हो रहे हैं और उससे उन्नत व अधिक उपज वाली किस्म के बीज प्राप्त होने लगे हैं। किसानों के लिए सरकार द्वारा आधारभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया गया है। एक सीमा तक एमएसपी का लाभ भी दिया जा रहा है पर इन सब के बावजूद किसानों की माली हालत को लेकर जिस तरह से चुनावों के समय राजनीतिक दलों की चिंता देखी जाती है उससे लगता है कि वास्तव में किसानों की हालात को लेकर सरकारों को चिंता है। हांलाकि इसकी हद ऋण माफी पर समाप्त होती है जिसको लेकर लंबी बहस हो सकती है। खेती को लेकर एक सकारात्मक पक्ष यह है कि देश के कोने कोने में नवाचारी प्रयोगधर्मी किसान भी है जो खेत को ही प्रयोगशाला बनाकर खेती में उन्नत तकनीक, उन्नत बीज, उन्नत उपकरण आदि सामने ला रहे हैं जिसे किसी विश्वविद्यालय की प्रयोगषाला से कमतर नहीं कहा या माना जा सकता है। एक सकारात्मक बात यह है कि राजस्थान के डॉ. महेन्द्र मधुप कृषि पत्रकारिता से जुड़ें होने के साथ ही मिशन फार्मर साइंसिस्ट परिवार के माध्यम से ऐसे नवाचारी प्रयोगधर्मी किसानों को सामने लाने का प्रयास किया है। सकारात्मक प्रयास यह भी है कि इनके अनुभवों व प्रयोगों को परस्पर साझा कराने की भी कोशिश की है। अपनी प्रयोधर्मी अन्वेषी किसानों के प्रयोगों को मंच प्रदान करने में आगे रहे हैं। अपनी चार पुस्तकों के माध्यम से ऐसे अन्वेषी किसानों को एक जिल्द में समेट कर उनके प्रयोगों को देश दुनिया के सामने रखा है।

वनवास के दौरान इस पहाड़ी पर रुके थे श्रीराम

नागपूर से 60 किलोमीटर दूर रामटेक नगरी की पहाड़ी की विशेष मान्यता है। लोगों का मानना है कि प्रभू श्रीरामजी अपने वनवास के दौरान पत्नी सीता एवं भाई लक्ष्मण के साथ इस पहाडी पर लगभग चार महीने तक ठहरे थे। रामटेक शहर की पहाड़ी पर जमीन से हजार फीट ऊंचे पहाड़ों पर प्रभू श्रीराम, सीता एवं लक्ष्मण का मंदिर है।

यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहा राम जी के दर्शन से पहले उनके भाई लक्ष्मण जी का मंदिर है। लक्ष्मण जी के मंदिर मे दर्शन के बाद प्रभू श्रीराम और सीता के दर्शन होते है। यह देश का एकमात्र ऐसा मंदिर है जहा मंदिर के प्रवेशद्वार पर वानरों की सेना भक्तों का स्वागत करती है। भक्त भी वानरों को प्रसाद खिलाते है।

मंदिर में है अगत्स्य ऋषि का आश्रम

मंदिर में प्रवेश करने के बाद सब से पहले भगवान लक्ष्मण का मंदिर दिखाई देता है। जिसके ठीक पीछे प्रभू श्रीराम और सीता मां का मंदिर है। मंदिर मे अगत्स्य ऋषि का आश्रम भी है। इसी पहाड़ी पर प्रभू श्रीराम को अगत्स्य ऋषि मिले थे। ऐसी मान्यता है कि वनवास के समय रामजी यहां आये थे। उस समय इस भूमि को तपोगिरी पर्वत कहते थे।

इस पहाड़ी पर ऋषि-मुनि तपस्या करते थे। उस समय मायावी राक्षस ऋषि-मुनि की तपस्या भंग करते थे। भगवान राम के यहां आने पर मुनियों ने उन्हें राक्षसों के अत्याचार के बारे में बताया। उसी समय प्रभू श्रीराम ने राक्षसों का वध करने का प्रण लिया था। इस मंदिर को संकल्प सिद्धि का स्थान भी माना गया है।

300 साल पहले हुआ मंदिर का पुनर्निमाण रामटेक स्थित प्रभू श्रीराम जी का यह मंदिर करीब 1500 साल पुराना है। करीब 300 साल पहले नागपूर के राजा रघुजी राजे भोसले ने इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया था। यहां कई ऐसे मंदिर हैं जो सैकड़ों वर्षों पुराने हैं और उन्हीं में से एक है भगवान श्रीरामजी का यह मंदिर। मंदिर मे प्रभू श्रीराम जी के दर्शन के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। इस मंदिर की विशेषता की बात करें तो यह मंदिर सिर्फ़ पत्थरों से बना है, जो एक-दूसरे के ऊपर रखे हुए हैं।

पहाड़ी पर बसे इस मंदिर से रामटेक नगरी का सुंदर नजारा भी देखने मिलता है। एक छोटी पहाड़ी पर बने रामटेक मंदिर को गढ़ मंदिर भी कहा जाता है। यह देखने में मंदिर कम किला ज्यादा लगता है।

कभी कम नहीं होता है पानी

विशेष बात है कि इस मंदिर के पूर्व दिशा की ओर सुरनदी बहती है। रामटेक के इस राम मंदिर का पुनर्निर्माण राजा रघुजी राजे भोसले ने एक क़िले के रूप में करवाया था। मंदिर के परिसर में एक तालाब भी है, जिसे लेकर ऐसी मान्यता है कि इस तालाब में पानी कभी कम या ज़्यादा नहीं होगा। हमेशा सामान्य जल स्तर होने की वजह से लोग काफ़ी हैरान होते हैं।

इस भूमि पर ऋषि अगत्स्य मुनी ने न सिर्फ़ भगवान श्रीराम को शस्त्रों का ज्ञान दिया था बल्कि उन्हें ब्रह्मास्त्र भी दिया था। जिसे श्रीराम जी ने असुरी शक्ति का नाश करने मे इस्तेमाल किया था।

उनके दिए गए ब्रह्मास्त्र के ज़रिए ही भगवान राम ने रावण का वध किया था। रामटेक की भूमि को रामगिरि भी कहा जाता है, हालांकि कालांतर में इसका नाम रामटेक हो गया।

वहीं त्रेता युग में रामटेक में सिर्फ़ एक पहाड़ हुआ करता था। आज के दौर में यह मंदिर भगवान राम के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

आज सिद्ध योग के बनने से इन 5 राशियों को होगा जबरदस्त लाभ

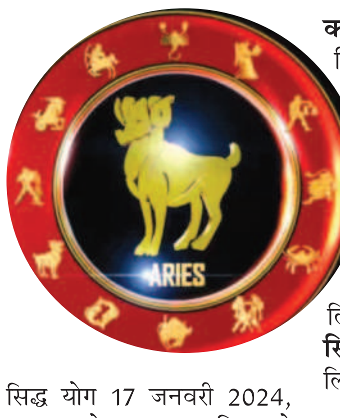

सिद्ध योग 17 जनवरी 2024, बुधवार को शाम 5:18 मिनट से शुरू हो चुका है और 18 जनवरी को 2:47 मिनट तक रहेगा। गजकेसरी योग, सर्वार्थसिद्धि योग के भी बनने से इन 5 राशि के लोगों को फायदा मिलेगा।

मेष राशि - 18 जनवरी का दिन मेष राशि वालों के लिए बहुत खास रहेगा। आज बनने वाले योग से आपकी बहुत-सी चीजों सुलझती नजर आएगी। आज बनने वाला सिद्ध योग आपको सफलता प्रदान करेगा। जिससे कोर्ट-कचहरी के मामले सॉल्व होते नजर आएंगे।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन शानदार रहेगा। आज आपको मेहनत का फल मिलेगा। आज गजकेसरी, सिद्ध और सर्वार्थसिद्धि योग के बनने से बिजनेस में आपको मेहनत का फल मिलेगा। आज करियर के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। आज बनने वाले योग गजकेसरी, सिद्ध और सर्वार्थसिद्धि से बिजनेस में आपका बढ़िया प्रदर्शन आपको सफलता दिलाएगा। जिससे आपका भाग्य चमकेगा।

कुंभ राशि - कुंभ राशि वालों के लिए गजकेसरी, सिद्ध और सर्वार्थसिद्धि योग के बनने से 18 जनवरी का दिन आपका बिजनेस स्टेटस मजबूत रहेगा। जिससे मार्केट में आपका ही नाम और फेम होगा। अगर आपको कार्यस्थल पर ऑफिस में चुनौतियों आ रही हैं तो आप उनको आसानी से हैंडिल कर पाएंगे।

मीन राशि - मीन राशि वालों के लिए आज 18 जनवरी के दिन गजकेसरी, सिद्ध और सर्वार्थसिद्धि योग के बनने से बिजनेस में आपको किसी नई कंपनी का ऑफर मिल सकता है। बिजनेसमैन को बिजनेस की बागडोर अपने हाथ में लेकर काम करना चाहिए।

आत्मा अमर है, हम तो भगवान के अंश हैं

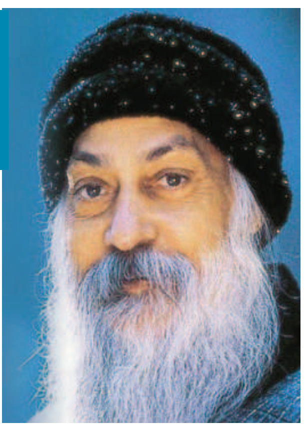

उसकी मां रोने में भी हंसने लगी। उसने कहा, पागल! शायद तुझे पता नहीं कि वृक्षों के प्राण पत्तों और फूलों में नहीं होते। वृक्षों के प्राण जड़ों में होते हैं, जो दिखाई नहीं पड़ती। तू फूल और पत्तों को पानी देगा, तू फूल और पत्तों को चूमेगा और प्रेम करेगा, तो सब निरर्थक है। फूल—पत्ते की फिक्र ही मत कर। अगर अदृश्य जड़ें शक्तिशाली होती चली जाती हैं, तो फूल—पत्ते अपने से निकल आते हैं, उनकी चिंता नहीं करनी पडती है।

लेकिन आदमियों ने जीवन को समझा है बाहर का सारा का सारा फूल—पत्ते का जो फैलाव है वह, और भीतर की जड़ें बिलकुल उपेक्षित हैं, निग्लेक्टेड हैं। आदमी के भीतर की जड़ें बिलकुल ही उपेक्षित पड़ी हैं। स्मरण भी नहीं कि भीतर भी मैं कुछ हूं। और जो भी है वह भीतर है। सत्य भीतर है, शक्ति भीतर है, जीवन की सारी क्षमता भीतर है। वहा से वह प्रकट हो सकती है बाहर। बाहर प्रकटीकरण होता है, होना भीतर है। बीइंग भीतर है, बिकमिंग बाहर होती है। वह जो वास्तविक है, वह भीतर है। जो फैलता है और अभिव्यक्त होता है, मैनीफेस्टेशन जो है वह बाहर है। बाहर है अभिव्यक्ति, आत्मा तो भीतर है।

और बाहर की अभिव्यक्ति को ही जो जीवन समझ लेते हैं, उनका सारा जीवन मृत्यु के भय से आक्रांत होता है। वे जीते हैं तो भी मरे —मरे और डरे हुए कि कभी भी मर जाएंगे, किसी भी क्षण मर जाएंगे। और यही मरने से डरे हुए लोग किसी की मौत पर रोते और परेशान होते हैं। ये किसी और की मौत पर रोते और परेशान नहीं हो रहे हैं, हर मौत इन्हें इनकी मौत की खबर ले आती है। हर मौत इन्हें खबर लाती है इनकी मौत की। और जो अपने हैं, बहुत निकट हैं, उनकी मौत तो बहुत जोर से खबर लाती है अपनी मौत की। और तब प्राण भीतर कैप जाते हैं, तब भय पकड़ लेता है, तब कंपन पकड़ लेता है। और उस कंपन मैं, उस भय में आदमी अच्छी— अच्छी बातें सोचता है—आत्मा अमर है, हम तो भगवान के अंश हैं, हम तो ब्रह्म के स्वरूप हैं। ये सब बकवास की बातें हैं। और यह अपने को धोखा देने से ज्यादा नहीं है, सेल्फ डिसेपान है।

एक वृक्ष से मैंने पूछा, तेरा जीवन कहां है? वह वृक्ष कहने लगा, उन जडों में जो दिखाई नहीं पड़ती। जड़ें दिखाई नहीं पड़ती,वहां जीवन है। वृक्ष जो दिखाई पड़ता है, वह वहां से जीवन लेता है ने अदृश्य है !**(क्रमशः)**

रायबरेली का खास है यह साईं मंदिर

11 बृहस्पतिवार दर्शन करने से पूरी होती है मन्नत

हमारा देश धार्मिक मान्यताओं का देश है। यहां पर आपको विभिन्न धर्म सप्रदाय के लोग मिलेंगे। साथ ही उनसे जुड़े धार्मिक स्थल भी देखने को मिलेंगे। आज हम आपको एक ऐसे ही धार्मिक स्थल के बारे में बताने जा रहे हैं जहां पर आपको शिरडी जैसी अनुभूति होगी।

हम बात कर रहे हैं रायबरेली जनपद के जिला मुख्यालय से लगभग 55 किलोमीटर दूरी पर स्थित शिवगढ़ कस्बे के देहली गांव में स्थित साई मंदिर की। जहां पर आने पर आपको शिरडी जैसी अनुभूति होगी। वर्ष 2010 में स्थापित यह साईं मंदिर रायबरेली ही नहीं अपितु प्रदेश के अन्य जनपदों के लोगों के लिए भी आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां पर शिरडी साई मंदिर की तरह ही पूजा अर्चना की जाती है। शिवगढ़ कस्बे के देहली गांव में स्थित साई मंदिर पर दूर-दराज से श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। मान्यता है की यहां पर 7 से 11 बृहस्पतिवार को दर्शन करने से सभी मन्नत पूरी होती है। यहां पर स्थापित साई बाबा की मूर्ति लोगों का मन मोह लेती है।

लोगों की आस्था का है प्रमुख केंद्र मंदिर के पुजारी राजबहादुर पाण्डेय बताते हैं कि 14 वर्ष पुराना यह साई मंदिर रायबरेली जनपद ही नहीं आसपास के पड़ोसी जनपदों के लोगों का भी धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। अमेठी, बाराबंकी, प्रतापगढ़ सहित लखनऊ से भी श्रद्धालु यहां प्रदर्शन करने के लिए आते हैं जो भी भक्तगण जहां पर सच्चे मन से अपनी मन्नत मांगते हैं। साई बाबा उनकी मन्नत अवश्य पूरी करते हैं। यहां पर बृहस्पतिवार के दिन सुबह से लेकर रात्रि 8 बजे तक भक्तों का तांता लगा रहता है।

यहां आने पर शिरडी जैसी मिलती है अनुभूति

मंदिर में दर्शन करने आए साई भक्त सर्वेश कुमार वर्मा ने बताया की वह पिछले लगभग 10 वर्षों से यहां पर दर्शन करने के लिए आते हैं। जब से उन्होंने यहां आना शुरू किया उनका पूरा परिवार सुखमय से रहता है। साथ ही वह बताते हैं कि जो लोग शिरडी नही पहुंच सकते वह यहां भी दर्शन कर सकते है। इस साई मंदिर में आने पर शिरडी जैसी ही अनुभूति मिलती है।

क्या आप जानते हैं, रावण को हराने के बाद रामजी फिर से गए थे अयोध्या

कुंभकरण के पुत्र को मारने के लिए माता सीता ने शस्त्र भी उठाए थे। इसका उल्लेख आनंद रामायण में मिलता है।

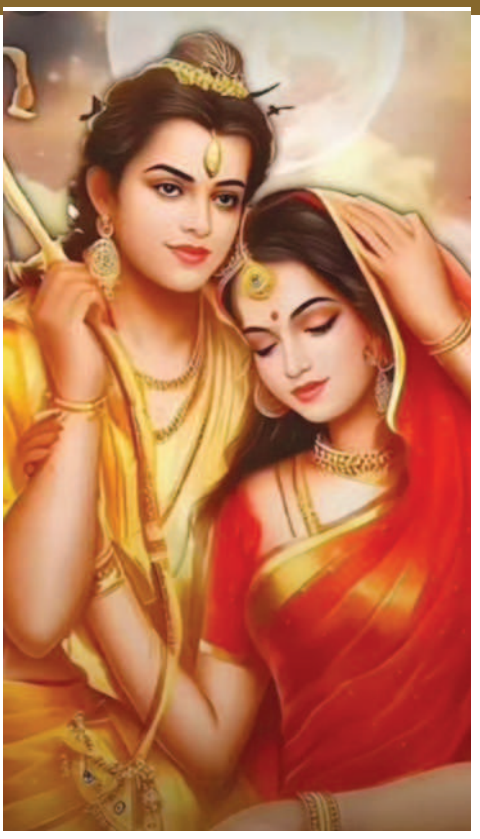

आनंद रामायण में वर्णित है कि प्रभु श्रीराम अयोध्या आने के बाद पुनः दो बार लंका गए थे। वे वहां विभीषण की रक्षा हेतु गए थे। आनंद रामायण (राज्य काण्ड पूर्वार्द्ध, अध्याय क्रमांक 4–7) अनुसार, श्रोणा नदी के तट पर मायापुरी नाम की नगरी थी। महाबली पौण्ड्रक ने विभीषण को परास्त कर दिया और लंका का राज्य स्वयं करने लगा। उस समय विभीषण राम के पास गए और उन्होंने अपना सब वृत्तान्त सुनाया। मित्र के उस दुःख भरी कहानी को सुनकर राम और सीता विभीषण के साथ लंका को चल दिए। वहां पहुंचकर उन्होंने पौण्ड्रक को मारा और फिर विभीषण को लंका के सिंहासन पर बैठा कर अयोध्या लौट आए।

जब विभीषण के कुंभकरण के पुत्र के बारे में बताया

इसके बाद एक दिन राम अपनी सभा में बैठे थे, तब अपनी स्त्री, पुत्र तथा मंत्रियों के साथ विभीषण भाव से बैठे कहा- हे राम! मैं आपकी शरण में हूं, मेरी रक्षा कीजिए। बहुत दिनों की बात है, जब मूल नक्षत्र में कुम्भकर्ण के एक पुत्र हुआ था। कुम्भकर्ण ने दूतों द्वारा उस लड़के को जंगल में छुड़वा दिया। वहीं मधुमक्खियों ने उसके मुंह में मधु की एक-एक बूंद टपकाकर उसकी रक्षा की। वह इस समय बड़ा हुआ है। जब उसने लोगों के मुंह से यह सुना कि राम ने मेरे पिता तथा कुटुम्बियों का नाश किया है, तब उग्र तपस्या द्वारा उसने ब्रह्मा को संतुष्ट करके वर (सिर्फ स्त्री के हाथों मरेगा) प्राप्त कर लिया। वर के प्रभाव से गर्वित होकर पाताल निवासी राक्षसों की सहायता से उसने लंका पर चढ़ाई कर दी। विभीषण ने छः महीने तक उसके साथ धमासान युद्ध किया। अंत में उसने उन्हें परास्त करके लंका पर अधिकार कर लिया।

ऐसी अवस्था में विभीषण आधी रात को अपने पुत्र, स्त्री एवं मंत्रियों के साथ एक सुरंग के रास्ते से भागे। एक योजन दूर भागने पर ठहर गये जहां रात्रि व्यतीत हो गयी। जब आगे बढ़े और राम के पास अयोध्या आ पहुंचे, वह राक्षस मूल नक्षत्र में पैदा हुआ तथा वृक्षों के नीचे उसका पालन-पोषण हुआ है। इसीलिए लोग उसे मूलकासुर कहते थे। युद्ध करते-करते एक बार उसने विभीषण से कहा था कि इस रणभूमि में पहले तुझको मारकर लंका पर अधिकार कर लेने के बाद में उस राम के पास जाऊंगा, जिसने मेरे पिता तथा मेरे कुल का संहार किया है। संग्रामभूमि में राम को मारकर मैं अपने पितृऋण से उऋण हो जाऊंगा। विभीषण बोले हे रघुनन्दन! मैं जहां तक जानता हूं, शीघ्र ही वह आप से भी युद्ध करने के लिए आयेगा। ऐसी अवस्था में आप जो उचित समझें सो करें।

रामजी ने बनाई मूलकासुर को मारने की योजना

विभीषण का हाल सुनकर राम बड़े विस्मित हुए। तुरन्त लक्ष्मण से उन्होंने कहा कि, संसार में जितने राजा हैं, उनके पास दूत भेजकर शीघ्र बुलवा लो। लक्ष्मण ने राम की आज्ञानुसार दूत भेजें। दूतों ने शीघ्र लौटकर राम से कहा कि हम लोग सब राजाओं के पास हो आये। इस प्रकार निश्चय करके राम ने शुभ दिन और मुहूर्त में अपनी विशाल सेना तथा लक्ष्मण-भरत आदि भ्राताओं के साथ मूलकासुर को मारने के लिए अयोध्या से प्रस्थान कर दिया। लव और कुश को भी साथ में लिया। राम ने यात्रा के समय सारी सेना को पुष्पक विमान पर बिठा लिया। रास्ते में राम के अनुगामी राजा भी अपनी-अपनी सेना के साथ जाकर राम से मिल गये। उन लोगों को भी राम ने विमान में बिठा लिया।

इस यात्रा में सुग्रीव अठारह पद्म बन्दरों के साथ आये थे। उनको भी राम ने पुष्पक पर बिठा लिया। इसके अनन्तर सीता को छोड़कर राम विमान पर बैठे। आकाशमार्ग से अनेक देशों को देखते हुए वे लंका की ओर बढ़े और अल्प समय में ही निर्दिष्ट स्थान पर पहुंच गये। उधर जब मूलकासुर ने यह समाचार सुना तो रामचन्द्र के साथ युद्ध करने के लिए एक करोड़ सेना लेकर लंका के बाहर वाले मैदान में आ डटा। उस समय ब्रह्मा के वरदान से वह बड़े घमण्ड में था। फिर क्या कहना था, राक्षस गण वानरों को लातों से मारने लगे। वानरयूथ ने पहाड़ के बड़े-बड़े टुकड़ों तथा वृक्षों से प्रहार करना आरम्भ कर दिया। इस तरह सात दिन तक उन दोनों सेनाओं में घमासान युद्ध होता रहा।

उस संग्राम में जो जो वानर मरते थे तो हनुमान जी द्रोणाचल पर्वत वाली औषधि लाकर उन्हें जीवित कर दिया करते थे। राक्षसों की एक चौथाई सेना रह गयी, शेष सब मार डाले गये। मूलकासुर ने जब देखा कि अब थोड़े से राक्षस बचे रह गये हैं तो क्रुद्ध होकर अपने मन्त्रियों, सेनापतियों और सेना को भेजकर उसने बड़ी वीरता के साथ लड़ने को ललकारा। उधर जब राम-दल के लोगों ने देखा कि राक्षसों की और भी सेना आ गयी है और वे अपनी तलवारों से मेरी सेना को मारकर ढेर किये दे रहे हैं तब वे भी पर्वत की बड़ी-बड़ी चट्टानों को लेकर फिर भयंकर युद्ध करने लगे और थोड़ी ही देर में शत्रु के मंत्री, सेनापति तथा सेना को यमपुर पहुंचा दिया।

जब मूलकासूर ने सुना कि वह सेना भी साफ हो गयी तो मारे क्रोध के तमतमा उठा और स्वयं एक दिव्य रथ पर सवार हो तथा थोड़ी-सी सेना साथ लेकर लड़ने को चल पड़ा। राम के साथ वाले राजाओं ने अब उसे लड़ने को तैयार देखा तो वे भी मैदान में आ गए। उन लोगों ने दुन्दुभी की घनघोर गर्जना के साथ उस राक्षस पर बाण वर्षा प्रारम्भ कर दी, लेकिन मूलकासुर ने क्षणभर में उन लोगों को मूर्छित कर दिया। जब राजाओं को मूर्छित देखा तो रामचन्द्र की आज्ञा से सुमन्त्र आदि मन्त्री अपनी-अपनी सेना के साथ लड़ने के लिए गए। **(जारी)**

'एक्टिंग' ही नहीं 'बिजनैस' में भी अव्वल कृति सेनन

एक अच्छे उत्पाद का महंगा होना जरूरी नहीं। ज्यादातर समय ग्राहक पैकेजिंग और अन्य अनावश्यक चीजों के लिए भुगतान कर रहे होते हैं, उत्पाद के लिए नहीं। कोई भी बिजनैस अगर उसके प्रति आपके जुनून से शुरू होता है, तो आप उसे सही तरीके से करते हैं।

पिछला वर्ष कृति सेनन के लिए कई खुशियां लेकर अ र्ष कृति सेनन के लिए कई खुशियां लेकर आया, जब उसे अपनी फिल्म 'मिमी' के लिए पहली र से सम्मानित किया गया। वह 2023 में तीन फिल्मों 'शहजादा', 'आदिपुरुष' और 'गणपत' में नजर आई और वर्ष 2024 में भी उसकी झोली अच्छी फिल्मों से भरी है। उसकी अगली फिल्मों में इन दिनों 'द क्रू' को लेकर सबसे अधिक चर्चा है। इस फिल्म में वह तब्बू, करीना कपूर और दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आएगी। इसके अलावा वह फिल्म 'दो पत्ती' में भी नजर आएगी, जिसमें अभिनय के अलावा वह इसका निर्माण भी कर रही है। वहीं वह शाहिद कपूर के साथ भी एक फिल्म में नजर आएगी, जिसका निर्माण दिनेश विजान कर रहे हैं। इस अनाम फिल्म में शाहिद और कृति पहली बार साथ नजर आएंगे। यह रोमांटिक ड्रामा अब पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है।

कई बिजनैस की मालकिन

कम ही लोगों को पता होगा कि कृति केवल अभिनय में ही सक्रिय नहीं है, उसने बिजनैस जगत में भी कदम रखे हुए हैं। स्किन केयर के प्रति कृति के जुनून ने उसे इस फील्ड में कदम रखने के लिए प्रेरित किया। वह कहती है कि वह कुछ ऐसा बनाना चाहती थी, जिसका न केवल उपयोग किया जाए, बल्कि वह लोगों के जीवन को सरल बना और समस्या का समाधान भी कर सके। स्किन केयर कम्पनी 'हाइफन' की सह-संस्थापक और मुख्य ग्राहक अधिकारी कृति कहती है, मैं त्वचा से जुड़ी चीजों की दीवानी हूं; मुझे कोविड महामारी के दौरान त्वचा की देखभाल की गहरी समझ आई। स्किन केयर ब्रांड के अलावा, वह एक हैल्थ और फिटनैस कम्पनी 'द ट्राइब' और एक फिल्म प्रोडक्शन हाऊस 'ब्ल्यू बटरफ्लाई फिल्म्स' की भी मालकिन है। उसने कहा, एक अच्छे उत्पाद का महंगा होना जरूरी नहीं। ज्यादातर समय ग्राहक पैकेजिंग और अन्य अनावश्यक चीजों के लिए भुगतान कर रहे होते हैं, उत्पाद के लिए नहीं। कोई भी चीज (बिजनैस) अगर उसके प्रति आपके जुनून से शुरू होती है, तो आप उसे सही तरीके से करते हैं क्योंकि आप वास्तव में उसमें डूबे रहते हो।

मनाया नववर्ष

नए साल को अपने लिए स्पैशल बनाने के लिए सितारे अपनी पसंदीदा जगह गए। सेनन सिस्टर्स (कृति और नुपुर सेनन) भी सैर-सपाटे पर हैं। सोशल मीडिया पर बहनों की फोटो सामने आई जिसमें दोनों के साथ पूर्व इंडियन क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी नजर आ रहे हैं। कृति ने पार्टी के लिए ऑरेंज-वायलेट कलर की ड्रेस, जबकि नुपुर ने ब्लैक और ब्राऊन कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई थी। धोनी के साथ इन सभी की पिक्चर्स इंटरनैट पर खूब वायरल हो रही हैं।

जरूरी हैं अच्छे अवसर मिलना

कृति फिल्मों में अपनी सफलता के बारे में कहती है, आप कहीं से भी आए हों, यदि आपको इंडस्ट्री में अच्छे अवसर मिल जाते हैं तो आप सफल हो जाएंगे। इंडस्ट्री में एक-दूसरे से ईर्ष्या करने का कोई मतलब ही नहीं क्योंकि यह सब अच्छा अवसर मिलने के बारे में है, यदि आपको अच्छी फिल्म मिल गई, तो आप सफल हो जाएंगे। 'मिमी' जैसी फिल्मों में काम करने के मौके रोज नहीं मिलते।

'माइग्रेन होने लगा फिर...,' गुंटूर कारम में बीड़ी फूंक महेश बाबू का हो गया था हाल-बेहाल

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की हालिया रिलीज फिल्म 'गुंटूर कारम' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म में अभिनेता को एक उपद्रवी अवतार में दिखाया गया है, जो धुम्रपान का भी सेवन करता है। हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि फिल्म के लिए 'बीड़ी' पीने से उनके स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह धूम्रपान को प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

फिल्म का समर्थन करने वाले हारिका और हसीन क्रिएशन्स से बात करते हुए, महेश बाबू ने खुलासा किया कि जब उन्होंने 'गुंटूर कारम' की शूटिंग शुरू की तो बीड़ी के कारण उन्हें माइग्रेन की समस्या हो गई थी। फिर, फिल्म के निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास उनकी सहायता के लिए आए और एक आयुर्वेदिक विकल्प दिया। सुपरस्टार ने कहा, 'मैं धूम्रपान नहीं करता और धूम्रपान को प्रोत्साहित भी नहीं करूंगा।'

अभिनेता ने आगे जोड़ा, 'यह एक आयुर्वेदिक बीड़ी थी जो लौंग के पत्तों से बनाई जाती थी।

शुरुआत में उन्होंने मुझे असली बीड़ी पिलाई और मुझे माइग्रेन हो गया। मैंने जाकर त्रिविक्रम को बताया और वह सोच रहे थी कि क्या करना है। फिर उन्होंने खोजबीन की और मुझे यह आयुर्वेदिक बीड़ी दिलाई, जो मुझे अच्छी लगी। यह लौंग की पत्तियों से बना था और इसमें पुदीने का स्वाद था। इसमें कोई तंबाकू नहीं था।'

एक्शन से भरपूर मनोरंजन के साथ तेलुगु सुपरस्टार दो साल के अंतराल के बाद थिएटर में लौटे। उन्हें आखिरी बार बड़े पर्दे पर 2022 की फिल्म 'सरकारु वारी पाटा' में देखा गया था। गुंटूर कारम की बात करें तो इसमें महेश बाबू के अलावा श्रीलीला, मीनाक्षी चौधरी, जगपति बाबू, राम्या कृष्णन, प्रकाश राज, जयराम, सुनील और मुरली शर्मा जैसे सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 12 जनवरी, 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई, जिसे दर्शकों समेत समीक्षकों की भी मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

हारिका और हसीन क्रिएशन्स के बैनर तले एस राधा कृष्ण द्वारा निर्मित, 'गुंटूर कारम' का संगीत थमन एस द्वारा रचित है। छायांकन मनोज परमहंस और पीएस विनोद द्वारा किया गया है। रिलीज के पांच दिनों के भीतर इसने बॉक्स ऑफिस पर 94.50 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

अनन्या को आदित्य रॉय कपूर की ये बातें हैं बेहद पसंद

अनन्या पांडे इन दिनों काफी खुश दिखाई दे रहीं हैं। उनकी खुशियों की पहली वजह तो उनकी फिल्म 'खो गए हम कहां' की सफलता है। लोगों को इस फिल्म में अनन्या का किरदार बेहद पंसद आया है। इसके अलावा वे अपनी निजी जिंदगी में भी काफी खुश हैं। पिछले दिनों लंदन से छुट्टियां मनाकर लौटीं अनन्या पांडे ने मीडिया से खुलकर बातें कीं। इस दौरान उन्होंने आदित्य रॉय कपूर के बारे में भी कई खुलासे किए।

आदित्य से सीखना चाहेंगी ये बातें

अनन्या पांडे ने अभी तक कहीं भी खुलकर इस बात को कबूल नहीं किया है कि वे और आदित्य रॉय कपूर एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन कई मौकों पर दोनों ने खुल कर एक-दूसरे की तारीफ की है। गौरतलब है कि अनन्या पांडे लंदन में भी छुट्टियां मनाने उन्हीं के साथ गई थीं। मीडिया ने जब अनन्या से पूछा, आपको आदित्य की कौन सी बात सबसे ज्यादा पसंद है। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'आदित्य में धैर्य बहुत है। वो हर चीज काफी-सोच समझकर करते हैं। उन्हें किसी भी बात कि जल्दी नहीं रहती है।

मैं उनसे यह सीखना चाहती हूं।

अनन्या आगे इंटरव्यू में कहती हैं, 'आदित्य ने कभी भी फिल्मों को चुनने में कोई जल्दीबाजी नहीं दिखाई है। वे हमेशा वक्त लेकर अच्छी फिल्में ही करते हैं। अपने हर प्रोजेक्ट में आदित्य बेहद शिद्दत के साथ काम करते हैं। मुझे लगता है अगर उनमें धैर्य नहीं होता तो वे इतने अच्छे से अपने काम को अंजाम नहीं दे पाते।' अनन्या पांडे के लिए 2023 काफी लकी रहा। अनन्या की दो फिल्में 'ड्रीम गर्ल 2' और 'खो गए हम कहां' रिलीज हुई थी। दोनों ही फिल्मों में उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने काफी पसंद किया। अनन्या की आने वाली फिल्मों की बात करें तो वे 'कंट्रोल' और 'द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर' में नजर आएंगी। वहीं आदित्य रॉय कपूर की बात करें तो उन्होंने वेब सीरीज 'द नाइट मैनेजर' में काम किया था। इस सीरीज में आदित्य के काम को काफी सराहा गया था। आने वाले दिनों में आदित्य अनुराग बासु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में दिखाई देंगे।

इस साल ये स्टार किड्स इंडस्ट्री में करेंगे डेब्यू, बड़े पर्दे पर दिखाएंगे अपना जलवा

साल 2023 में कई स्टार किड्स ने सिनेमा जगत में अपना डेब्यू किया, इस लिस्ट में सुहाना खान, खुशी कपूर, अलिजेह अग्निहोत्री, राजवीर देओल और अगस्त्य नंदा तक का नाम शामिल है। इसी तरह साल 2024 में भी इंडस्ट्री के कई स्टार किड्स के डेब्यू की चर्चा जोरों पर हैं। इनमें से कई स्टार किड्स के फिल्म की घोषणा भी हो चुकी है, चलिए आपको बताते हैं कि इस साल इंडस्ट्री के किन सितारों के बच्चे बड़े पर्दे पर अपना जलवा बिखेरेंगे।

इस लिस्ट में पहला नाम रवीना टंडन की बेटी राशा थदानी का है। राशा अपने डेब्यू से पहले ही स्टार बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर उनके ढेरों फॉलोवर्स हैं, जहां वे अपने फैंस से रूबरू होती हैं। वहीं अगर बात करें उनकी डेब्यू की तो चर्चा है कि वे साउथ सिनेमा में दस्तक देंगी। कहा जा रहा है कि राशा राम चरण की फिल्म से अपना डेब्यू करेंगी। वहीं, इस लिस्ट में अगला नाम संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर है, जो अक्सर अपने हॉट लुक्स और अपनी डासिंग से चर्चा में रहती हैं। कहा जा रहा है कि शनाया भी इस साल साउथ इंडस्ट्री से अपना डेब्यू करेंगी। वे मोहनलाल की पैन इंडिया फिल्म 'वृषभा' में नजर आएंगी।

इस लिस्ट में अगला नाम ऋतिक रोशन की चेचरी बहन पशमीना रोशन का है। पश्मीना शाहिद कपूर की फिल्म इश्क-विश्क के रीमेक से बॉलीवुड में एंट्री करेंगी। गौरतलब है कि इश्क-विश्क साल 2003 में आई एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी।

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की भी इस साल डेब्यू करने की चर्चा है। वे करण जौहर की फिल्म 'सरजमीन' से बॉलीवुड में कदम रखेंगे। हालांकि, अभी तक इसकी आधाकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं। वहीं, चंकी पांडे के बेटे अहान पांडे इस साल इंडस्ट्री में दस्तक दे सकते हैं। कहा जा रहा है कि अहान यशराज फिल्म से अपना डेब्यू करेंगे।

ताश खेलते हुए किया था पहली पत्नी को प्रपोज, यूं शबाना आजमी पर दिल हार बैठे शादीशुदा जावेद अख्तर

हिंदी सिनेमा के मशहूर लेखक और कवि जावेद अख्तर को भला कौन नहीं जानता। जावेद अख्तर आज अपना 79वां जन्मदिन मना रहे हैं। 'शोले', 'डॉन', 'सीता और गीता', 'त्रिशूल' जैसी बॉलीवुड की सुपरहिट हिट फिल्मों के लेखक जावेद अख्तर का असली नाम 'जादू' है। जावेद साहब का जन्म 17 जनवरी 1945 को ग्वालियर में मशहूर शायर रहे जांनिसार अख्तर के घर हुआ, और उनकी मां सैफिया अख्तर गायिका-लेखिका थीं। बहुत छोटी उम्र में ही जावेद अख्तर ने अपनी मां को खो दिया था।

अपने अब तक के शानदार करियर में जावेद अख्तर ने एक से बढ़कर एक गाने और फिल्मे लिखी हैं। जावेद अपनी प्रोफेशनल लाइफ ही नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। आज एक्टर के जन्मदिन के मौके पर हम आपको उनकी लव स्टोरी के बारे में बताने जा रहे हैं।

ताश खेलते हुए किया था पहली पत्नी को प्रपोज

जावेद अख्तर की पहली पत्नी का नाम हनी ईरानी था। रिपोर्ट्स का मानें तो गीतकार की शादी का प्रपोजल लेकर हनी ईरानी की मां के पास सलमान खान के पिता सलीम खान गए थे हालांकि हनी की मां इस रिश्ते के लिए राजी नहीं थीं। उस समय उन्होंने कहा था कि दोनों को शादी करने दो जब वह दर-दर की ठोकरें खाएंगे तो खुद ही वापस आ जाएंगे।

दरअसल रिपोर्ट्स के मुताबिक जावेद अख्तर ने ताश खेलते-खेलते अपनी पूर्व पत्नी हनी ईरानी को प्रपोज किया था। जावेद ने जुआ खेलते समय हनी से कहा था कि अगर ताश के पत्ते अच्छे निकले तो मैं तुमसे शादी कर लूंगा। जावेद के यह कहने के बाद पत्ते अच्छे निकले और इसके बाद गीतकार जावेद अख्तर ने हनी ईरानी से शादी कर ली थी। शादी के वक्त जावेद अख्तर जहां 27 साल के थे तो वहीं हनी ईरानी 17 साल की थीं। शादी के कुछ ही समय बाद हनी ने बेटी जोया को जन्म दिया था और 1974 में हनी और जावेद एक बेटे फरहान अख्तर के पैरेंट बने।

शबाना आजमी से ऐसे हुई मुलाकात

जावेद अख्तर 1970 के दशक में कवि, लेखक कैफी आजमी के घर संगीत की शिक्षा लिया करते थे। जावेद अख्तर शबाना आजमी के आर्ट वर्क के दीवाने थे। लगातार मुलाकातों के बाद दोनों के बीच प्यार हुआ। जब कैफ़ी आज़मी को इसके बारे में पता चला, तो वह शुरू में उनके रिश्ते के खिलाफ थे क्योंकि जावेद अख्तर पहले से ही शादीशुदा थे। हालांकि शबाना आजमी से शादी से पहले जावेद और ईरानी का तलाक हो चुका था। जावेद अख्तर ने 6 साल तक शबाना आजमी के साथ रिश्ते में रहने के बाद 1984 में शादी कर ली थी। बता दें कि जावेद अख्तर को साहित्य अकादमी, पद्मश्री, पद्म भूषण जैसे अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। इतना ही नहीं उनके गीत और लेख के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

जब रंजीत विलेन का नाम सुनते ही फूट-फूटकर रोने लगीं माधुरी दीक्षित, कुछ यूं शूट हुआ सीन

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित अपनी दमदार एक्टिंग और शानदार डांस के लिए जानी जाती हैं। भले ही एक्ट्रेस अब बड़े पर्दे से दूर हों, लेकिन एक समय था जब इंडस्ट्री में एक्ट्रेस का बोल-बाला था। माधुरी दीक्षित ने बॉलीवुड में कई बेहतरीन फिल्में की है। 'देवदास' की चंद्रमुखी हो या फिर 'हम आपके हैं कौन' की निशा माधुरी ने अपने अभिनय से सभी को प्रभावित किया है।

ऐसे तो एक्ट्रेस ने कई मुश्किल से मुश्किल किरदार निभाए हैं, और बॉलीवुड के लगभग सभी हीरो के साथ काम किया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक्ट्रेस ने एक फिल्म में विलेन के डर से सीन देने से मना कर दिया था। इतना ही नहीं एक्ट्रेस शूट करने से पहले खूब फूट-फूटकर रोईं भी थीं। यह विलेन कोई और नहीं बल्कि दिग्गज एक्टर रंजीत हैं। फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभाने वाले रंजीत ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया है।

रंजीत ने हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में बताया है कि "फिल्म 'प्रेम प्रतिज्ञा' में माधुरी दीक्षित ने उनके साथ काम करने से लगभग मना कर दिया था। हालांकि उन्हें इस बारे में ज्यादा कोई जानकारी नहीं थी। इस बारे में उन्हें अजय देवगन के पिता और फिल्म डायरेक्टर वीरू देवगन ने बताया था। रंजीत ने बात करते हुए कहा कि माधुरी दीक्षित ने फिल्म 'प्रेम प्रतिज्ञा' को करने से लगभग मना ही कर दिया था। वो मेकअप रूम में जाकर रोने लगी थीं। उन्होंने कहा था वो सीन नहीं करेगी। मुझे नहीं पता था कि क्या हो रहा है।"

एक्टर ने आगे कहा कि "मैं सेट पर दो घंटे के लिए ही आता है। माधुरी फिल्म में एक गरीब आदमी की बेटी का किरदार निभा रही थीं। सीन में मुझे माधुरी के साथ छेड़छाड़ करनी थी। फाइट मास्टर वीरू ने कहा था कि वो नॉन स्टॉप शूटिंग करेंगे और सबकुछ कैप्चर करेंगे। किसी को मेरी वजह से दिक्कत नहीं हुई जब सीन पूरा हो गया था आमतौर पर सीन खत्म होने के बाद लोग पूछते हैं कि सीन कैसा रहा। लेकिन इस बार किसी ने मेरी परवाह नहीं की। सभी ने माधुरी को घेर लिया।" माधुरी ने सीन के बाद कहा था कि "मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि सीन की शूटिंग के दौरान मैंने उन्हें छुआ है। मेरे लिए ये बहुत बड़ी तारीफ थी। मैं हर औरत की इज्जत करता हूं, भले ही मैं उन्हें जानता हूं या नहीं।"

'धूम 4' में शाहरुख खान की एंट्री हुई पक्की! धांसू रोल में नजर आएंगे किंग खान

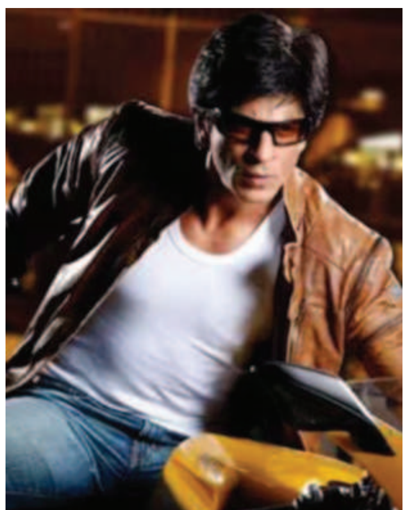

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने 'पठान', 'जवान' और 'डंकी' से बॉक्स ऑफिस हिला दिया है। साल 2023 में रिलीज हुई ये तीनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही, लेकिन साल 2024 में किंग खान ब्रेक लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2024 में शाहरुख खान की एक भी फिल्म रिलीज नहीं होगी। लेकिन शाहरुख खान नाम कई फिल्मों से जोड़ा जा रहा है। अभी करण जौहर से लेकर विशाल भारद्वाज तक कई फेमस डायरेक्टर किंग खान के साथ काम करने को तैयार है। लेकिन अभी तक किसी के साथ डील पक्की नहीं हो पाई है। इसी बीच शाहरुख खान का नाम एक नई फिल्म से जुड़ रहा है।

'धूम 4' में नजर आएंगे शाहरुख खान

'पठान', 'जवान' और 'डंकी' के बाद शाहरुख खान का नाम कई फिल्मों से जुड़ा है। लेकिन अभी तक ये तय नहीं हो पाया है कि किंग खान अगली फिल्म कौन सी होने वाली है। इसी बीच अब शाहरुख खान खान का नाम 'धूम 4' से जोड़ा जा रहा है। खबर के अनुसार शाहरुख खान ने धूम 4 के लिए हा कर दी है। इसके बाद माना जा रहा है कि किंग खान इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। आपको बता दें कि पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि 'धूम 4' को लेकर अभी तक कुछ तय नहीं हो पाया है। शाहरुख खान की 'धूम 4' में एंट्री की खबर ने फैंस को खुश कर दिया है। लेकिन जानकारी के लिए बता दें कि 'धूम 4' में शाहरुख खान की एंट्री को लेकर कोई भी अधिकारिक खबर सामने नहीं आई है। साल 2023 शाहरुख खान के लिए काफी खास रहा था। एक्टर की एक बाद एक फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रहीं। 'पठान' और 'जवान' ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था। शाहरुख खान की 'धूम 4' में एंट्री होने को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

मोबाइल फोन से हार्ट अटैक, कैंसर का खतरा

आज की भागदौड़ वाली व्यस्त जिंदगी में युवाओं की एक बड़ी समस्या है नींद की कमी। उनकी नींद का प्राइम टाइम तो मोबाइल फोन और दूसरे गैजेट्स में खप रहा है। सोने से पहले एक बार नोटिफिकेशंस देखने को फोन उठाया तो कब रील्स स्क्रॉल करते-करते 2 से 3 घंटे बीत जाते हैं पता ही नहीं चलता है। एक स्टडी बताती है कि अगर आप सोने से ठीक पहले तक मोबाइल फोन या दूसरे गैजेट्स इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसका असर आपकी नींद पर पड़ रहा है। कई बार आप आंख बंद किए घंटों लेटे रह जाते हैं, पर नींद का कोई अता पता नहीं। कभी आप सो तो रहे हैं, पर वह गहराई नहीं होती, जो मिलनी चाहिए। इसका सीधा कनेक्शन आपके मोबाइल फोन और लैपटॉप से है। रात में जल रही घर की लाइट भी जिम्मेदार है।

कैसे मोबाइल फोन और लैपटॉप से निकली ब्लू लाइट आपकी नींद खराब कर रही है। इसका शरीर और दिमाग पर क्या असर होता है। क्या करके हम इस मुश्किल से खुद को बचा सकते हैं। जानेंगे आज के सेहतनामा में।

मोबाइल फोन और लैपटॉप से निकलने वाली लाइट हमारी नींद में खलल बन रही है। इसकी मौजूदगी में हमारा शरीर मेलाटॉनिन रिलीज नहीं कर पाता, जिसकी मौजूदगी हमें नींद का अहसास कराती है।

क्या है मेलाटॉनिन, क्यों है इतना जरूरी?

मेलाटॉनिन हमारे शरीर में बनने वाला एक हार्मोन है। यह हमारे सोने और जगने के साइकल को रेगुलेट करता है।

अंधेरा होने पर हमारा शरीर ज्यादा मेलोटॉनिन बनाता है, जो हमारे शरीर को सोने के लिए कहता है।

रोशनी हमारे शरीर में मेलाटॉनिन

का प्रोडक्शन रोक देती है या कम कर देती है। यह हमें जगे रहने को कहता है।

अगर मेलाटॉनिन बनने की प्रक्रिया पर अधिक असर पड़ता है तो डिप्रेशन, क्रॉनिक पेन और अल्जाइमर की समस्या हो सकती है।

मेलाटॉनिन लैब में भी तैयार किया जाता है। इसे सुपरविजन में डिप्रेशन और अल्जाइमर में दिया जाता है।

कम नींद लेने से बढ़ रहा अल्जाइमर

जो लोग कम नींद लेते हैं, उनके भीतर गुस्सा और चिड़चिड़ापन अधिक देखने को मिलता है। उनका स्वभाव काफी हद तक आक्रामक हो जाता है। यहां तक कि यह अल्जाइमर जैसे घातक रोग की वजह भी बन रहा है, जो दिमाग को नकारा बना देता है।

डायबिटीज की समस्या हो सकती है

अच्छी नींद नहीं लेने से ज्यादा शुगर लेने का दिल करता है। जंक फूड खाने का मन करता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे

अच्छी नींद नहीं लेने से हड्डियां कमजोर होना शुरू हो जाती हैं। असल में हड्डियों में मौजूद मिनरल्स का बैलेंस बिगड़ जाता है। जिससे जोड़ों के दर्द की समस्या पैदा हो जाती है।

बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामले

नींद के दौरान हमारे शरीर के भीतर के अंगों की सफाई और मरम्मत हो रही होती है। नींद नहीं पूरी होने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स बाहर नहीं निकल पाते हैं। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और हार्ट

अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है। डॉ. अवधेश शर्मा कहते हैं कि सिर्फ सोना भी कई बार काफी नहीं होता है, जरूरी है कि हम डीप स्लीप लें।

कैंसर का भी डर

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक स्टडी में सामने आया है कि नींद नहीं पूरी होने से शरीर की कोशिकाओं को काफी नुकसान होता है। इसके चलते कैंसर हो सकता है। इनमें सबसे अधिक है ब्रेस्ट कैंसर का खतरा।

इसलिए भी जरूरी है अच्छी नींद

सोने के दौरान शरीर में होती है मरम्मत

अच्छी सेहत का राज है अच्छी नींद। हम सोते समय अचेतन अवस्था में होते हैं, अपने आसपास की दुनिया से बिलकुल बेखबर। इस दौरान हमारे शरीर और दिमाग की खामियों की मरम्मत होती है। बैक्टीरिया और वायरल संक्रमण से लड़ने की ताकत बढ़ जाती है। दिमाग में नई ऊर्जा और नए विचार जन्म लेते हैं। तभी डॉक्टर बीमार शख्स को पहली सलाह आराम की ही देते हैं।

ऐसे आएगी अच्छी नींद

नींद की कमी को दूर करने के कई उपाय हैं।

इलेक्ट्रिक गैजेट्स पर अधिक समय बिता रहे हैं, तो उसे कम कर दें।

रोजाना सुबह-शाम टहलने निकलिए, यार-दोस्तों से बातचीत करिए।

हल्की-फुल्की यानी मॉडरेट एक्सरसाइज कर सकें, तो बेहतर होगा।

सबसे जरूरी बात यह है कि नशे और कैफीनयुक्त पदार्थों से दूर रहें।

कम से कम सोने से दो घंटे पहले इनका सेवन बिलकुल भी न करें।

रात में बेड पर जाने से 2 घंटे पहले मोबाइल और दूसरे गैजेट्स दूर रख दें।

खाने की टाइमिंग से जुड़ी है आपकी सेहत : हेल्दी खाने जितना जरूरी सही वक्त पर खाना

आपने वो रोटी यानी भोजन कब खाया। कहने का आशय ये है कि 24 घंटे के दिन में भोजन करने का सही समय क्या है।ज्यादातर लोगों के पास इसका कोई साइंटिफिक आइडिया नहीं है। वो तो जब भूख लगे, तब खाना खा लेते हैं। कई बार भूख न लगने पर भी खाते हैं क्योंकि अब लंच और डिनर का टाइम हो गया है।

एक रिसर्च के अनुसार, दिन के पहले भोजन यानी ब्रेकफास्ट में हर घंटे की देरी के साथ कार्डियोवस्कुलर बीमारी का खतरा 6% बढ़ता जाता है। यानी अगर कोई सुबह 5 बजे उठकर 10 बजे नाश्ता करे तो उसे दिल की बीमारियों का खतरा 30% ज्यादा होगा। तो वहीं रात 9 बजे के बाद खाना खाने से स्ट्रोक जैसी बीमारी का खतरा 28% बढ़ जाता है। खासकर महिलाओं में यह खतरा अधिक बढ़ता है।

इस रिसर्च में बताया गया है कि हेल्दी रहने के लिए सुबह 8 बजे तक नाश्ता और रात 8 बजे से पहले डिनर कर लेना जरूरी है। इसके बाद चाहे जितना भी हेल्दी फूड खाएं, वो शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है।

फिट बॉडी के लिए जरूरी खाने का सही टाइम-टेबल

बॉडी को फिट रखने के लिए यही भोजन का चुनाव तो जरूरी है ही, उसके साथ भोजन की सही

टाइमिंग का चुनाव भी उतना ही जरूरी है। लेकिन इस भागती-दौड़ती लाइफ स्टाइल ने हमारे 'फूड साइकल' को ही बिगाड़ दिया है। सुबह स्कूल-कॉलेज और ऑफिस की आपाधापी में लोग कभी ब्रेकफास्ट मिस कर देते हैं तो कभी लंच। फिर रात में लेट नाइट डिनर करके सो जाते हैं। ऐसे में खाना अच्छे से पच नहीं पाता है, जिससे बॉडी का मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है।

तो कहने का आशय ये है कि-

1. सुबह सूरज उगने के साथ उठें।

2. दिन की शुरुआत चाय-कॉफी से न करें।

3. उठने के दो घंटे के भीतर हेल्दी नाश्ता करें। जैसे दूध, ओट्स, ब्रेड, जूस या मौसमी फल वगैरह। चीनी, कार्ब, प्रॉसेस्ड फूड न खाएं।

लंच- ब्रेकफास्ट और लंच के बीच आइडियली 5 घंटे का गैप होना चाहिए। अगर आपने 8 बजे ब्रेकफास्ट किया है तो 1 बजे तक लंच कर लेना चाहिए। लंच अगर देर से लिया जा रहा है तो बॉडी में ग्लूकोज का लेवल कम हो सकता है। इससे थकान, कमजोरी तो होती ही है, बॉडी को खासा नुकसान भी होता है।

डिनर- डिनर को लेकर कई अलग-अलग थियरीज हैं। कुछ लोग तो डिनर स्किप करने की बात करते हैं तो कोई कहता है कि सूरज ढलने से पहले आपको डिनर कर लेना चाहिए। दोनों में से कोई नुकसानदायक नहीं है। लेकिन आपको यह डिसाइड करना है अपनी दिनचर्या के मुताबिक।

बीमारियों से बचने के लिए किस समय, क्या खाएं

खाना सिर्फ भूख मिटाने के लिए नहीं खाना चाहिए, बल्कि उसका पोषक तत्वों से भरपूर होना भी जरूरी है। डॉ. कहती हैं कि कभी भी ब्रेकफास्ट स्किप न करें क्योंकि अच्छा ब्रेकफास्ट आपकी बॉडी को दिन भर एनर्जी देगा। ऐसे में ध्यान रखें कि ब्रेकफास्ट में फाइबर,

प्रोटीन, माइक्रो न्यूट्रिएंट्स ठीक मात्रा में हों। हाइ शुगर फैट वाला खाना ब्रेकफास्ट में नहीं खाना चाहिए। साथ ही लंच दिन का सबसे हैवी मील होना चाहिए। ऐसे में अगर आप कुछ भी अनहेल्दी भी खा लेते हैं तो गट उसे पचाने में समर्थ होता है।

बवासीर से राहत दिलवाएगा ये घरेलू नुस्खा, जड़ से खत्म होगा रोग !

बवासीर जिसे पाइल्स कहते हैं, यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें व्यक्ति को बहुत दर्द होता है। कई लोग इस खतरनाक बीमारी के शिकार होते हैं लेकिन वो इस बारे में बात करने से कतराते हैं। वहीं यदि बवासीर का समय पर इलाज न करवाया जाए तो व्यक्ति को गंभीर समस्या से जूझना पड़ सकता है। पाइल्स की समस्या बढ़ने पर ऑपरेशन भी करवाना पड़ता है। ऐसे में यदि आप इसके शुरुआती लक्षणों पर गौर करते हैं तो इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। इसके अलावा कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर भी आप इस रोग से राहत पा सकते हैं। आज अपने इस आर्टिकल के जरिए आपको एक ऐसा नुस्खा बताते हैं जो बवासीर से राहत दिलवाने में मदद करेगा।

इस वजह से होती है बवासीर

एक्सपर्ट्स की मानें तो बवासीर दो कारणों से होती है एक कम अग्नि और दूसरा अपान वात दोष की असामान्य स्थिति। कम अग्नि भोजन के पचाने और उसको अवशोषण करने के लिए जिम्मेदार होते हैं जबकि अपान वात दोष की असामान्य दिशा आंत्र और मूत्राश्य की गतिविधियों और भ्रूप की सामान्य डिलीवरी जैसे कार्यों को नियंत्रित करता है। ऐसे में पाइल्स के दर्द से बचने के लिए आप घर में बना छाछ और अनार की ड्रिंक का सेवन आप कर सकते हैं।

बवासीर का घरेलू उपचार

अनार का छिलका - 1 चम्मच

घर पर दही से बनाई हुई छाछ - 1 गिलास

बनाने की विधि

. सबसे पहले घर पर दही से बना हुई छाछ तैयार करें।

. फिर इसमें अनार के छिलके को मिक्सर जार में पीसकर पाउडर बनाएं।

. अब पाउडर को छाछ में मिलाकर 30 मिनट बाद पी लें।

समस्या से मिलेगी राहत

कब्ज ही बवासीर का मुख्य कारण होती है। ऐसे में छाछ का सेवन करने से आपका पाचन तंत्र स्वस्थ होगा और कब्ज से आराम मिलेगा। इस ड्रिंक का सेवन करने से आपको बवासीर की समस्या से भी आराम मिलेगा । जबकि इस ड्रिंक में मौजूद अनार का छिलका बवासीर के दौरान होने वाली ब्लीडिंग होने से रोकने में मदद मिलती है और पाचन में भी सुधार होता है।

इस तरह करें सेवन?

पाइल्स को ठीक करने के लिए आप इस ड्रिंक का दिन में एक बार खासतौर पर दोपहर के खाने के बाद सेवन करें। इस बात का ध्यान

रखें कि अनार के पाउडर को किसी अन्य रुप में लेने से आपको बवासीर से कोई खास फायदा नहीं मिलेगा इसलिए इसका सेवन छाछ के साथ ही करें।

बेड बॉक्स में रखते हैं ये चीजें तो झेलनी पड़ेगी आर्थिक तंगी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में रखी हुई हर चीज की अपनी एनर्जी होती है। ऐसे में यदि इन चीजों को एक निर्धारित दिशा में न रखा जाए तो घर में नेगेटिविटी आ सकती है। किचन, लिविंग रुम, डाइनिंग टेबल या फिर घर में पौधे यदि इन सभी चीजों को सही दिशा में रखा जाए तो सुख-समृद्धि आती है। इसके अलावा इस शास्त्र में बेड बॉक्स में कौन सा सामान रखना चाहिए और कौन सा नहीं इससे जुड़ी भी बातें बताई गई हैं। यदि इन नियमों को नजरअंदाज करके आप बेड बॉक्स में कुछ चीजें रख देते हैं तो आपको आर्थिक तंगी से भी जूझना पड़ सकता है। चलिए आज आपको बताते हैं कि बेड बॉक्स में कौन सी चीजें नहीं रखनी चाहिए...

खाने की कोई चीज

कुछ लोगों के घर में जगह कम होती है ऐसे में वह ज्यादा से ज्यादा सामान अपने बेड बॉक्स में ही रखते हैं। सिर्फ यही नहीं कई बार खाने की सामग्री जैसे राशन भी लोग अपने बेड बॉक्स में ही रखते हैं लेकिन वास्तु मान्यताओं के अनुसार, जो अन्न आप खाते हैं उसी के ऊपर अपने शरीर का भार डालकर सोने से मां अन्नपूर्णा का अपमान होता और घर में अन्न की कमी होने लगती है। इसके अलावा लोगों के विचारों में भी कुसंगति आती है।

भगवान की तस्वीर

वैसे तो भगवान की मूर्ति या तस्वीर पूजा के स्थान पर ही रखी जाती है लेकिन कई बार सजावटी सामान बेड बॉक्स में भी लोग स्टोर करके रख देते हैं। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता बेड बॉक्स में कभी भी तस्वीर या फिर मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। इसके अलावा पूर्वजों की तस्वीर भी बेड बॉक्स में नहीं रखनी चाहिए यह पितृ दोष का कारण बनती है।

दवाईयां

दवाईयां भी बेड बॉक्स के अंदर नहीं रखनी चाहिए यदि आप सोते समय दवाईयों के संपर्क में रहते हैं तो इससे आपके मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बेड में दवाईयां रखने से आप लगातार बीमारियों के संपर्क में आते हैं और शरीर को कई तरह के कष्टों का सामना भी कर पड़ सकता है।

सोना चांदी

कई लोग सोने चांदी के गहने भी अपने बेड बॉक्स में छिपाकर रखते हैं परंतु वास्तु मान्यताओं के अनुसार, किसी सोना भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय होता है क्योंकि इसमें मां लक्ष्मी का वास होता है इसलिए आप जिस जगह पर सोते हैं उसके अंदर कभी भी सोने या फिर चांदी के गहने या वस्तु न रखें। इससे मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु दोनों ही नाराज हो जाते हैं और घर की आर्थिक स्थिति खराब होने लगती है।

किचन के बर्तन

लोगों के घर की किचन भी बहुत ही छोटी होती है ऐसे में वह किचन का सामान भी बेड बॉक्स में रख देते हैं परंतु बर्तन भी बेड बॉक्स में रखने सही नहीं माने जाते हैं। बर्तनों में मां लक्ष्मी का वास होता है और बर्तन बेड बॉक्स में रखकर घर के लोग उसके ऊपर सोते हैं यह मां लक्ष्मी का निरादर माना जाता है। इससे घर के सदस्यों में कभी भी तालमेल नहीं बैठता।

रुपये पैसे

कुछ लोग पैसा रखने के लिए भी बेड को ही सही जगह मानते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। पैसा मां लक्ष्मी का रुप ही माना जाता है ऐसे में इसे बैड पर छिपाकर रखना और उसी के ऊपर सोना उसका निरादार माना जाता है इसलिए कभी भी पैसे को बेड के अंदर न रखें।

घर पर बनाएं गोभी मंचूरियन

गोभी की सब्जी वैसे तो कई घरों में बनती हैं। कभी इसके पराठे बनते हैं तो अभी इसे आलू के साथ मिक्स करके बनाया जाता है। लेकिन अगर आप एक ही तरीके से गोभी खाकर बोर हो गए हो तो चलिए हम आपको बताते हैं नए तरीके से गोभी बनाने की रेसिपी। बाजार में बनी गोभी मंचूरियन तो आप सब ने चखी ही होगी।

सामग्री

गोभी- 1 बड़ी
मैदा – 1/2 कप
कश्मीरी लाल मिर्च – 1 टी स्पून
मक्के का आटा – 2 टेबल स्पून
प्याज बारीक कटा – 1
हरी मिर्च कटी – 1
अदरक (कसा) – 1 टी स्पून
ग्रीन चिली सॉस – 1 टेबल स्पून
व्हाइट विनेगर – 1/2 टेबल स्पून
सोया सॉस – 1 टेबल स्पून

टोमेटो कैचअप – 1 टेबल स्पून
पानी – 1/2 कप
नमक – स्वादनुसार
तेल - जरूरत के अनुसार

गोभी मंचूरियन बनाने का तरीका

1. गोभी मंचूरियन तैयार करने के लिए सबसे मैदा और मक्के के आटे को मिक्स कर लें।

2. अब इसमें धीरे-धीरे पानी डालकर घोल तैयार करें।

3. इसके बाद इस मिश्रण में कश्मीरी लाल मिर्च डालकर अच्छी तरह घोल तैयार कर लें।

4. इसके बाद इसमें कटे हुए गोभी के बड़े टुकड़ें डालें।

5.अब एक पैन में तेल गर्म करें।

6.जब तेल गर्म हो जाए, तो घोल से लिपटे हुए गोभी के टुकड़ों को इसमें डालकर अच्छे से फ्राई करें।

7.गोभी को गोल्डन ब्राउन होने तक पकाएं।

8.अब इसे एक बर्तन में निकाल लें।

9.जब सारी गोभी फ्राई हो जाए, तो फिर से एक दूसरा पैन चढ़ाएं।

10.इस पैन में 2 चम्मच तेल, कसी हुई अदरक, प्याज को डाल दें।

11.इसके बाद इसमें 1 चम्मच टोमेटो कैचअप, 1 टेबल स्पून ग्रीन चिली सॉस और एक चम्मच सोया सॉस डालकर इसे भून लें।

12.इसके बाद इसमें आधा चम्मच व्हाइट विनेगर और पानी डालें।

13. जब पानी थोड़ा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें फ्राई की गई गोभी डाल दें।

14.सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें। बस तैयार है आपका गोभी मंचूरियन।

सारा दिन स्क्रीन पर नजरें गड़ाकर देखते हैं बच्चे तो ध्यान दें

जकल ज्यादा पेरेंट्स वर्किंग होते हैं। ऐसे में वह बच्चों को ज्यादा समय भी नहीं दे पाते। यदि बच्चे जिद्द करें तो वह उनके हाथों में मोबाइल फोन पकड़ा देते हैं। लेकिन फोन पर ज्यादा समय बिताने के कारण बच्चों की आंखों के साथ-साथ उनके शरीर को भी नुकसान हो सकता है। एम्स की गाइडलांइस की मानें तो एक दिन में मैक्सिमम दो घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं होना चाहिए। आई एक्सपर्ट्स का कहना है कि जितनी छोटी स्क्रीन होगी उतनी ही समस्या बढ़ेगी। बड़ी स्क्रीन की जगह मोबाइल पर काम करने से आंखों पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है। इसके अलावा भी ज्यादा देर स्क्रीन देखने से बच्चों को और भी कई नुकसान हो सकते हैं। आइए जानते हैं ...

आंखे होगी खराब

लगातार स्क्रीन देखने के कारण मायोपिया में आंख की पुतली का साइड बढ़ जाता है जिसके कारण से प्रतिबिंब रेटिना पर नहीं बनता है बल्कि इससे थोड़ा अलग हटकर बनता है। ऐसी स्थिति में दूर की चीजें धुधंली दिखती हैं लेकिन पास की चीजें ठीक दिखती हैं। ऐसे में जो बच्चे स्क्रीन पर सारा दिन समय बिताते हैं उन्हें चश्मा लगाना पड़ता है।

नहीं हो पाता दिमाग का विकास

छोटे बच्चों को शांत करने के लिए पेरेंट्स अक्सर उनके हाथ में फोन दे देते हैं, ऐसे में बच्चा शांत होकर स्क्रीन के सामने घंटों तक समय बिताता है। छोटी उम्र में मोबाइल फोन में लगने से बच्चे के दिमाग का विकास नहीं हो पाता और वह समय पर बोलना भी नहीं सीख पाते।

सिरदर्द, नींद न आने जैसी समस्याएं

स्क्रीन देखने के दौरान बच्चे हो या फिर बड़े आंखे कम ही झपकाते हैं। ऐसे में आंखों में रुखापन हो जाता है और बच्चे को थकान महसूस होने लगती है। इसके कारण कम उम्र में ही बच्चों को सिरदर्द की समस्या, नींद न आने की समस्या, हार्मोन्स में असंतुलन की समस्या भी हो सकती है। हार्मोन्स में असंतुलन होने के कारण नींद में कमी धीरे-धीरे बच्चों को दिमागी रुप से कमजोर बनाता है और शरीर का वजन भी बढ़ सकता है।

पेरेंट्स ऐसे छुड़वाएं बच्चों की आदत

. 18 महीने यानी की डेढ़ साल से कम उम्र के बच्चों को किसी भी स्क्रीन वाले गैजेट का इस्तेमाल न करने दें।

. इसके अलावा यदि आप उन्हें फोन देना चाहते हैं तो एक निश्चित टाइम रखें।

. बच्चों को फिजिकल एक्टिविटी के लिए प्रेरित करें।

. मोबाइल, टैबलेट या टीवी का इस्तेमाल देर रात तक बेडरुम में बिल्कुल भी न रखें।

. बच्चों के मोबाइल फोन रात होने पर अपने कमरे में ही रखें।

मुंह के बल गिरा शेयर बाजार

निफ्टी भी 460 अंक टूटा; ऑटो-बैंकिंग शेयर फिसले, ईरान और पाकिस्तान के बीच तनाव से बाजार में दबाव

मुंबई,17 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 17 जनवरी को बड़ी गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 1628 अंक गिरकर 71,500 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 460 अंक की गिरावट रही। यह 21,571 के लेवल पर बंद हुआ। आज के कारोबार में ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में सबसे ज्यादा गिरावट रही। तिमाही नतीजों के बाद HDFC बैंक के शेयर 8% से ज्यादा टूटे हैं। कोटक बैंक भी करीब 4% नीचे बंद हुआ। वहीं टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी में 1% से ज्यादा की गिरावट है।

बाजार में गिरावट के 4 कारण:

बैंकिंग शेयरों में भारी बिकवाली का असर पूरे बाजार पर पड़ा है। इससे निफ्टी बैंक 2.5% से ज्यादा गिर गया।

बाजारों में तेज रैली के बाद लोग कुछ प्रॉफिट बुकिंग कर रहे हैं। मिड और स्मॉल कैप ओवरवैल्यूड हो गए हैं।

कमजोर ग्लोबल संकेतों ने बाजार को नीचे खींचा है। डाओ जोंस में मंगलवार को 0.62% की गिरावट रही।

इजराइल-हमास युद्ध के बाद अब ईरान और पाकिस्तान में तनाव के कारण जियो टेंशन फिर बढ़ने लगी हैं।

मेडी असिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेज के IPO में निवेश का मौका

मेडी असिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेज लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी IPO में आज निवेश का आखिरी मौका है। इसमें आज यानी 17 जनवरी तक निवेश किया जा सकेगा। कंपनी इस इश्यू के जरिए 1,171.58 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इस IPO के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 35 शेयर के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने IPO का प्राइस बैंड रु 397-रु 418 प्रति शेयर तय किया है।

यदि आप IPO के अपर प्राइस बैंड रु 418 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको रु 14,630 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 455 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए रु190,190 इन्वेस्ट करने होंगे।

10 रुपये तक घटेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम, जल्द होगा ऐलान

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। ट्रोल-डीजल की कीमतें बीते कुछ वर्षों से नहीं बढ़ाए गए हैं. अब लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर तेल कंपनियां पेट्रोल-डीजल के दामों में कटौती कर सकती हैं. प्रदेश के स्वामित्व वाली इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड लोकसभा चुनाव से पहले फरवरी में पेट्रोल और डीजल के दामों में कटौती कर सकती हैं.

बिजनेस टुडे ने हिंदुस्तान टाइम्स के रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि तेल कंपनियां इस माह वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के परिणाम जारी करने के पश्चात पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती करने पर विचार करेंगी. कंपनियों के इस कदम से महंगाई को लेकर थोड़ी राहत प्राप्त होने की उम्मीद है.

रिपोर्ट में बताया गया है कि एक अफसर ने बताया, ईंधन प्रोवाइड कराने वाली कंपनियों ने हाई मार्जिन की वजह से बीते 2 तिमाही में मुनाफा कमाया है एवं तीसरी तिमाही में भी लाभ होने की उम्मीद है. ऐसे में इस महीने में परिणाम आने के पश्चात पेट्रोल और डीजल के दामों में 5 से 10 रुपये प्रति लीटर की कमी आ सकती हैं. वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही तक 3 कंपनियों का संयुक्त नेट प्रॉफिट 57,091.87 करोड़ रुपये था, जो कि FY2022-23 के नेट प्रॉफिट 1,137.89 रुपये से 4,917 प्रतिशत ज्यादा था. वहीं अब ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल के घटते दाम से कंपनियों को तीसरी तिमाही के आखिर में 75,000 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट होने की उम्मीद है.

'सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' पर गिरी गाज

गृह मंत्रालय ने रद्द किया एफसीआरए पंजीकरण

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने नियमों के कथित उल्लंघन के लिए प्रमुख थिंक टैंक 'सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' का विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) पंजीकरण रद्द कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा यह कदम एफसीआरए के तहत गैर-लाभकारी संस्था (एनजीओ) के पंजीकरण को निलंबित करने के लगभग एक साल बाद उठाया गया है। आयकर विभाग द्वारा की गई छापेमारी के बाद से थिंक-टैंक जांच के दायरे में है। गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान कानून के प्रावधानों के कथित उल्लंघन के लिए एनजीओ का एफसीआरए पंजीकरण रद्द कर दिया है। इससे पहले एफसीआरए लाइसेंस फरवरी 2023 में 180 दिनों के लिए निलंबित किया गया था। फिर निलंबन को और 180 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया। इसकी वेबसाइट के अनुसार 'सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' (सीपीआर) 1973 से भारत के अग्रणी थिंक-टैंक में से एक रहा है। इसमें बताया कि यह अध्ययन के लिए समर्पित एक गैर-लाभकारी, गैर-पक्षपातपूर्ण, स्वतंत्र संस्थान है।

'सीपीआर' को बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, हेवलेट फाउंडेशन, विश्व बैंक, फोर्ड फाउंडेशन, ब्राउन यूनिवर्सिटी के अलावा अन्य संस्थानों से चंदा मिलता था। इसके संचालन निकाय के पूर्व सदस्यों में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश दिवंगत वाईवी चंद्रचूड़, अनुभवी पत्रकार दिवंगत बीजी वर्गीस शामिल रहे।

जब 'सीपीआर' ने अपने निलंबन को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी तो गृह मंत्रालय ने तर्क दिया था कि सीपीआर का विदेशी चंदा रोकने की जरूरत है क्योंकि इसे ''अवांछनीय उद्देश्यों'' के लिए विदेशी चंदा प्राप्त हो रहा है, जिससे देश के आर्थिक हित प्रभावित हो सकते हैं। गृह मंत्रालय ने आरोप लगाया कि 'सीपीआर' ने एफसीआरए का उल्लंघन करते हुए विदेशी चंदे को अन्य संस्थाओं में स्थानांतरित कर दिया और चंदे को ऐसे खातों में जमा कर दिया, जो कि रिकॉर्ड में दर्ज नहीं थे।

2034 तक सात फीसदी होगी उद्योग की वृद्धि दर

450 अरब डॉलर तक पहुंचेगा प्रीमियम

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू बीमा क्षेत्र अगले एक दशक तक सात फीसदी की दर से विकास कर सकता है। इस दौरान वित्त वर्ष 2034 तक इसका प्रीमियम दोगुना बढ़कर 450 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इस समय प्रीमियम आय 224 अरब डॉलर है। स्विस रे इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, अगले पांच वर्षों में (2024-28) कुल बीमा प्रीमियम आय सालाना 7.1 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। वैश्विक विकास की औसत दर 2.4 फीसदी और उभरते बाजारों में दर 5.1 फीसदी रह सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक,बीमा जागरूकता अभी 3.8 फीसदी है, जो 10 वर्षों में बढ़कर 4.5 फीसदी हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2034 तक घरेलू बीमा उद्योग के बढ़ने की दर वैश्विक औसत वृद्धि के दोगुने से भी अधिक होगी। इसका श्रेय भारत की लचीली अर्थव्यवस्था को जाता है, जो अगले पांच वर्षों तक सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी जीडीपी बनी रहेगी। रिपोर्ट में भूकंप, बाढ़, चक्रवात, सूखा और जंगल में आग लगने जैसी प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाओं का हवाला देते हुए कम जोखिम वाले संरक्षण पर भी प्रकाश डाला गया है।

एसबीआई को पीछे कर देश की सबसे मूल्यवान पीएसयू बनी एलआईसी

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयर में बुधवार को सुबह के कारोबार में 2% से अधिक की वृद्धि हुई, जिससे इस सरकारी बीमा कंपनी का मार्केट कैप 5.8 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर गया। कंपनी के शेयर 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 919.45 रुपये प्रति शेयर के भाव को छू गए।

एचडीएफसी बैंक ने निवेशकों को दिया एक लाख करोड़ का झटका

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक के शेयरों में आज भारी गिरावट देखने को मिली। देश का दूसरा सबसे मूल्यवान शेयर बुधवार को बीएसई पर 8.46 परसेंट की गिरावट के साथ 1536.90 रुपये पर बंद हुआ।

यह तीन साल में इसमें सबसे बड़ी गिरावट है। इस गिरावट से निवेशकों को एक लाख करोड़ रुपये की चपत लगी। बैंक का मार्केट कैप 11.67 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इससे पहले बैंक के शेयरों में कोरोना काल में 23 मार्च, 2020 को 12.7 परसेंट गिरावट आई थी। बैंक ने मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद अपना दिसंबर तिमाही का रिजल्ट जारी किया जो बाजार को पसंद नहीं आया। रिजल्ट के बाद कई ब्रोकरेज कंपनियों ने स्टॉक का टारगेट प्राइस घटा दिया जिससे इसमें गिरावट आई।

एचडीएफसी बैंक का तीसरी तिमाही में प्रॉफिट पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 34 फीसदी बढ़कर 16,373 करोड़ रुपये रहा। बीएनपी परिबा के शांतनु चक्रवर्ती ने कहा कि बैंक का एनआईएम 3.7 परसेंट रहा लेकिन पिछली तिमाही के मुकाबले यह फ्लैट रहा।

इससे निवेशकों को निराशा हुई। इस रिजल्ट के बाद जेफरीज ने एचडीएफसी बैंक के शेयर का टारगेट प्राइस 2,100 से घटाकर 2,000 रुपये कर दिया। पिछले दो साल में एचडीएफसी बैंक के शेयरों में केवल एक फीसदी तेजी आई है जबकि इस दौरान सेंसेक्स में 17 फीसदी उछाल रही है। एचडीएफसी बैंक ने पिछले साल अपनी पेरेंट कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड के साथ रिवर्स मर्जर कंप्लीट किया था।

कर्ज के चंगुल में फंसी दुनिया के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने उठाए महत्वपूर्ण कदम

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। वर्तमान वित्तीय वर्ष की शुरुआत में हमने देखा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था राजकोषीय और मौद्रिक नीति दोनों उपायों से मंदी से उबर रही थी। दरअसल, वित्त वर्ष 2022 में मुद्रास्फीति से निपटने के लिए विभिन्न देशों में ब्याज दरें बढ़ाई गईं, सार्वजनिक ऋण में भारी कमी आई और सरकारी वित्त में सुधार भी हुआ था। इस आर्थिक सुधार से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश में कुछ हद तक स्थिरता भी संभव लग रही थी। लेकिन आर्थिक सुधारों के लिए विभिन्न देशों में अपनाई गई नीतियों में काफी फर्क भी दिखा। भारत जैसी उभरते बाजारों वाली विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में व्यापक आधार वाले आर्थिक सुधार दिखे। लेकिन कम आय वाली विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों ने व्यापक आर्थिक स्थिरता का अनुभव किया, जिससे अत्यधिक सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा हुए। संसाधनों के अभाव वाले क्षेत्रों की संसाधन-बहुल क्षेत्रों तक पहुंच कैसे सुनिश्चित की जाए, इस संदर्भ में हाल के समय में कई वैश्विक नीतिगत चर्चाएं भी हुईं। नई दिल्ली में आयोजित जी-20 सम्मेलन में मजबूत, सतत, संतुलित और समावेशी विकास की जरूरत पर बल दिया गया। हालांकि इस स्थिति की जटिलता के कई आयाम हैं।

ऐसा ही एक महत्वपूर्ण मुद्दा है बढ़ते वैश्विक कर्ज का। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष कुल वैश्विक कर्ज कुल वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (वैश्विक जीडीपी) का 238 फीसदी था, जो 2019 की तुलना में नौ फीसदी ज्यादा था। अगर इन्हीं आंकड़ों को डॉलर में देखें, तो यह कर्ज 2,350 खरब डॉलर था, जो 2021 की तुलना में करीब दो सौ अरब डॉलर ज्यादा था। इसमें सबसे ज्यादा चिंता का विषय घरेलू और निजी क्षेत्र का बढ़ता कर्ज है। हालांकि 2008 की वैश्विक मंदी के बाद से घरेलू कर्ज पर पूरी तरह से निगरानी रखी गई है, लेकिन फिर भी पिछले पंद्रह वर्षों में यह काफी तेजी से बढ़ा है।

कोविड महामारी ने तो इसे और भी तेजी से बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि घरेलू कर्जों का उच्च स्तर वित्तीय अस्थिरता का एक प्रमुख स्रोत हो सकता है। हालांकि वैश्विक नीतिगत चर्चाओं में कोविड महामारी के बाद वित्तीय स्थिरता को वापस लाने पर फोकस किया गया है, लेकिन जब बात घरेलू और निजी क्षेत्र के कर्ज की हो, तो ज्यादा सोच-विचार जरूरी हो जाता है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि घरेलू कर्ज की प्रकृति, विशेषताएं और प्रभाव विभिन्न देशों में भिन्न-भिन्न होते हैं।

उल्लेखनीय है कि अगर असुरक्षित घरेलू कर्ज ज्यादा बढ़ जाते हैं, तो वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा खतरा पैदा हो जाता है। दूसरी तरफ, सुरक्षित घरेलू कर्ज, मसलन रियल एस्टेट के लिए लिया गया कर्ज, वास्तविक मांग बढ़ा सकते हैं और घरेलू संपत्ति पैदा करते हैं। कर्ज निर्माण की इस प्रक्रिया की विस्तृत समझ रखना जरूरी है। इस समस्या की भयावहता को समझने के लिए आइए, भारत सहित कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू कर्ज की स्थिति को दो काल-खंडों 2008 और 2022 में समझते हैं। 2008 वह वर्ष था, जब पूरी दुनिया में मंदी छाई थी, जबकि 2022 कोविड महामारी के ठीक

क्या आप भी बना रहे हैं सोना-चांदी खरीदने की योजना? तो यहाँ चेक कर लें आज का नया भाव

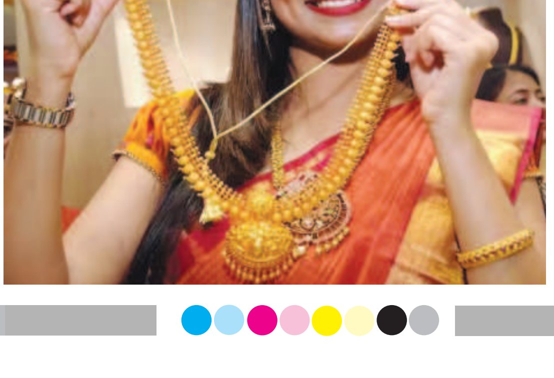

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। आज 17 जनवरी को सोने चांदी के दामों में फिर मामूली सा बड़ा परिवर्तन आ गया है। नए दामों के बाद सोने की कीमत 63000 और चांदी के दाम 76000 के पार हो गया है। आज बुधवार को सराफा बाजार द्वारा जारी सोने चांदी के जारी नए दामों के अनुसार, आज 17 जनवरी 2024 को 22 कैरेट सोने की कीमत 58,200, 24 कैरेट की कीमत 63,480 एवं 18 ग्राम 47618 रुपए पर ट्रेंड कर रहा है। वही 1 किलो चांदी की कीमत 76500 रुपए चल रही है।

वही आज बुधवार को 24 कैरेट सोने के भाव की बात करें तो भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने का भाव 63,300 रुपये , दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने का भाव 63, 480/- रुपये, हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू एवं मुंबई सराफा बाजार में 63,330/- रुपये और चेन्नई सराफा बाजार में भाव 63,820/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। आज बुधवार को जयपुर कोलकाता अहमदाबाद लखनऊ मुंबई दिल्ली सराफा बाजार में चांदी के भाव की बात करें तो 01 किलोग्राम चांदी की कीमत (Silver Rate Today) 76500/- रुपये है, जबकि चेन्नई, मदुरै , हैदराबाद एवं केरल सराफा बाजार में भाव 78,500/- रुपये है। वही भोपाल और इंदौर में 1 किलो चांदी का भाव 78,000 रुपए चल रहा है।

घर बैठे ऐसे चेक करें भाव:- आपको बता दें आप इन दामों को सरलता से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको केवल इस नंबर 8955664433 पर मिस्ड कॉल देना है तथा आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा, जिसमें आप नवीनतम दाम चेक कर सकते हैं। बता दें यदि अब आप सोने की शुद्धता चेक करना चाहते हैं तो इसके लिए सरकार की तरफ से एक ऐप पेश किया गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

शनि ११, बुध मंगल ९, सूर्य १०, शुक्र ८, १२ राहु, चंद्र गुरु १, ७, ६ केतु, २, ४, ३, ५

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मुकर में	मकर..	06-41 बजे
चंद्र-	मेष में	कुंभ...	08-31 बजे
मंगल	धनु में	मीन ..	10-09 बजे
बुध-	धनु पें	मेष--	11-45 बजे
गुरु-	मेष में	वृष--	13-30 बजे
शुक्र-	वृश्चिक में	मिथुन..	15-30 बजे
शनि-	कुंभ में	कर्क...	17-42 बजे
राहु-	मीन में	सिंह...	19-55 बजे
केतु-	कन्या में	कन्या..	22-01 बजे
		तुला.....	00-06 बजे
		वृश्चिक	02-17 बजे
		धनु.....	04-34 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-53
सूर्यास्त. - 17-58
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - 20 -44 - तक उपरान्त नवमी
मास - पौष शुक्ल पक्ष , गुरूवार 18 January
नक्षत्र - अश्विनी - 26 - 56 - तक उपरान्त भरणी
योग - सिद्ध - 14 - 46 - तक उप साध्य
करण- विष्टि - 09 -21 - तक उप- बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:50 से 15:14 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:53 - 08:15	शुभ	अमृत.	17:58 - 19:38	शुभ
रोग	08:15 - 09:39	अशुभ	चंचल.	19:38 - 21:14	शुभ
उत्पात	09:39 - 11:03	अशुभ	रोग	21:14 - 22:50	अशुभ
चंचल	11:03 - 12:26	शुभ	काल.	22:50 - 24:26	अशुभ
लाभ	12:26 - 13:50	शुभ	लाभ	24:26 - 26:03	शुभ
अमृत	13:50 - 15:14	शुभ	उत्पात	02:03 - 03:39	अशुभ
काल	15:14 - 16:38	अशुभ	शुभ.	03:39 - 05:15	शुभ
शुभ	16:38 - 17:58	शुभ	अमृत	05:15 - 06:53	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे । जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें । नम्र बने रहें । आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे । धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है । सेहत और मिजाज दोनों ही बहुत अच्छे हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी | इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें ।इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा । आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी । अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है । अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा। आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है । आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा । आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पीएम मोदी की छोटी-छोटी गायों की कहानी

दुर्लभ पुंगनूर नस्ल, कीमत 20 लाख तक, 5 साल पहले कैसे मिला नया जीवन

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास का लॉन। मकर संक्रांति पर खिली धूप में पीएम मोदी कुछ गायों से घिरे हुए हैं। उनके हाथ में तिल-गुड़ और हरा चारा है। वो गायों को खिला रहे हैं और उन्हें दुलार रहे हैं। जिसने भी ये वीडियो देखा उसका ध्यान छोटी-छोटी गायों की तरफ जरूर गया।

ये आंध्र प्रदेश की पुंगनूर गायें हैं। संकटग्रस्त नस्ल की कैटेगरी में आने वाली इन गायों की कीमत 3 से 20 लाख रुपए के बीच है। इनके दूध में कई औषधीय गुण होते हैं। इन गायों का जिक्र पुराणों में भी मिलता है। लगभग खत्म हो चुकी इन गायों को 2019 में नया जीवन मिला।

पुंगनूर वही गाय जो समुद्र मंथन से निकली

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अमृत प्राप्ति के लिए जब देव और दानवों ने मिलकर समुद्र मंथन किया था तो अमृत निकलने से पहले कई दुर्लभ चीजें भी उसमें से निकली थी। उसमें से एक सुरभि गाय भी निकली थी। इसे कामधेनु भी कहा जाता है।

आंध्र के लोगों का मानना है कि पुंगनूर वही सुरभि गाय है। उस समय इसकी ऊंचाई दस फीट थी जो समय काल के प्रभाव से छोटी हो गई है। वैदिक काल में जब विश्वामित्र राजा थे तो उन्होंने ऋषि वशिष्ठ से कामधेनु को हड़पने के लिए युद्ध किया था।

युद्ध में ऋषि वशिष्ठ की कामधेनु ने मदद की थी। इसके कारण राजा विश्वामित्र हार गए थे। इसी के दूध से तिरुपति बालाजी को अभिषेक किया जाता है। इसे क्षीराभिषेकम कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार समुद्र मंथन से कामधेनु गाय निकली थी। इसे सुरभि भी कहा जाता है। आंध्र के लोग मानते हैं कि पुंगनूर वहीं नस्ल है जो इस दिव्य मंथन से निकली थी। इस गाय के दूध से दक्षिण के कई मंदिरों में भगवान के लिए भोग बनाए जाते हैं। तिरुपति बालाजी को रोज इसका भोग लगता है।

खत्म होने लगी थीं पुंगनूर गायें, फिर ऐसे बढ़ा कुनबा

पुंगनूर गाय अधिकतम 3 लीटर दूध दे सकती हैं। जबकि जर्सी और नई नस्ल की गायें ज्यादा दूध देती हैं। इसलिए धीरे-धीरे लोगों ने इनका पालन कम कर दिया और इनकी नस्ल खतरे में आ गई।

आंध्र प्रदेश के पशुधन और डेयरी विभाग के अनुसार राज्य में पुंगनूर गायों की संख्या केवल 2,772 बच गई थी। इसके संरक्षण के लिए सरकार ने सोचना शुरू किया था, लेकिन कोई प्लान धरातल पर नहीं आ रहा था।

इससे पहले काकीनाडा के डॉ. कृष्णम राजू ने काम शुरू कर दिया था। उन्होंने 2019 में मिनिएचर पुंगनूर गाय की नस्ल की खोज की है। उनके प्रयास के बाद सरकार ने 2020 में 'मिशन पुंगनूर' शुरू किया।

इस पहल के तहत आंध्र सरकार ने आईवीएफ तकनीक से पुंगनूर गायों की आबादी बढ़ाने के लिए 69.36 करोड़ रुपए मंजूर किए। सरकारी प्रोजेक्ट और डॉ राजू के व्यक्तिगत प्रयासों से आंध्र में पुंगनूर गायों की संख्या बढ़कर अब 13,275 हो गई है।

द हिंदू की एक खबर के अनुसार 'मिशन पुंगनूर' के तहत पांच साल में सरकार एक गाय से औसतन 8 बच्चे चाहती है। अभी तक एक गाय दो से तीन बच्चे ही जन्म दे रही थीं। ऐसा करने से आने वाले कुछ सालों में 200 गायों से सरकार ने 1690 गायें पैदा करने का लक्ष्य रखा है।

आयुर्वेदिक डॉक्टर ने गायों की हाइट पर एक्सपेरिमेंट किया

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में आयुर्वेद के डॉक्टर कृष्णम राजू ने बताया कि उन दिनों उन्होंने एक लाख रुपए देकर पुंगनूर गाय खरीदी थी। उस दौरान उन्हें एक्यूपंचर तकनीक से मिनिएचर गाय बनाने का ख्याल आया।

उन्होंने देखा कि कुत्ता पालने का शौक बढ़ता जा रहा है और कुत्ते बेडरूम तक चले गए हैं। इसके बाद डॉ. कृष्णम राजू ने गाय के कद को कम करने पर काम किया। पुंगनूर गाय का बछड़ा जब पैदा होता है तो उसकी हाइट ढाई फीट तक होती है। बछड़े के पैदा होने के बाद उसे एक्यूपंचर ट्रीटमेंट दिया जाता है, जिससे उसकी हाइट कुछ सेंटीमीटर और बढ़ती है। इस तरह 14 साल बाद उन्होंने कई प्रयोग के बाद सफलतापूर्वक 2019 में 'मिनिएचर पुंगनूर' को दुनिया के सामने लाए। इसी गाय के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मकर संक्रांति पर देखे गए थे।

100 में से 10 गाय छोटे कद की गायों को जन्म देती हैं

डॉ. कृष्णम आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में नादीपथी नाम की गोशाला चलाते हैं। यही उनकी कर्मस्थली भी है। छोटी पुंगनूर गाय बनाने के लिए उन्होंने एक पुंगनूर बैल खरीदा उसे सामान्य सौ गायों से ब्रीड कराया। ये गायें देश के अलग-अलग हिस्सों में रखी गईं, ताकि परिस्थितियों का भी पता लगाया जा सके।

100 में से 10 गायों ने छोटे कद की गायों का जन्म दिया। इस तरह से 10-10 करके ये संख्या आज हजारों में पहुंच गई है। अब डॉ कृष्णम मिनिएचर मेल पुंगनूर से फीमेल पुंगनूर को ब्रीड कराकर सीधे मिनिएचर पुंगनूर गाय लेते हैं।

पुंगनूर गायों के दूध की कीमत 1,000 रुपए लीटर

गवर्नमेंट वेटरनरी हॉस्पिटल उज्जैन के रिटायर्ड डॉक्टर आरआर चौहान बताते हैं कि पुंगनूर गाय ए2 कैटेगरी का दूध देती है। इसके दूध में कई औषधीय गुण होते हैं जो हाइपर टेंशन, स्किन, आर्थराइटिस, ब्लड प्रेशर सहित कई बीमारियों को ठीक कर सकते हैं और उनसे बचाते हैं। इसमें प्रोटीन और कैल्शियम मात्रा ज्यादा होती है।

पुंगनूर गाय के ए2 दूध में कैसिइन प्रोटीन पाया जाता है। इसमें विटामिन ए, विटामिन डी, विटामिन बी12, कैल्शियम, थायमिन, राइबोफ्लेविन और पोटेशियम होता है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड भी होता है जो बॉडी के मैकेनिज्म को स्मूदली चलाने में मददगार है।

पुंगनूर गाय के दूध में 8% तक फैट पाया जाता है। अन्य गाय के दूध में फैट 3 से 5% ही होता है। इसके दूध कीमत 300 से 1000 रुपए लीटर है। वहीं घी 10,000 से 50,000 रुपए किलो में बिक रहा है।

इसकी यूरीन में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं। आंध्र के किसान इसका उपयोग फसलों पर छिड़काव के लिए करते हैं। यह कीटनाशक की तरह काम करता है। इसका यूरीन 10 रुपए किलो और गोबर 5 रुपए किलो में बेचा जाता है।

पीएम हाउस और देश के कई सीएम हाउस में पुंगनूर गाय

डॉ कृष्णम ने बताया कि प्रधानमंत्री जिन गायों को प्रेम कर रहे हैं वो गाय उन्हीं की गोशाला से गई हैं। दिल्ली के किसी व्यक्ति ने उन्हें यहां से खरीदा था और बाद में उन्हें प्रधानमंत्री आवास को उपहार में दिया। पीएम हाउस के अलावा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सीएम हाउस में भी उन्हीं से ये गायें खरीदी गई हैं।

डॉ कृष्णम ने बताया कि उनकी गोशाला में 1200 गाय हैं। इनकी देखरेख के लिए चारा, जगह, वेटरनरी डॉक्टर और अन्य सहित 50 लोगों का स्टाफ है। इस पर हर माह 60 लाख रुपए खर्च होता है। इस खर्च को निकालने के लिए पुंगनूर गाय की कीमत लाखों में हो जाती है। डॉ. कृष्णम कहते हैं कि वे अपनी गोशाला में गायों की कीमत दस हजार तक लाना चाहते हैं, ताकि हर इंसान घर में कुत्ते की जगह गाय पाले। इसके लिए कुछ साल और लगेंगे।

सीएम सोरेन को ईडी के समन के खिलाफ जेएमएम का विरोध प्रदर्शन

कार्यकर्ताओं ने जबरदस्ती बंद कराईं दुकानें

रांची, 17 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के साहिबगंज में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के कार्यकर्ताओं ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन भेजा था। ईडी के इसी समन का जेएमएम कार्यकर्ताओं ने विरोध किया है।

जेएमएम कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन

केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। उन्होंने साहिबगंज और अन्य कई इलाकों में यातायात पर रोक लगाने के साथ दुकानों को जबरदस्ती बंद करवाया। सूत्र के अनुसार, ईडी ने हेमंत सोरेन को 13 जनवरी को पूछताछ के लिए समन भेजा था। सीएम सोरेन को 16 से 20 जनवरी के बीच उपस्थित होने के लिए कहा गया था। इसके जवाब में सोरेन ने ईडी को कहा था कि वे उनका जवाब 20 जनवरी को

रिकॉर्ड कर सकते हैं। साहिबगंज के जेएमएम अध्यक्ष शाहजहां अंसारी ने जिले में शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने का दावा किया। उन्होंने बताया कि सुबह के आठ बजे से लेकर शाम के पांच बजे तक बंद का आह्वान किया गया है। एंबुलेंस, रेल और दुध के वाहनों समेत कई आपातकालीन सेवाओं को हड़ताल के दायरे से बाहर रखा गया है।

शाहजहां ने कहा, 'हमारे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बहुमत के साथ राज्य में सरकार बनाईं है। लेकिन भाजपा के निर्देश पर केंद्रीय एजेंसियां उन्हें परेशान कर रहीं है। इसके विरोध में हमने यह बंद का आह्वान किया है।'

बता दें कि हेमंत सोरेन ने ईडी के सात समन को नजरअंदाज किया था, जिसके बाद ईडी ने उन्हें चिट्ठी भेजी। इस मामले में अबतक 14 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इसमें एक 2011 बैच के आईएएस अधिकारी छवि रंजन भी शामिल हैं।

कांग्रेस नेता के घर पर चल रही थी गुटखा फैक्ट्री

महासमुंद, 17 जनवरी (एजेंसियां)। महासमुंद जिले में सेंट्रल जीएसटी टीम ने मंगलवार रात गुटखा कारोबारी के ठिकानों पर दबिश दी है। शहर के नयापारा में युवक कांग्रेस के पूर्व शहर अध्यक्ष के घर सीजीजीएसटी के 9 सदस्यों ने छापा मारा है। छापेमारी की कार्रवाई कारोबारी के गोदाम और घर में की गई है।

टीम को यहां से 11 बोरी नकली गुटखा बनाने का सामान मिला है। साथ ही नकली गुटखा बनाने की मशीन भी जब्त की गई है। जानकारी के मुताबिक, नयापारा वार्ड नंबर- 6 में रहने वाले युवक कांग्रेस के पूर्व शहर अध्यक्ष धीरज सरफराज के घर मंगलवार की रात करीब 11 बजे सीजीजीएसटी की विजिलेंस टीम ने छापा मारा है। छापे में विजिलेंस टीम को अवैध तरीके से नकली सितार गुटखा बनाने की मशीन, गुटखा बनाने का मटेरियल, गुटखा पैकेजिंग का रैपर मिला है, जिसे टीम ने जब्त कर लिया है। जब्त मशीन और गुटखा बनाने वाले मटेरियल की कीमत लाखों में बताई जा रही है।

बस्तर में बनेगा अयोध्या जैसा श्रीराम मंदिर

साल 2003 में खरीदी गई थी जमीन, इस दिन से शुरु होगा काम

जगदलपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। एक ओर जहां अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को श्रीराम की प्रतिमा को स्थापित करने के साथ ही पूरे भारत में दिवाली मनाने की बात कही जा रही है। बस्तर के पूर्व विधायक राजाराम तोड़ेम ने नेशनल हाईवे स्थित घाटलोहगा में अपनी डेढ़ एकड़ जमीन को श्रीराम मंदिर बनाने का काम शुरू किया जा रहा है। जहां अयोध्या के तर्ज पर यहां भी राम मंदिर का निर्माण किया जायेगा। आदिवासी समाज के सदस्य और पूर्व विधायक राजा राम तोड़ेम का कहना है कि बस्तर में लगातार हो रहे धर्मांतरण व सनातन धर्म को छोड़कर जा रहे लोगों को रोकने के साथ ही आदिवासियों को आस्था से जोड़े रखना है, देखा जाए तो श्रीराम का बस्तर से एक खास रिश्ता भी रहा है, श्रीराम अपने वनवास काल के दौरान ज्यादातर समय बस्तर जिसे पहले के समय में दंडकारण्य के नाम से जाना जाता था, यहां के जंगलों में बिताया है। जिसे देखते हुए बस्तर की जीवनदायिनी कही जाने वाली

इंद्रावती नदी के किनारे बसे घाटलोहंगा गांव में इस मंदिर का निर्माण किया जाएगा, इस दौरान मंदिर में भगवान राम के वनवास काल के दौरान बस्तर से जुड़ी कहानियों को चित्रों और मूर्तियों के रूप में उकेरा भी जाएगा। पूर्व आदिवासी नेता, पूर्व विधायक राजाराम तोड़ेम ने बताया कि इस जमीन को 2003 में खरीदा गया था, यह जमीन रायपुर-जगदलपुर नेशनल हाईवे पर इंद्रावती नदी के किनारे घाटलोहंगा गांव बसा हुआ है। साथ ही यह संभागीय मुख्यालय जगदलपुर से 10 किमी है, आदिवासी समाज के सदस्य राजा राम तोडेम ने साल करीब 1 एकड़ 38 डिसमिल जमीन खरीदा था, इस जमीन को लेने के साथ ही मन में पूरी तरह से यह विचार कर लिया था कि यहां भगवान श्रीराम का मंदिर बनाया जाएगा,लेकिन पैसों की कमी की वजह से यहां पर मंदिर का काम शुरू नही हो पाया था। जमीन को लेने के साथ ही यहां पर श्रीराम मंदिर को बनाने के लिए प्रयास जारी रहा, जिसमें इस जमीन के छोटे भाग में वर्ष 2007 में हनुमान मंदिर बनाया गया, उस दौरान भी उस क्षेत्र में हनुमान भगवान का यह पहला मंदिर था, जिसके बाद आसपास के लोगों की आस्था जुड़ गई, उस समय भी मन में विचार आया कि भगवान श्रीराम का मंदिर बनाया जाए, लेकिन फिर किन्ही कारणों के चलते मंदिर का काम शुरू नहीं हो पाया था, वर्ष 2023 के शारदीय नवरात्र में श्रीराम मंदिर बनाने की नींव रखी गई, उस दौरान यह था कि किसी भी तरह से कोई अड़चन नही आने पर साल 2024 के चैत्र नवरात्र से काम भी शुरू किया जा सकता है। राजाराम तोड़ेम ने कहा कि सबसे पहले यहां पर बने हनुमान भगवान के मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा, उसके बाद अयोध्या में बने भगवान श्रीराम के मंदिर का हूबहू मंदिर बनाने की योजना बनाई गई है, आर्कीटेक से डिजाइन बनवाई जा रही है, इस मंदिर का आकार अयोध्या से छोटा रहेगा, जब भगवान श्रीराम अपने वनवास काल के दौरान दंडकारण्य आए थे तो उस समय वे जिन-जिन जगहों पर गए थे, उनसे जुड़ी किवदंतियां-कहानियों को मूर्तियों और चित्रों के माध्यम से उकेरा जाएगा।

महिलाओं के लिए पेंशन पाने की उम्र घटाकर 50 साल करने का फैसला

कैबिनेट बैठक में लग सकती है मुहर

रांची, 17 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने महिलाओं के लिए पेंशन पाने की उम्र 60 साल से घटाकर 50 साल करने का फैसला किया है। बताया गया है कि इससे जुड़ा एक प्रस्ताव अंतिम दौर की चर्चा में है।

इस प्रस्ताव के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए पेंशन पाने की उम्र को 50 साल की जा सकती है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 29 दिसंबर को ही एलान किया था कि राज्य की दलित और आदिवासी महिलाओं को 50 साल की उम्र में पहुंचते ही पेंशन लाभ मिलने शुरू हो जाएंगे। बताया गया है कि अगली कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लग सकती है। इसके लागू होने के बाद झारखंड में पेंशन योजना में 18 लाख लाभार्थियों के नाम और जुड़ जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक, मौजूदा समय में झारखंड में 35.68 लाख लोग पेंशन का लाभ उठा रहे हैं। पिछले चार वर्षों में पेंशन पाने वालों की संख्या में 82 फीसदी का इजाफा हुआ है।

छत्तीसगढ़ में निरहुआ और आम्रपाली के कार्यक्रम में बवाल

तातापानी महोत्सव में दर्शकों ने तोड़ी कुर्सियां, कार्यक्रम में देर से पहुंचने पर नाराजगी

बलरामपुर-रामानुजगंज, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के तातापानी महोत्सव में भोजपुरी सिंगर-एक्टर और यूपी बीजेपी सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली के कार्यक्रम में जमकर बवाल हो गया। दरअसल निरहुआ देर से पहुंचे थे और कार्यक्रम जल्द खत्म कर दिया। इससे नाराज बड़ी संख्या में दर्शकों ने हंगामा कर कुर्सियों को तोड़ दिया। आयोजित 3 दिवसीय संक्रांति परब के अंतिम दिन भोजपुरी की मशहूर अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने भी अपनी शानदार परफॉरमेंस दी। आम्रपाली और निरहुआ को देखने भारी संख्या में लोग पहुंचे थे। दोनों कलाकारों ने स्टेज पर एक-से-बढ़कर एक गाने गाए, जिस पर

लोग झूमते रहे।

तातापानी महोत्सव में अंतिम दिन भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ और भोजपुरी अदाकारा आम्रपाली दुबे के कार्यक्रमों को लेकर व्यापक प्रचार किया गया था। दोनों झारखंड से लगे सीमांत क्षेत्र में खासे लोकप्रिय हैं। उन्हें देखने-सुनने हजारों लोग पहुंचे थे। दिनेश लाल निरहुआ देर से मंच पर पहुंचे और प्रशासन ने 10.30 बजे से पहले ही कार्यक्रम समाप्त करा दिया, जिससे लोग भड़क गए और कुर्सियां तोड़ दीं।

मंगलवार को तातापानी महोत्सव में ट्राइबल फैशन वॉक का भी आयोजन किया गया। जिसमें मॉडल्स ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति को दिखाते हुए शानदार कपड़े और परंपरागत ज्वेलरी पेश की। 14 जनवरी से लेकर 16 जनवरी तक 3 दिवसीय तातापानी महोत्सव मेला देखने के लिए छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्य झारखंड, बिहार, ओडिशा और उत्तरप्रदेश से भी लोग पहुंचे थे।

3 दिवसीय तातापानी महोत्सव का समापन स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में किया गया। उन्होंने भव्य आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि आने वाले दिनों में इसे और बेहतर बनाया जाएगा। मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि तातापानी का विकास भी होगा और महोत्सव की गरिमा भी बढ़ेगी।

3 दिनों तक उमड़ी लोगों की भीड़

समापन अवसर पर विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, शकुंतला पोर्ते सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और लोग उपस्थित थे। तातापानी महोत्सव में भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की थी।

ताइक्वांडो खिलाड़ी ने रांची में किया सुसाइड

रांची, 17 जनवरी (एजेंसियां)। रांची के खेलगांव स्थित झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएसपीएस) के हॉस्टल में दुमका की खिलाड़ी कल्पना ने सुसाइड कर ली। उसका शव फंदे पर लटका मिला। वह ताइक्वांडो खिलाड़ी थी। घटना के समय दो ही खिलाड़ी हॉस्टल में थीं। घटना मंगलवार देर शाम की बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही जेएसएसपीएस के अधिकारी और खेलगांव थाने की पुलिस पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। इस घटना को लेकर न तो खेलगांव थाने की पुलिस कुछ कह रही है और न ही जेएसएसपीएस के अधिकारी बात करना चाह रहे हैं। खिलाड़ी के परिजन को घटना की जानकारी दे दी गई है।

पत्नी-सास के अकाउंट में रिश्वत के पैसे भेजता था लेफ्टिनेंट कर्नल

धनबाद, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अंडमान-निकोबार कमांड हेडक्वार्टर, पोर्ट ब्लेयर में तैनात भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक चंद्र के खिलाफ सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज कराया है। आरोप है कि लेफ्टिनेंट ने पोर्ट ब्लेयर में तैनाती के दौरान विभिन्न वेंडरों से हासिल घूस की रकम पत्नी प्रिया चंद्र और दो नाबालिग बेटों के नाम पर बोकारो के विभिन्न बैंकों में जमा कराया। इसके अलावा अभिषेक ने बोकारो के तीन बैंकों में अपने नाम से भी राशि जमा करने के साथ पिता सुरेश चंद्र गिरि, सास शशि शर्मा और पत्नी के भाई परितोष शर्मा के अकाउंट में भी पैसे जमा कराए। सीबीआई के 2022 में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक अभिषेक व प्रिया ने जयपुर में फ्लैट व प्लॉट खरीदे।

सीबीआई ने अभिषेक व प्रिया के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में दावा किया कि दंपती के पास आय से 31.30 लाख रुपए अधिक की चल-अचल संपत्ति है। प्रिया प्राइवेट टीचर हैं। सीबीआई ने 1 जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2019 तक दंपती की संपत्तियों की जांच की। इसमें खुलासा हुआ कि इस अवधि ने दंपती की वास्तविक आमदनी 1 करोड़ 1 लाख 17 हजार 257 थी, जबकि इस दौरान उन्होंने 65 लाख 42 हजार 727 रुपए खर्च किए। इसके बावजूद इस अवधि में उनके पास 1 करोड़ 10 लाख 95 हजार 716 रुपए की चल-अचल संपत्ति मिली।

मनरेगा शेड में बनती थी नकली शराब

पलामू, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पलामू में अवैध शराब बनाने के लिए जमा की गई 8 हजार लीटर की स्प्रिट जब्त की गई है। इस स्प्रिट से एक करोड़ 60 लाख रुपए तक की शराब बनती। नकली शराब की तस्करी पलामू के साथ- साथ बिहार से सटे इलाकों में भी की जा रही थी। नकली शराब को बिहार भेजने की तैयारी थी। पलामू में शराब माफिया नकली शराब बनाकर बिहार में भेजते हैं।

बिहार में शराबबंदी होने की वजह से इसकी बहुत डिमांड होती है। उत्पाद विभाग ने नकली शराब बनाने के लिए रखी गई आठ हजार लीटर स्प्रिट को जब्त किया है। स्प्रिट की कीमत 16 लाख रुपए है। छापेमारी नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के मननदोहर गांव में मनरेगा से बने एक शेड में अवैध स्प्रिट दो सौ डिब्बों में भरकर रखा गया था।

मननदोहर का इलाका बिहार की सीमा से सटा हुआ है। इससे शराब माफिया को बिहार में शराब भेजने में आसानी होती है। उत्पाद विभाग ने नौडीहा बाजार पुलिस के साथ संयुक्त रूप से अभियान चलाया था। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक सरकारी राशि से बने शेड में पिछले कई महीनों से नकली शराब बनाई जा रही थी।

धीरेंद्र शास्त्री का कार्यक्रम रद्द, हाईकोर्ट ने सीएस-डीजीपी को किया तलब

10 फरवरी को होनी है कथा, प्रशासन ने सुरक्षा का दिया हवाला

रांची, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पलामू में पंडित धीरेंद्र शास्त्री के 10 फरवरी से होने वाले कार्यक्रम को पलामू डीसी ने फिर रद्द कर दिया है। डीसी ने कानून व्यवस्था की समस्या बताकर हनुमंत कथा आयोजन समिति के आवेदन को खारिज कर दिया। झारखंड हाईकोर्ट ने इस फैसले को गंभीरता से लिया है। जस्टिस आनंदा सेन की कोर्ट ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य सचिव और डीजीपी को पेश होने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया है कि समिति ने तीन जनवरी को पलामू डीसी को बाबा बागेश्वर धाम के कार्यक्रम डिटेल प्लान दिया था। जिसे डीसी ने 10 जनवरी को रद्द कर दिया। डीसी बोले- कार्यक्रम में दो लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। ऐसे में कानून-व्यवस्था संभालना कठिन होगा। बागेश्वर धाम सरकार के कार्यक्रम को लेकर झारखंड के धनबाद में भी अनुमति नहीं मिली है। इससे पहले विधायक ढुल्लु महतो धनबाद में बाबा को आमंत्रित करना चाहते थे, लेकिन कार्यक्रम की इजाजत नहीं दी गई। इस वजह से तारीख निर्धारित नहीं हो सकी। रांची में भी कार्यक्रम प्रस्तावित था। धुर्वा के प्रभात तारा मैदान में कार्यक्रम होना था, लेकिन उसे लेकर भी चर्चा है कि अब कार्यक्रम रद्द हो गया है। पलामू में बागेश्वर बाबा के 10 से 12 दिसंबर तक कार्यक्रम होने थे, लेकिन प्रशासनिक अनुमति ना मिलने की वजह से ही यह टलते आए। यहां कार्यक्रम को लेकर सदर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा शर्तों के साथ अनुमति दी थी, लेकिन उपायुक्त शशि रंजन ने इस अनुमति पर रोक लगा दी। इस संबंध में डीसी ने कहा, नदी किनारे होने वाले आयोजन के लिए विभाग से क्लियरेंस की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम में तीन लाख लोगों की भीड़ इकट्ठा होने का अनुमान लगाया गया है।

प्रथम महापौर एवं हनुमंत कथा समिति की संयोजक अरुणा शंकर ने बताया जिला प्रशासन ने पुनः एक बार विधि व्यवस्था नहीं संभालने का हवाला देते हुए बागेश्वर सरकार को पलामू आने की अनुमति को रद्द कर दिया है, अब कोर्ट इस मामले पर संज्ञान लेंगा। इस प्रस्तावित कार्यक्रम के आयोजन समिति की मुख्य संयोजक मेदिनीनगर नगर निगम की पूर्व मेयर अरूणा शंकर हैं।

रूस के खिलाफ यूक्रेन को समर्थन देते रहेंगे

वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम में बोले अमेरिका के एनएसए

वॉशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने कहा है कि अमेरिका आगे भी यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। जैक सुलिवन का यह बयान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के उस बयान के बाद सामने आया है, जिसमें जेलेंस्की ने कहा था कि रूस के खिलाफ लड़ाई में उन्हें अमेरिका और यूरोप के समर्थन की जरूरत होगी। मंगलवार को वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम के एक सत्र को संबोधित करते हुए जैक सुलिवन ने यह बात कही।

अमेरिकी एनएसए बोले- आगे भी मदद करते रहेंगे

जैक सुलिवन ने उम्मीद जताई कि जल्द शांति होगी। उन्होंने कहा 'हम सभी के लिए शांति और सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं अगर हम सभी मिलकर समझदारी भरे और बड़े फैसले करें। अमेरिका और हमारे सहयोगी देश आगे भी उनकी (यूक्रेन) मदद करते रहेंगे।' अमेरिका यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों को भी निशाना बना रहा है, ऐसे में पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। इस पर सुलिवन ने कहा कि 'सैन्य कार्रवाई और कूटनीति के जरिए हम तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि ऐसे हालात बनें, जिससे युद्धविराम हो और तनाव को बढ़ने से रोका जाए।'

जेलेंस्की ने अमेरिकी विदेश मंत्री से की थी मुलाऽकात

गौरतलब है कि मंगलवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम की वार्षिक बैठक से इतर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और एनएसए जैक सुलिवन से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, अमेरिकी कांग्रेस और अमेरिका के लोगों को यूक्रेन का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। जेलेंस्की ने ये भी उम्मीद जताई कि अमेरिका आगे भी रूस के खिलाफ लड़ाई में उनके देश की मदद करता रहेगा।

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन, रूस के खिलाफ लड़ाई तब भी जारी रखेगा, जब कोई भी उसका समर्थन ना करे, लेकिन यह एक बुरा अनुभव होगा। इससे ना सिर्फ यूक्रेन के लोगों को परेशानी होगी बल्कि उन्हें भी समस्या का सामना करना पड़ेगा, जो ये सोचते हैं कि यह सिर्फ यूक्रेन की लड़ाई है।

भारतीय सेना दुनिया में चौथी सबसे ताकतवर

इस्लामाबाद, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे ताकतवर सेना है। अमेरिका सैन्य क्षमता के मामले में सबसे शक्तिशाली देश है। संबंधी डेटा रखने वाली वेबसाइट ग्लोबल फायरपावर की 'सैन्य ताकत सूची-2024' में दुनिया के 145 देशों की सेनाओं की क्षमताओं का विश्लेषण कर रैंकिंग जारी की है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रूस और तीसरे पर चीन का नाम है। इस लिस्ट में 60 से ज्यादा पैमानों के आधार पर रैंकिंग की गई है। इसमें सैनिकों की संख्या, हथियार, फाइनेंस, लोकेशन और रिसोर्स जैसे फैक्टरों को ध्यान में रखा गया है। इस लिस्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के पास दुनिया की 9वीं सबसे ताकतवर सेना है। पाकिस्तान से तुलना की जाए तो हमारे पास उनसे तीन गुना ज्यादा सैनिक हैं। भारत के पास पैरा मिलिट्री फोर्स भी पाकिस्तान से ज्यादा है। भारत की पैरामिलिट्री फोर्स में 25,27,000 सैनिक हैं। वहीं पाकिस्तान में इनकी संख्या सिर्फ पांच लाख है।

पाकिस्तान ने ईरान के एम्बेसडर को निकाला

अपने राजदूत को तेहरान से बुलाया, दोनों देशों में मिलिट्री टकराव का खतरा बढ़ा

इस्लामाबाद/तेहरान, 17 जनवरी (एजेंसियां)। मंगलवार रात पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आतंकी संगठन जैश अल अदल के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान और ईरान के रिश्तों में जबरदस्त तनाव पैदा हो गया। बुधवार को पाकिस्तान ने ईरान के एम्बेसडर को देश छोड़ने का फरमान जारी कर दिया। इसके अलावा तेहरान में मौजूद अपने राजदूत को भी फौरन वापस आने को कहा। हालांकि, ईरान का कोई हाईलेवल डिप्लोमैट इस वक्त पाकिस्तान में नहीं है।

ईरान मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक- ईरान ने अपने बॉर्डर पर फौज की तैनाती अचानक बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान की फौज आतंकियों को ढाल बनाकर ईरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर सकती है। इस हमले के बाद पाकिस्तान फौज और सरकार की देश में काफी किरकिरी हो रही है।

एक्शन में पाकिस्तान

मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात बलूचिस्तान में इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी या ईरानी

सेना) ने मिसाइल और ड्रोन से आतंकी संगठन जैश अल अदल के ठिकानों पर हमले किए थे।

इसके कुछ घंटे बाद रात में ही पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर सख्त विरोध दर्ज कराया था। 'जियो न्यूज' के मुताबिक- इस घटना के बाद पाकिस्तान में जबरदस्त सियासी और फौजी कवायद देखी गई। रातभर मीटिंग्स का दौर चला। आर्मी चीफ आसिम मुनीर और केयरटेकर प्राइम मिनिस्टर अनवार उल हक काकड़ ने फोन पर बातचीत की। इसके बाद रावलपिंडी में आर्मी कमांडर्स की मीटिंग हुई। बुधवार दोपहर विदेश मंत्रालयर की प्रवक्ता मुमताज जाहरा बलोच मीडिया से मुखातिब हुईं। कहा- हमने तेहरान में मौजूद अपने राजदूत से फौरन देश लौटने को कहा है। ईरान के एम्बेसडर को देश छोड़ने के लिए कह दिया गया है। हालांकि, इस वक्त ईरान के राजदूत अपने देश में ही मौजूद हैं।

ईरान ने उकसाने वाली हरकत की है। हम इसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकते। मुमताज ने आगे कहा- ईरान ने इंटरनेशनल लॉ को भी तोड़ा है। हम इसके खिलाफ यूएन में शिकायत दर्ज करा रहे हैं। ईरान को याद रखना होगा कि पाकिस्तान के पास जवाब देने की काबिलियत और हक दोनों हैं। इसकी जिम्मेदारी ईरान सरकार की होगी। हमने ईरान के साथ चल रही हर तरह की और हर लेवल की बातचीत बंद करने का फैसला भी किया है।

'जियो टीवी' ने पाकिस्तान के एक आला अफसर के हवाले से कहा- ईरान से लगने वाले सिस्तान-बलूचिस्तान बॉर्डर पर फौज की तैनाती बढ़ाई जा रही है। किसी भी कार्रवाई को अंजाम देने का फैसला फौज और सरकार को मिलकर करना है। पाकिस्तान में अगले महीने 8 तारीख को जनरल इलेक्शन हैं। ऐसे में सरकार और फौज किसी भी तौर पर कमजोर दिखने का जोखिम नहीं ले सकती। इस अफसर ने आगे कहा- फौज पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी शान है। अब वक्त आ गया है, जब ईरान को बताया जाए कि पाकिस्तान एक एटमी ताकत है और वक्त आने पर अपने सभी कार्ड खेल सकती है।

थाईलैंड की पटाखा फैक्ट्री में धमाका

बैंकॉक, 17 जनवरी (एजेंसियां)। थाईलैंड में बुधवार को एक पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ। अब तक 20 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। पुलिस के मुताबिक- मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है, क्योंकि फैक्ट्री के कई हिस्सों में लगी आग को बुझाया नहीं जा सका है। इसके लिए सेना की मदद ली जा रही है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि यह धमाका किस वजह से हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक- फैक्ट्री में लाइट की वायरिंग काफी पुरानी थी। मुमकिन है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से ब्लास्ट हुआ हो। शुरुआती जानकारी के मुताबिक- घटना सुपहान प्रॉविन्स में हुई। यह बैंकॉक से 120 किलोमीटर दूर कोस्टल एरिया है। यहां कई पटाखा फैक्ट्रीज हैं। इनमें से ज्यादातर काफी पुरानी हैं। यह घनी आबादी वाला इलाका है और आसपास के लोग ही इन फैक्ट्रीज में काम करते हैं। बुधवार को धमाके के वक्त फैक्ट्री में काफी कर्मचारी मौजूद थे। इसलिए माना जा रहा है कि मरने वालों का आंकड़ा काफी ज्यादा हो सकता है। ज्यादातर घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। हालांकि, पुलिस ने ये नहीं बताया कि कुल कितने कर्मचारी फैक्ट्री में थे और कितने झुलसे हुए लोगों को अस्पताल भेजा गया है। प्रधानमंत्री को इस मामले की जानकारी दे दी गई है।

पुलिस चीफ थीरापोज रेवांगन ने कहा- मेरी यहां के गवर्नर से बात हुई है। उन्होंने बताया कि अब तक किसी जिंदा व्यक्ति को फैक्ट्री कैम्पस से बाहर नहीं निकाला जा सका है। आशंका है कि मरने वालों का आंकड़ा काफी ज्यादा हो सकता है। अब तक आग पूरी तरह बुझाई नहीं जा सकी है। रेवांगन के मुताबिक- अच्छी बात ये है कि आसपास घनी आबादी होने के बावजूद वहां तक आग नहीं पहुंच सकी। किसी मकान को भी नुकसान नहीं पहुंचा। ये पता लगाना जरूरी है कि ब्लास्ट किस वजह से हुआ, क्योंकि यहां इस तरह की कई दूसरी प्रोडक्शन यूनिट भी हैं। कई लोग घटना के फोटो सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं।

चीन में लगातार दूसरे साल कम हुई आबादी

2023 में 90 लाख बच्चे पैदा हुए, बर्थ रेट घटकर 5 .7% हुआ

बीजिंग, 17 जनवरी (एजेंसियां)। 2023 में चीन की आबादी लगातार दूसरी बार कम हुई है। पिछले साल चीन के नेशनल बर्थ रेट में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई। चीन में साल 2023 में 90 लाख बच्चे पैदा हुए, जबकि साल 2022 में वहां 95 लाख बच्चे पैदा हुए थे।

नेशनल ब्यूरो स्टेटिस्टिक्स के मुताबिक चीन में साल 2022 में बर्थ रेट 6.67% था, जो साल 2023 में घटकर 5.7% रह गया। इसका मतलब यह हुआ कि चीन में जहां साल 2022 में कुल हजार लोगों पर 6.67 बच्चों को जन्म होता था वो 2023 में घटकर 6.39 रह गया।

साल 2023 में 27 लाख 5 हजार लोग कम हुए

साल 2022 में चीन की आबादी 1.4118 बिलियन थी जो साल 2023 में घटकर 1.409 बिलियन रह गई। यानी एक साल में कुल 27 लाख 5 हजार लोगों कम हुए। चीन की आबादी में वहां के 31 राज्यों के लोगों को गिना जाता है। इसमें हांगकांग,

मैकाऊ और ताइवान शामिल नहीं हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक चीन में बच्चे पैदा करने में आने वाला खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है, जो कई बार लोगों को गरीबी तक में धकेल देता है। वहीं लोगों की सोच परिवार और शादी को लेकर लगातार बदल रही है, इसका असर भी वहां के बर्थ रेट पर असर डाल रहा है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने चीन में आर्थिक मंदी और कोरोना के समय लगाई गई पाबंदियों को भी इसका जिम्मेदार माना है।

ये चीन के आर्थिक विकास के लिए खतरा

एक्सपर्ट्स ने चीन को चेताया है कि लगातार घटती जन्म दर देश के आर्थिक विकास के लिए खतरा साबित हो सकती है। ऐसे में पेंशन भोगियों और दूसरे फायदों के साथ रिटायर्ड लोगों का अनुपात बढ़ने से देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा।

वि स्कॉन्सिन - मेडिसन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर यी फुक्सियन ने कहा- चीन एक जनसांख्यिकीय संकट का सामना कर रहा है, जो चीनी अधिकारियों और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की कल्पना से परे है।

2016 से कम हो रही चीन की आबादी

चीन में जनसंख्या दर 2016 से ही कम हो रही है। तभी से चीन ने बच्चों की तादाद बढ़ाने के लिए लोकल लेवल पर काम करना शुरू कर दिया था। इसके लिए लोगों को पैसे भी दिए गए। सोशल सिक्योरिटी बेनेफिट्स के अलावा उन्हें हाउसिंग और एजुकेशन डिस्काउंट की भी घोषणा की गई थी। साल 2021 के आते-आते चीन ने अपनी वन चाइल्ड पॉलिसी को भी हटा दिया। जिससे लोगों को केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी। चीन ने ऐलान किया था कि लोग अब 3 बच्चे पैदा कर सकते हैं। हालांकि उसका कुछ ज्यादा फायदा नहीं हुआ।

न्यूजीलैंड की पहली 'शरणार्थी' सांसद पर लगे दुकान से चोरी के आरोप, सौंपा इस्तीफा

ऑकलैंड, 17 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है। यहां एक सांसद पर दुकानों से चोरी करने के आरोप लगे हैं। इस मामले के सामने आने के बाद सांसद गोलरिज घारमन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि गोलरिज न्यूजीलैंड की पहली सांसद हैं, जो कि शरणार्थी रही हैं। उन्हें 2017 में देश की पहली शरणार्थी सांसद के तौर पर शपथ दिलाई गई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोलरिज पर आरोप हैं कि उन्होंने दो कपड़े के स्टोर्स से चोरी की। इस खुलासे के बाद सांसद ने सफाई दी थी कि उन्होंने इन चोरियों को तनाव और मानसिक स्वास्थ्य में समस्याओं के कारण अंजाम दिया। 43 वर्ष की गोलरिज इससे पहले संयुक्त राष्ट्र में मानवाधिकार मामलों की वकील रही हैं। वे मूलतः ईरान से हैं। मामले पर गोलरिज ने कहा, मैं माफी चाहती हूं। मेरे मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर यही होगा कि मैं सांसद पद से इस्तीफा दे दूं। उन्होंने अपने बयान में चोरी से जुड़ी किसी घटना का जिक्र नहीं किया, हालांकि उन्होंने यह कहा कि वे अपने बर्ताव पर कोई सफाई नहीं देना चाहतीं, क्योंकि यह तार्किक नहीं होगा। ग्रीन पार्टी के नेता जेम्श शॉ ने गोलरिज का बचाव करते हुए कहा कि सांसद बनने के बाद से ही उन्हें यौन हिंसा, शारीरिक हिंसा के साथ-साथ मौत की धमकियां भी मिल चुकी हैं और पुलिस इन मामलों की जांच कर रही है। इसके चलते बाकी सांसदों के मुकाबले उन्हें ज्यादा तनाव से गुजरना पड़ा। ग्रीन पार्टी ने कहा कि गोलरिज हमेशा से शरणार्थियों के अधिकारों के लिए लड़ती रही हैं। 2020 में उन्होंने खुद बताया था कि वे कई मानसिक समस्याओं से जूझ रही हैं।

एयरफोर्स पायलट मेडिसन मार्शा मिस अमेरिका बनीं

कहा- ये फाइटर जेट उड़ाने से मुश्किल काम था, वायुसेना ने कहा- हमें फख्र है

वॉशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी इतिहास में पहली बार कोई एक्टिव एयरफोर्स पायलट मिस अमेरिका बनी है। 22 साल की मेडिसन मार्श ने यह ब्यूटी पीजेंट जीत लिया है और वो मिस वर्ल्ड 2024 में अमेरिका को रिप्रेजेंट करेंगी।

जीत के बाद फॉक्स न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में मार्श ने कहा- सबसे ज्यादा खुशी की बात ये है कि यह खिताब जीतने वाली मैं पहली एक्टिव एयरफोर्स पायलट हूं। सच पूछिए तो मेरे लिए यह काम एफ-16 फाइटर जेट उड़ाने से भी मुश्किल था।

वायुसेना भी बधाई दी

मेडिसन की जीत के बाद अमेरिकी एयरफोर्स ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर न सिर्फ मार्श के दो फोटो शेयर किए, बल्कि इतिहास रचने के लिए उन्हें बधाई भी दी। कहा- हमारी एक्टिव पायलट मार्श को बधाई। हमें उन पर फख्र है।

बाद में मार्श ने कहा- मुझे लगता है कि हम कुछ भी हासिल

कर सकते हैं। अगर हमें कोई रोकने की ताकत रखता है तो वो हम खुद हैं। वरना कोई इस काबिल नहीं होगा कि वो आपका रास्ता रोक सके। मैं एक छोटे शहर की रहने वाली हैं और इससे पहले इस तरह के किसी इवेंट में हिस्सा भी नहीं लिया था। मैंने हाल ही में एयरफोर्स एकेडमी से ग्रेजुएशन किया है। एक सवाल पर इस ब्यूजी पीजेंट विनर ने कहा- मुझे एफ 16 जैसा एडवांस्ड फाइटर जेट उड़ाना आता है। इसके कॉकपिट में बैठने की आदत थी। लिहाजा, रैम्प मेरे लिए आसान नहीं था। मैं बस ये कहना चाहती हूं कि मैंने एक मिसाल कायम की है। हम महिलाएं जंग के मोर्चे से लेकर कैटवॉक तक, यानी हर फील्ड में कामयाबी हासिल कर सकती हैं।

फॉक्स न्यूज के तीन एंकर्स को दिए इंटरव्यू में मार्श ने कहा- शुरुआत में 51 कंटेस्टेंट्स थीं। यह अमेरिका के 50 राज्यों और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया से थीं। सेमी फाइनल में 11 ने जगह बनाई। इसके लिए चार राउंड हुए और कोई भी आसान नहीं था। आखिरकार रविवार रात (भारत में सोमवार) को जब मुझे विनर डिक्लेयर किया गया तो एक बार तो भरोसा ही नहीं हुआ। पहली बार मैं किसी मीडिया हाउस से बात कर रही हूं। अमेरिका में कई लोग मार्श से मुश्किल सवाल पूछ रहे हैं। मसलन- क्या वो मिस वर्ल्ड 2024 में अमेरिका को रिप्रेजेंट कर पाएंगी? क्या उनका ऑर्गनाइजेशन यानी एयरफोर्स उन्हें एक्टिव पायलट होते हुए भी इसकी इजाजत देगा? क्या वो ब्यूटी क्वीन बनने के बाद एयरफोर्स को अलविदा कह देंगी?

इस बारे में मार्श ने कहा- अनगिनत सवाल हैं और इनका एक ही जवाब है। मेरे लिए देश और एयरफोर्स सबसे पहले है। उसने ही मुझे इस कांटेस्ट में हिस्सा लेने की मंजूरी दी थी।

मार्श कहती हैं- फैमिली में सभी लोग कहा करते थे कि मैं बहुत टैलेंटेड हूं। पीजेंट के दौरान मुझे एक प्रेजेंटेशन देने को कहा गया था। इसमें मुझे बहुत कम वक्त में बताना था कि कैसे चंद मिनिट में फाइटर जेट्स को हमला करने के लिए जाना होता है।

तीन महीने में कनाडा जाने वाले भारतीय छात्र 86% घटे

सिर्फ 14 हजार बच्चे पढ़ने गए, कनाडाई मंत्री बोले- निज्जर केस इसकी वजह

ओटावा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा जा कर पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में 86% तक की कमी आई है। पिछले साल जून में हुई खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव है। यही छात्रों की घटती संख्या की वजह भी है। कनाडा के इमिग्रेशन मिनिस्टर ने यह जानकारी दी है। पिछले साल जुलाई से सितंबर के बीच 1 लाख 8 हजार से ज्यादा भारतीय बच्चों को स्टडी परमिट दिया गया। वहीं, अक्टूबर से दिसंबर के बीच सिर्फ 14,910 भारतीय बच्चों ने स्टडी परमिट के लिए आवेदन किया। इस तरह छात्रों की संख्या में 86 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। कनाडा के इमिग्रेशन मिनिस्टर मार्क मिलर ने कहा- कनाडा की तरफ से भारतीय छात्रों को जारी किए जाने वाले स्टडी परमिटों की संख्या में तेजी से गिरावट आई।

आठ फरवरी को देश को हैरान कर देगी पीटीआई

आम चुनाव से पहले जेल में बंद पूर्व पीएम ने दिया बड़ा संकेत

लाहौर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अगले महीने आम चुनाव होने हैं। इससे पहले पूर्व पीएम इमरान खान ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी आठ फरवरी को होने वाले चुनावों में अपने प्लान 'सी' से आश्चर्यचकित कर देगी। उन्होंने कहा कि हम प्लान ए' और प्लान बी' की विफलता के बाद तैयार हैं। हालांकि 'प्लान सी' से उनका क्या तात्पर्य था, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। गौरतलब है कि इमरान कई मामलों में अदियाला जेल में बंद हैं।

इसलिए बनाई वैकल्पिक रणनीति

पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि उन्होंने ये दावा जेल में पत्रकारों से बात करते हुए किया। उन्होंने अपनी रणनीति बताते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व को पता था कि उनके खिलाफ साजिश करने वाले विरोधी उनकी योजनाओं को बर्बाद कर देंगे। इसलिए पीटीआई ने वैकल्पिक रणनीतियों पर काम किया है। खान ने दावा किया कि पीटीआई सरकार के खिलाफ एक साजिश रची गई थी। इतना ही नहीं, साजिश के तहत पार्टी के लगभग 10,000 कार्यकर्ताओं को सलाखों के पीछे डाल दिया गया था और उनकी पार्टी को खत्म करने के प्रयास भी पूरे जोरों पर थे।

मुकदमे का सीधा प्रसारण करने की भी मांग

इस दौरान उन्होंने अपने जेल मुकदमे का सीधा प्रसारण करने की भी मांग की। इमरान ने कहा कि देश को यह समझने की जरूरत है कि अदालत में क्या हो रहा है। इस दौरान इमरान खान ने सिफर मुद्दे के पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने उन्हें सिफर मुद्दे पर चुप रहने के लिए दो-तिहाई बहुमत की पेशकश की थी। साथ ही इस मुद्दे को

सार्वजनिक रूप से उजागर करने की कोशिश करने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी।

9 मई की हिंसा को लेकर पार्टी को बनाया जा रहा निशाना

इमरान खान ने आगे दावा किया कि उनकी पार्टी को 9 मई की हिंसा को लेकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना के कोर कमांडर हाउस और जीएचक्यू को निशाना बनाकर किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शन लंदन समझौते का एक हिस्सा थे। खान ने इस बात से इनकार किया कि इस गड़बड़ी के पीछे पीटीआई का हाथ नहीं है।

इस्लामिक जिहाद का कमांडर गिरफ्तार

पूछताछ में ईरान में ट्रेनिंग की बात कबूली, लेबनान में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर आईडीएफ के हमले

तेल अवीव, 17 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइल डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) को एक बहुत बड़ी कामयाबी मिली है। गाजा में इस्लामिक जिहाद के एक बड़े कमांडर को आईडीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है और उसने पूछताछ में कुछ बड़े खुलासे किए हैं। आईडीएफ ने इस कमांडर का फोटो भी जारी किया है।

दूसरी तरफ, गाजा के बाद अब लेबनान में इजराइली हमले तेज हो गए हैं। लेबनान के कई शहरों पर आतंकी संगठन हिजबुल्लाह की लोकेशन्स पर आईडीएफ ने हमले किए हैं। इससे हुए नुकसान के बारे में अभी जानकारी नहीं दी गई है। आईडीएफ ने मंगलवार को लेबनान में कई लोकेशन्स पर हमले किए। यह जानकारी टाइम्स ऑफ इजराइल ने दी है, लेकिन इन हमलों से हुए नुकसान के बारे में अब तक कुछ नहीं कहा गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक- हिजबुल्लाह की कुल 16 लोकेशन्स पर एयरस्ट्राइक की गई हैं। इनमें उसके कई मेंबर्स मारे गए हैं। इससे भी बड़ी बात यह कही गई है कि ईरान से आया हथियारों का एक पूरा जखीरा उड़ा दिया गया है। माना जा रहा है कि इसमें रॉकेट लॉन्चर्स, ग्रेनेड और छोटी मिसाइलें भी थीं। ये भी कहा गया है कि ये हथियार गाजा में हमास को पहुंचाए जाने थे, लेकिन इजराइल और अमेरिका की इंटेलिजेंस एजेंसियों को इस बारे में पहले ही जानकारी मिल गई थी। आईडीएफ ने गाजा से इस्लामिक जिहाद के एक कमांडर को गिरफ्तार किया है। इस कमांडर का 7 अक्टूबर के हमलों में अहम रोल था और यह खुद भी इनमें शामिल था। माना जा रहा है कि इस कमांडर से बंधकों के बारे में जानकारी मिल सकती है।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को झटका

मौत की सजा माफ करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलटा

कोलंबो, 17 जनवरी (एजेंसियां)। हत्या के दोषी को माफी देने का पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के फैसले को श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया है। 1978 में राष्ट्रपति शासन व्यवस्था लागू होने के बाद शीर्ष अदालत का फैसला इस तरह का पहला मामला था। गौरतलब है कि वर्ष 2021 के दौरान गोटबाया राजपक्षे ने हत्या मामले अपने करीबी राजनीतिक सहयोगी डुमिंडा सिल्वा की सजा माफ कर दी थी। 2011 में दोषी डुमिंडा सिल्वा को राजनीतिक प्रतिद्वंदी प्रेचंद्र की हत्या मामले में मौत की

सजा सुनाई थी। महिंदा राजपक्षे के राष्ट्रपति रहने के दौरान दोषी डुमिंडा सिल्वा और प्रेमचंद्र कोलंबो के उपनगर कोलोनावा में चुनावी जंग लड़ रहे थे। इस दौरान सिल्वा ने प्रेमचंद्र की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिन्हें कोर्ट ने दोषी पाया था। 2019 के बाद महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद गोयबाया श्रीलंका के राष्ट्रपति बने थे। अपने कार्यकाल के दौरान गोटबाया ने दोषी की मौत की सजा को माफ कर दिया था।

सजा माफी के खिलाफ मृतक प्रेमचंद्र के परिवार ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया। बुधवार को तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि गोटबाया राजपक्षे ने सजा माफ करने के पीछे के कारणों को नहीं बताया। वे प्रक्रिया के तहत कार्य करने में विफल रहे। गौरतलब है कि श्रीलंका के संविधान के मुताबिक, अनुच्छेद 34 के तहत श्रीलंका के राष्ट्रपति को एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत सजा माफ करने का अधिकार है।

बता दें दोषी डुमिंडा सिल्वा को हाईकोर्ट ने मामले का दोषी पाया था, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इसे सही ठहराया था। गौतलब है कि सिल्वा की सजा माफी के बाद गोटबाया राजपक्षे ने राज्य आवास प्राधिकरण का उसे प्रमुख नियुक्त किया था।

न पायलट, न गहलोत, भंवर मार ले गए बाजी

जूली बोले- ये पर्ची सरकार है, पहले से ही घिरी पड़ी है

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। विधानसभा सत्र में सरकार को घेरने के मुद्दों को लेकर जूली बोले- 'पूर्ववर्ती सरकार की योजनाओं के नाम बदलने की बात हो या फिर योजनाएं बंद करने की बात हो, ये सब मुद्दे सदन में उठाए जाएंगे। इसके साथ ही महिला, युवा और वंचित वर्ग के मुद्दे भी सदन में उठाएंगे।' उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश की भजनलाल सरकार पर्ची की सरकार है और पहले से ही घिरी पड़ी है। उन्होंने कहा, ईडी को हथियार बनाकर कांग्रेस नेताओं को डराने का काम किया जा रहा है।

भंवर ने मारी बाजी

कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष बनाए गए टीकाराम जूली अनुसूचित जाति वर्ग से आते हैं और पिछली सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थे। टीकाराम जूली को कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह का नजदीकी माना जाता है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष पद के लिए अशोक गहलोत और सचिन पायलट गुट के बीच चल रही खींचतान के चलते पार्टी ने एक तीसरा विकल्प चुना और भंवर जितेंद्र सिंह के नजदीकी माने जाने वाले टीकाराम जूली को इस पद पर नियुक्त कर दिया।

इस पद के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से आदिवासी नेता महेंद्रजीत सिंह मालवीय का नाम आगे बढ़ाया गया था जबकि सचिन पायलट गुट पूर्व मंत्री और पंजाब कांग्रेस के प्रभारी रह चुके हरीश चौधरी को इस पद पर देखना चाह रहा था। हालांकि खुद सचिन पायलट भी इस पद के दावेदार थे लेकिन पार्टी ने उन्हें छत्तीसगढ़ का प्रभारी बना दिया है ऐसे में वे इस पद की दौड़ से बाहर हो गए थे। दोनों गुटों के बीच अपने-अपने नेताओं के नाम को लेकर लॉबिंग चल रही थी, ऐसे में पार्टी ने एक तीसरा नाम चुन लिया।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने जनता से की अपील

राजस्थान की नई सरकार को लेकर भी बोली ये बात

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान विधानसभा का नेता प्रतिपक्ष नियुक्ति की घोषणा की। अलवर ग्राणीण क्षेत्र से विधायक टीका राम जूली को पार्टी ने यह जिम्मेदारी सौंपी है। जबकि प्रदेशध्यक्ष को लेकर पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव तक गोविंद सिंह डोटासरा पर ही भरोसा जताया है। नेता प्रतिपक्ष पद के लिए टीकाराम जूली के नाम की घोषणा के बाद उनके समर्थकों एवं परिजनों में उत्साह है।

कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने टीकाराम को इसके लिए शुभकामानाएं भेजी है। वहीं बुधवार (17 जनवरी) को पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भी इस नियुक्ति पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने इस पद के लिए टीकाराम जूली का स्वागत किया और शुभकामानाएं दी, साथ ही उन्होंने कहा कि उम्मीद करता हूं की वह इसकी भूमिका शानदार तरीके से निभाएंगे।

कुछ ही समय में आपराधिक घटनाएं बढ़ी

पूर्व सीएम ने आगे मौजूदा बीजेपी सरकार को लेकर भी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने कहा कि राज्य में नई सरकार के गठन के एक महीने के भीतर ही यह कहा जाने लगा है कि मौजूदा सरकार अच्छी नहीं है। साथ ही पूर्व सीएम ने कहा कि जिस तरह से मंत्रिमंडल गठन और पोर्टफोलियो आवंटन में देरी हुई उससे राजस्थान की जनता का नुकसान हुआ... कुछ ही समय में राज्य में बलात्कार, हत्या, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की कई घटनाएं हुई हैं।

पूर्व सीएम ने कणकपूर उपचुनाव का जिक्र कर कहा कि बीजेपी सरकार ने जीतने के लिए जिस तरह से रातों- रात अपने उम्मीदवार को मंत्री बनाया, वह कहीं से भी उचित नहीं था, हालांकि इसके बावजूद मूंह की खानी पड़ी। गहलोत ने कहा, अयोध्या मंदिर के उद्घाटन का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि उद्घाटन को लेकर जो माहौल बनाया जा रहा है और उस पर उनके (बीजेपी) द्वारा की जा रही राजनीति अच्छी नहीं है...

गहलोत की जनता से अपील

अंत में उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों हमें विपक्ष की भूमिका दी है, हम इसका निर्वहन करेंगे। उन्होंने राजस्थान वासियों से अपील करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार द्वारा कोई भी तकलीफ हो, जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित रखा जाए, तो उनके दरवाजे हमेशा प्रदेशवासियों के लिए खुले हैं।

फिर हुआ आरक्षण आंदोलन का आगाज

जाट समाज ने डाला महापड़ाव, बोले-आर-पार की होगी लड़ाई

भरतपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर से आरक्षण की आग धधकने के आसार बनने लग गए हैं. केन्द्र में आरक्षण की मांग को लेकर जाट समाज ने आज दिल्ली-मुंबई ट्रैक के किनारे महापड़ाव डाल दिया है. यह महापड़ाव भरतपुर के उच्चैन इलाके के जयचौली गांव में डाला गया है. यहां समाज के लोगों का जुटना शुरू हो गया. 11 बजे महापड़ाव का आगाज कर दिया गया है. आरक्षण आंदोलन को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है. केन्द्र में ओबीसी वर्ग में शामिल करने की मांग है.

महापड़ाव के दौरान रेलवे ट्रैक जाम करने की आशंका को लेकर अधिकारियों ने यहां का निरीक्षण किया था. यहां स्थानीय पुलिस

प्रशासन और रेलवे प्रशासन की ओर से चाक चौबंद व्यवस्थाएं की गई हैं. मौके पर करीब ढाई सौ पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं. आरएसी की एक बटालियन को भी तैनातगी की गई है. जाट आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने कहा है कि अभी शांतिपूर्वक महापड़ाव डाला जा रहा है. अगर उनकी सुनवाई नहीं हुई तो फिर आगे समाज फैसला लेगा कि क्या करना है?

इससे पहले बीते सात जनवरी को डीग इलाके के जनूथर गांव में समाज की महापंचायत हुई थी. उसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह भी शामिल हुए थे. उस समय समाज ने सरकार को दस दिन का समय देते हुए 17 जनवरी से महापड़ाव की चेतावनी दी थी. उसके बाद पांच दिन पहले 12 जनवरी को प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया था. महापड़ाव की तारीख को देखते हुए संघर्ष समिति की जिला प्रशासन से वार्ता भी हुई थी. लेकिन वह बेनतीजा रही.

घर-घर जाकर पीले चावल बांटे गए हैं

उसके बाद आज से जाट समाज ने यहां महापड़ाव डाल दिया है. जाट समाज ने केन्द्र में आरक्षण की मांग को लेकर इससे पहले वर्ष 2015 और 2017 में आंदोलन किया था लेकिन वह सिरे नहीं चढ़ पाया था. अबकी बार इस आंदोलन को अंजाम तक पहुंचाने के लिए संघर्ष समिति ने घर-घर जाकर पीले चावल बांटे हैं और बड़ी संख्या में महापड़ाव में आने का न्यौता दिया गया है.

मौसम विभाग की चेतावनी

अगले दो दिनों तक पश्चिमी राजस्थान में रहेगी शीतलहर

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में जहां सर्दी से राहत मिलती दिख रही है, वहीं पश्चिमी राजस्थान में शीतलहर का प्रकोप जारी है। बीते करीब एक सप्ताह से सीकर, चूरू, झुंझुनू, हनुमानगढ़ और गंगानगर में शीतलहर जारी है। शीतलहर के साथ यहां घना कोहरा भी है, जिसके चलते लोगों का सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है। पूर्वी राजस्थान के करौली और धौलपुर में भी यही स्थिति बनी हुई है।

प्रदेश में न्यूनतम तापमान की बात करें तो करौली में 2.9, सीकर में 2.9, हनुमानगढ़ में 3, गंगानगर में 4.3, चूरू में 5.4 डिग्री सेल्यिस दर्ज किया गया है। एनसीआर से जुड़े अलवर में भी सर्दी का दौर जारी है। यहां न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री बना हुआ है। राजधानी जयपुर में सर्दी से अब कुछ राहत मिलती नजर आ रही है। दिन का अधिकतम तापमान बढ़ रहा है और न्यूनतम तापमान की गिरावट में भी कमी आ रही है।

विधायकों की क्लास में संसद तिवाड़ी ने ली चुटकी

कहा- पर्ची बड़ी खतरनाक, अच्छे-अच्छों के होश उड़ा देती है

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने विधायकों प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिजायर सिस्टम को विधानसभा की अवमानना बताया। लेकिन, इस सिस्टम के बारे में उन्होंने कुछ इस अंदाज में चुटकी ली कि सदन में ठहाके गूंज गए। उन्होंने कहा कि डिजायर सिस्टम विधानसभा की अवमानना है। मैंने अपने 40 साल के करियर में कभी भी ऐसा काम नहीं किया। जब मैं मंत्री रहा तब भी किसी ट्रांसफर के लिए कभी गवर्नमेंट ऑर्डर नहीं निकाला।

इसलिए, मैं कहना चाहता हूं कि आप इसके बिना भी काम कर सकते हैं। इस पर सदन में बैठे विधायकों ने उनसे पूछा तो फिर कैसे किया जाए। इस पर तिवाड़ी तपाक से बोले पर्ची से... यह पर्ची बहुत ही खतरनाक चीज है, जब यह निकलती है तो अच्छे अच्छों के होश उड़ा देती है।

दरअसल, तिवाड़ी का इशारा भाजपा विधायक दल की उस बैठक के लिए था जिसमें पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री के नाम के ऐलान के लिए पर्ची दी गई थी। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हुआ था। पर्ची सिस्टम का जिक्र करने के बाद उन्होंने कहा कि अब मुझे जाना होगा। क्योंकि, मुझे फिर से पर्ची आ गई है। यह पर्ची बहुत ही खतरनाक चीज है।

हेल्थ मिनिस्टर की सख्ती के बाद भी समय पर नहीं आ रहे डॉक्टर, शुरू हुआ एक्शन

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में नवगठित बीजेपी सरकार में हेल्थ मिनिस्टर फुल एक्शन में हैं. उन्होंने राज्य के सभी अस्पतालों को सुचारू तरीके से चलाने का आदेश क्या दिया, लेट लतीफ आने वाले डॉक्टरों के खिलाफ एक्शन शुरू हो गया है. इसकी शुरुआत नागौर जिले से हुई है. यहां आधा दर्जन से अधिक डॉक्टर का अपसेंट लगाते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है. इसी प्रकार खींवसर अस्पताल में भी डॉक्टरों को नोटिस दिया गया है. यह सभी डॉक्टर 15 जनवरी की सुबह हुई चेकिंग में गैरहाजिर पाए गए थे. बता दें कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने पद ग्रहण करने के साथ ही राज्य के सभी डॉक्टरों को हिदायत दी थी. उन्हें सेवा भाव से काम करने और राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु करने को कहा था. साथ ही उन्होंने राजाज्ञा का उल्लंघन करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी. बावजूद इसके राज्य के कई अस्पतालों में डॉक्टर मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं.

इसी क्रम में नागौर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने करीब आधा दर्जन डॉक्टरों को नोटिस जारी किया है. सीएमएचओ डॉ. महेश वर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री खुद राज्य के सभी अस्पतालों की निगरानी कर रहे हैं. बावजूद इसके कई डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ ड्यूटी में लापरवाही बरतने से बाज नहीं आ रहे. उन्होंने बताया कि ऐसे डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टॉफ को चिन्हित कर उन्हें नोटिस थमा दिया गया है. सभी से स्पष्टीकरण मांगा गया है.

उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई नागौर जिले के राजकीय चिकित्सालय जायल में नियुक्त डॉ. दातारसिंह, डॉ. किशनाराम, डॉ. रमेश कुमार सोनी तथा नेत्र सहायक हरिशंकर गर्वा के खिलाफ हुई है. इसी प्रकार पंडित जेएलएन अस्पताल में भी कुछ डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ 15 जनवरी को देरी से पहुंचे थे. उनके खिलाफ अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी से जांच कर एवं आवश्यक कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी गई है. जबकि खींवसर ब्लॉक के दांतीणा चिकित्सा केन्द्र पर 15 जनवरी को ताला लगा होने तथा राजकीय पीएचसी तांतवास में मरीजों को ईलाज नहीं मिलने के मामे में भी बीसीएमएचओ को तीन दिन में रिपोर्ट देने को कहा गया है.

भ्रष्टाचारी पाताल में छिपे होंगे तो भी कार्रवाई करेंगे : केंद्रीय मंत्री शेखावत

जोधपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो भी भ्रष्टाचार में लिप्त होगा, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। मोदी सरकार की भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति है। शेखावत ने कहा कि जिसने गलत नहीं किया है, उसको डरने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन, जिन लोगों ने गलत किया है, जिन्होंने भ्रष्टाचार किया है, वो पाताल में भी छिपे होंगे तो उनको निकालकर कार्रवाई की जाएगी।

शेखावत जोधपुर में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। इस दौरान शेखावत ने कहा- शहर के सभी नए-पुराने भाजपा परिवार के सदस्यों का स्नेह मिलन बुधवार शाम केशव परिषद में आयोजित किया जाएगा। भाजपा की प्रचंड विजय में कार्यकर्ताओं का किया गया परिश्रम और भागीरथी पुरुषार्थ ही उसका आधार बना है। कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव के बाद सामूहिक पारिवारिक मिलन और भगवान श्रीराम का वापस अपने घर में प्रवेश करने को लेकर शहर में जो तैयारी की जानी हैं। उसे लेकर सामूहिक रूप से बातचीत करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

शेखावत ने कहा कि 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की जोधपुर में जो तैयारी करनी है, उसके विषय में कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा करेंगे। कल बुधवार को राम मंदिर के निर्माण के लिए अपना बलिदान देने वाले जोधपुर के सपूत प्रोफेसर महेंद्र नाथ अरोड़ा के सर्किल के ऊपर स्वच्छता के कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। सुबह 8.30 बजे सभी कार्यकर्ता वहां उपस्थित होंगे। हम सब उस परिसर में स्वच्छताकर श्रद्धांजलि के सुमन अर्पित करेंगे। शेखावत ने सबको जोधपुर अध्यक्ष देवेंद्र सालेचा की तरफ से निमंत्रित भी किया।

कोटा में अतिक्रमण तोड़ने के विरोध में हाइवे पर लगाया जाम

पुलिस ने लाठियां भांजकर भीड़ को किया तितर-बितर

कोटा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अनन्तपुरा थाना क्षेत्र में अनन्तपुरा चौराहा से आगे पेट्रोल पम्प के पास झालावाड़ रोड पर बुधवार सुबह लोगों ने जाम लगा दिया। जाम लगाने से हाइवे पर दोनों तरफ वाहनों की लम्बी कतार लग गई। सूचना पर पुलिस के अधिकारी मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और लोगों से जाम हटाने के लिए काफी समझाइश की। लोग नहीं माने तो पुलिस ने लाठियां भांजकर भीड़ तो तितर-भितर कर जाम खुलवाया। पुलिस की समझाइश के बाद भी लोगों ने जाम नहीं खोला तो पुलिस उपाधीक्षक हर्षराज सिंह खरेड़ा के नेतृत्व में पुलिस जाप्ते ने लाठियां फटकारकर जाम लगा रही लोगों की भीड़ को तितर भितर कर जाम खुलवाया। इस दौरान विभिन्न थानों के थानाधिकारी व बड़ी संख्या में पुलिस जाप्ता मौजूद रहा। क्रेशर बस्ती व बरड़ा बस्ती के लोग रैली के रूप में झालावाड़ रोड पर अनन्तपुरा के आगे जाम लगा दिया। लोगों का कहना था की हमने यह जगह पूर्व भाजपा नेता से ही दो से ढाई लाख रुपए में खरीदी थी। जब नेता कॉलोनियों के नाम पर जमीन गरीब लोगों को बेच रहे थे तब प्रशासन को अतिक्रमण दिखाई नहीं दिया। नेताओं की जेब भरने के बाद अब गरीबों घरों को तोड़ा जा रहा है। जोधराज ने बताया कि उन नेताओं को भी गिरफ्तार करों, जिन्होंने भोली-भाली जनता को मूर्ख बनाकर करोड़ों रुपए अपनी जेबों में रख लिए।

कीमती सामान के साथ आधार कार्ड भी चुराती थी गैंग

तीसरी पास सरगना ने जेल में गैंग बनाई, बेरोजगारों को लालच दिया, वारदात के लिए खरीदी कार

जोधपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। जल्द से जल्द बड़ा आदमी बनने की चाहत में तीसरी कक्षा पास युवक ने 2013 में चोरी की। जेल में जाने के बाद गैंग बना ली। जेल से जमानत पर आने के बाद गैंग में और लोगों को शामिल किया और वारदात को अंजाम देने लगा। इसके लिए बेरोजगार लड़कों को चुना गया। 32 साल के आरोपी के खिलाफ जोधपुर में 16 मामले दर्ज हैं।

इसी गैंग ने कुछ दिनों पहले जोधपुर के भावी गांव में एक ही रात में 10 मकानों में चोरी की वारदात की थी। जब ये पकड़े गए तो बताया- चोरी करने के बाद आरोपी पार्टी करने के लिए महंगे होटलों और क्लबों में जाते।

पैसे खत्म हो जाने के बाद फिर चोरी की साजिश रचकर वारदात को अंजाम देते थे। यह पहली गैंग है जो चोरी के दौरान आधार कार्ड जरूर ले जाती थी। फिर आधार कार्ड से सिम खरीदकर बात करते थे, जिससे की पुलिस की पकड़ से बच सकें।

एक ही रात में 10 मकानों में की थी चोरी

जोधपुर ग्रामीण की बिलाड़ा थाना पुलिस ने भावी गांव में रात के समय एक साथ दस मकानों में चोरी की वारदात करने वाली गैंग का खुलासा करते हुए गैंग के दो आरोपियों बीरमाराम और भगाराम को गिरफ्तार किया। बीरमाराम गैंग का सरगना है। जिसने जेल में रहने के दौरान ही भगाराम से दोस्ती की।अपनी गैंग में चार अन्य लोगों को भी मिलाया और मारवाड़ के उन इलाकों को निशाना बनाया जहां घरों में रहने वाले लोग काम धंधे के सिलसिले में बाहर रहते थे। पुलिस पूछताछ में इसका खुलासा हुआ है। गैंग का मुख्य सरगना बीरमाराम पुत्र राणाराम निवासी कानासर है। बीरमाराम कक्षा 3 तक पढ़ा हुआ है। कम उम्र में अमीरों की जिंदगी जीने की चाहत में 32 साल की उम्र में उसके खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी, एनडीपीएस एक्ट सहित 16 मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ 27 सितम्बर 2013 में पहली बार चोरी का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में उसे जेल जाना पड़ा था। जेल में ही उसकी मुलाकात भगाराम पुत्र कानाराम जाट निवासी चितरोली पुलिस थाना शिव से हुई। यहां पर हुई दोस्ती के बाद दोनों ने जेल से बाहर आकर 2016 में गैंग बनाई। दोनों की पारिवारिक स्थिति अच्छी नहीं थी। इसलिए फिल्मों देखकर ऐशो आराम की जिंदगी जीना चाहते थे। इसके लिए शुरुआत छोटी मोटी चोरियों से की। यहां पर मिले पैसों को अपनी शौक मौज में खर्च कर देते। धीरे-धीरे दोनों का लालच बढ़ता गया और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रचने। इसके लिए गैंग में और लोगों की जरूरत पड़ी।

बीरमाराम का सहयोगी भगाराम ने अपने ससुराल में टैक्सी चलाने वाले

देवाराम पुत्र भारूराम मेघवाल निवासी भाड़खा को शामिल किया। बाद में गैंग में औंकारसिंह पुत्र तनय सिंह निवासी कोटड़िया जिला जैसलमेर, मूलसिंह पुत्र सांगसिंह निवासी खेलाणा जिला जैसलमेर को भी शामिल कर लिया। ये सभी बेरोजगार थे। सभी नाइट क्लबों में पार्टियों के शौकीन थे। इसके लिए पैसे कमाने की चाह के साथ सभी गैंग में शामिल हो गए। इसके बाद सोजत, पाली, जैतारण, बाड़मेर, जैसलमेर, बिलाड़ा, कापरड़ा, शेरगढ़, बोरानाडा, फलसूंड आदि क्षेत्रों में चोरियां की। आरोपी महंगे होटलों, क्लबों में मौज और अय्याशी करने के शौकीन थे। वारदात के बाद सभी इसी कार से घूमने के लिए निकल जाते थे। चोरी के पैसों को होटलों में खर्च कर अगली वारदात को अंजाम देने की साजिश में जुट जाते थे। बता दें कि 7 जनवरी की रात एक से दो बजे के करीब गैंग के चोरों ने एक साथ दस मकानों में चोरी की वारदात को अंजाम देकर हजारों रुपए की नकदी व सोने चांदी के आभूषण चुरा लिए थे। इसको लेकर प्रार्थी किशन पुत्र हिम्मताराम जाट, भागीरथ पुत्र भंवरलाल, चिमनाराम पुत्र पोकरराम, लक्ष्मणराम पुत्र आईदानराम लखारा निवासी भावी ने थाने में रिपोर्ट दी। जिस पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की थी।

गांव में पोल खुलने के डर से आरोपी एक स्विफट कार में बैठकर फरार होने लगे। इस पर ग्रामीणों ने गाड़ी के नम्बर नोट कर लिए। वहीं पुलिस को भी सूचना दी। देर रात पुलिस मौके पर पहुंची और चोरी वाले घरों का मौका मुआयना कर आरोपियों का सुराग जुटाना शुरू किया।

आरोपियों ने वारदात के लिए कुछ साल पहले जोधपुर के एक कार बाजार से सेकेंड हैंड कार भी खरीदी थी। इसी कार में बैठकर अपनी गैंग के साथ उन घरों की रैकी करते थे जो लोग काम धंधे के सिलसिले में मकानों से बाहर रहते थे। इसका पता करने के लिए ढाबों, चाय की थड़ियों में बैठे रहते थे। गांव के उन लोगों के बारे में जानकारी जुटाते थे जो अधिक पैसे वाले हैं। इसका पता चलने के बाद आरोपी पूरे प्लान के साथ वारदात को अंजाम देते थे।

आधार कार्ड करते थे चोरी

आरोपी वारदात के बाद घरों से आधार कार्ड और फोटो भी चुरा लेते थे। इसके बाद इन्हीं आधार कार्ड से फर्जी सिम उठाते थे। इसी सिम का उपयोग गैंग के अन्य सदस्यों से बात के लिए करते थे। जिससे की इनकी खुद की पहचान सामने नहीं आए। आरोपियों ने भावी गांव में भी दो मकानों से आधार कार्ड चोरी किए थे।

अपराध का तरीका

गैंग के सदस्य सबसे पहले मकानों की रैकी करते थे। पूरी जानकारी हो जाने के बाद देर रात घरों में घुसते थे। उस समय अधिकांश घरों में परिवार के लोग सो रहे होते थे। यहां पर सबसे पहले सो रहे परिवार के सदस्यों के कमरे की कुंडी लगाकर बंद कर देते थे। इनके पास सरिया, पिस्टल, कारतूस व ताले तोड़ने का सरिया, चाकू डंडा होता था। सभी का प्लान यही रहता था कि यदि वारदात के दौरान कोई जाग जाए तो उसे हथियारों के दम डराया जाए। नहीं मानने पर मर्डर कर देने तक का प्लान होता था।

भावी गांव में भी जब 7 और 8 जनवरी की रात यह मकान में घुसे तो एक महिला जाग गई। उस पर आरोपियों ने हमले का प्रयास करना चाहा, लेकिन महिला के चिल्लाने और परिवार के अन्य सदस्यों के जाग जाने पर आरोपी भाग खड़े हुए। इसके बाद आस-पास के घरों से भी लोग जागे तो 10 घरों में वारदात का पता चला।

दो बार लगाए वारदात के लिए चक्कर

गैंग के सदस्यों ने मुख्य सरगना के साथ भावी गांव में नकबजनी की वारदात करने का प्लान बनाया था। इसके लिए घटना के दिन भी रविवार की रात साढ़े 11 बजे भावी पहुंच गए थे। यहां पर कई घरों और मोहल्लों में लोगों को जागते देख वापस चले गए। बाद में देर रात 1 बजे लौटे और वारदात को अंजाम दिया।

प्रगति महाविद्यालय की नींव रखने वाले महानुभावों के सपने साकार होंगे : गोविंददास शाह

अगले तीन दिनों में सम्पन्न होगा कॉलेज का स्वर्णोत्सव

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगति समाज द्वारा संचालित प्रगति महाविद्यालय डिग्री कॉलेज ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस शुभ संदर्भ में समाज द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रगति महाविद्यालय इस वर्ष यानी आने वाले तीन दिनों में स्वर्णोत्सव स्वर्ण जयंती समारोह भव्यता से मनाने जा रहा है। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष गोविंददास शाह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है, कि इस संस्थान की नींव रखने वाले उन सभी महानुभावों को आज हम नमन करते हैं और आशा करते हैं कि यह महाविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति की राह पर चलते रहे। समाज के उपाध्यक्ष श्री महेश पटेल ने कहा कि सन 19%3 में केवल 43 विद्यार्थियों से प्रारंभ हुआ यह महाविद्यालय आज इस मुकाम पर पहुंच गया है कि आज इस महाविद्यालय में पढ़ चुके विद्यार्थी विभिन्न संस्थानों में जैसे आईसीएआई के पूर्व अध्यक्ष पद पर आसीन रह चुके देवराज रेड्डी एवं कई विद्यार्थी भारतीय सेना में उच्च पदों पर देश की सेवा में कार्यरत हैं, जैसे ब्रिगेडियर बालाकृष्णन, कर्नल नवीन रेड्डी, मेजर अंकुर सिन्हा, कैप्टन सिद्दारूद इंगलेश्वर आदि अफसर और कई लोग जवान के रुप में और कई लोग राज्य पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि कई विद्यार्थी दिग्गज व्यापारी के रूप में और कई विदेशों में स्थिर हो चुके हैं। यह प्रगति महाविद्यालय की विजय परंपरा अविरल धारा की तरह प्रवाहित हो रही है और आशा करते हैं कि यह महाविद्यालय प्रगति के पथ पर सदा अग्रसर रहे। इस स्वर्णोत्सव की तीन दिनों की श्रृंखला में पहले दिन स्वर्णोत्सव का शुभारंभ और प्रदर्शनी होगी। दूसरे दिन नगर द्वय के महाविद्यालयों के छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धा होगी जिसमें 50 महाविद्यालयों के छात्रों को आमन्त्रित किया गया। तीसरे दिन कार्यक्रम का समापन समारोह होगा जिसमें केन्द्रीय मंत्री श्री परशोत्तम रूपाला मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। इस अवसर पर समाज के सचिव राहुल छेड़ा, सह सचिव एवं महाविद्यालय के मानद मंत्री गोपाल पटेल, कोषाध्यक्ष अंबालाल पटेल, अतिरिक्त उपाध्यक्ष अरविन्द कुमार, प्रगति महाविद्यालय जूनियर कॉलेज के करेस्पोंडेंट जीतेन मजेठिया, एसजीवीएम स्कूल की करेस्पोंडेंट श्रीमती भारती बेन पटेल, रमेश सावला, राजेश शाह, घनश्याम पटेल, दिनेश गोसर, संजय चोट्टाई, उदय मेहता, हरिलाल पटेल व अन्य कमेटी सदस्य, महाविद्यालय की प्रचार्या डॉ. ए. माधवीलता, डॉ. वाईकेएम नायूडू, अमित सिंह, कैप्टन डॉ. टीपी सिंह आदि ने भाग लिया।

श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) संगारेड्डी में मनाया जाएगा रामलल्ला महोत्सव

संगारेड्डी, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मर्यादा पुरोषोत्तम श्रीराम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा पर होने वाले 22 जनवरी को दीपोत्सव कार्यक्रम को सीरवी समाज संगारेड्डी बडेर के अध्यक्ष रुगारामजी परिहारिया व सचिव घिसारामजी काग के आदेशनुसार श्री आई माताजी मंन्दिर प्रांगण संगारेड्डी में सभी भक्तजनों के सान्निध्य में मनाया जाएगा रामलल्ला दीपोत्सव महोत्सव इस कार्यक्रम को लेकर समस्त रामभक्तो , दर्शनार्थियों , ग्रामवासियो और राजस्थानी बंधुओ के लिए 22 जनवरी सुबह 8 बजे से शाम 3 बजे तक अन्नादान प्रसाद कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। और शाम %रू15 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम (धार्मिक गाने पर नृत्य कार्यक्रम) व शाम को 8रू15 बजे से महाप्रशादी एंव रात्रि 9रू15 बजे से ओमप्रकाश कुमावत निमाज एंड पार्टी द्वारा सम्पूर्ण रात्रि भजन जागरण होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए आप पूरी तैयारी के साथ अपना नाम मोहनलालजी सैणचा से सम्पर्क कर 20 जनवरी तक अपना नाम दर्ज करा लेवे।

प्रत्येक प्रस्तुति का समय 5 मिनट निश्चित किया गया है कृपया इससे पहले अपनी प्रस्तुति को विराम दे देवे। अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा का सम्पूर्ण कार्यक्रम बडेर प्रांगण में बड़ी स्क्रीन पर लाइव बताया जायेगा। समस्त राजस्थानी समाज के आईभक्तों और रामभक्तों से विनम्र निवेदन है कि आप सुबह अपने परिवार और ईस्ट मित्रों सहित समय पर पधारकर अन्नादानम सेवा और प्रसाद का लाभ लेवें। उपरोक्त दिन सिरवी समाज संगारेड्डी बडेर की तरफ से अख्ता (बंद) रखा गया है। श्रीरामजी 500 वर्ष से झोपडी से अपने सुनिश्चित स्थान अयोध्या नव निर्मित मन्दिर में विराजमान हो रहे है कृपया इस महापर्व के दिन अपने अपने प्रतिष्ठान पूर्णतया बंद रखें। और इस कार्यक्रम को शोभायमान बनाने में तन मन धन द्वारा पूर्ण रूप से सक्रिय सहयोग करें।

शांति दिवस का आयोजन आज

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शांति सरोवर, हैदराबाद की निर्देशिका ब्रह्माकुमारी कुलदीप ने बताया कि कलयुग की संध्या और सतयुग के नवप्रभात के मध्य जब सारी सृष्टि तृषित-पतित बन गयी है तब सदाशिव, निराकार, ज्योतिबिंदु, ज्ञान-गुणों के सिन्धु का अवतरण एक अनुभवी वृद्ध मनुष्य तन-प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा होता है। आदि पिता प्रजापिता ब्रह्मा नव-युग, नव-श्रृष्टि के निर्माण में साकार रूप से 1936 से 1969 तक ईश्वरीय माध्यम बने। तत्पश्चात 18 जनवरी 1969 से, अपने देहावसान के उपरांत, अव्यक्त रूप से विश्व परिवर्तन का कार्य कर रहे है। विश्व शान्ति, विश्व एकता एवं सद्भावना, दैवी गुणों की धारणा का मूल-सूत्र ही है कि हम सब आत्मिक रूप से एक परमपिता परमात्मा की संतान भाई-भाई है। यह सारा विश्व एक कुटुम्भ है। इस ईश्वरीय कार्य में आज अनेक आत्मायें अपना जीवन परिवर्तित कर पावन बन, नई सृष्टि, नई दुनिया के निर्माण, विश्व परिवर्तन के महान कार्य में अपना योगदान दे रही है। इस स्मृति दिवस 18 जनवरी 2024 को विश्व शान्ति दिवस के रूप में सारे विश्व में मनाया जाएगा। आइये इस शुभ दिवस एवं इस महान कार्य में अपना भी सहयोग दे।

राष्ट्रीय भाजपा दीवार लेखन अभियान के तहत हिंदी नगर जामबाग मंडल में आयोजित विशेष कार्यक्रम में भाग लेते हुए पार्षद राकेश जयसवाल। साथ में हैं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, मयूर कालेकर, रघु कांबले, अनिल यादव, रामकृष्ण, मुकेश, संदीप, सुरेश, क्रांति, श्रीकांत, पवन, अरुण और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता।

श्रीराम मंदिर प्राणपतिष्ठा महोत्सव अंतर्गत रामकोअ स्थित श्रीराम मंदिर में पूजा अर्चना एवं अनुष्ठान प्रारंभ के अवसर पर उपस्थित महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन मट्ठम सत्यनारायण यादव, अशोक पवा, के सत्यनारायण, रत्नेश, प्रदीप, रमेश मुदीराज, जयराज, सोनू, कमलाकर शास्त्री, निलेश महाराज एवं अन्य भक्तगण।

मेदक स्थित कुलचाराम अतिशय क्षेत्र श्री 1008 भगवान पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान का अभिषेक व शांति धारा एवं पूजा अर्चना करते हुए दिगंबर जैन संस्था के कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण पांड्या, प्रभात रामावत, सुभाष बज, महेंद्र गंगवाल, शर्मिला व अन्य।

श्री आईजी गौशाला में दीपोत्सव 22 को

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कापरा मंडल स्थित श्री आईजी गौशाला में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की आयोध्या में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर 22 जनवरी प्रात: वेला में पुजा-अर्चना व दीपोत्सव कार्यक्रम गौभक्तों के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष मंगलाराम पंवार व सचिव हुक्माराम सानपुरा ने बताया कि 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद 22 जनवरी 2024 को पुरुषोत्तम श्री राम की प्रतिमा को नवनिर्मित मंदिर में विराजमान करने के उपलक्ष्य में गौभक्तों के सानिध्य में गौशाला प्रांगण को विशेष फूलों व लाईटिंग से सजाकर श्री रामजी की तस्वीर पर माल्यापर्ण, दीप प्रज्वलितकर प्रात: 9.38 बजे से हवन-यज्ञ, प्रात: 10.30 बजे से भजन व मध्यान् 2.15 बजे से भोजन-प्रसादी की व्यवस्था पधारे गौभक्तों के लिए कार्यक्रम स्थल पर की जाएगी। सायं 5.15 बजे से गौशाला प्रांगण में दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। हवन मे बैठने के इच्छुक अनुदान राशी 1100/- के साथ 20 जनवरी शाम तक अध्यक्ष व सचिव से सम्पर्क कर अपना नाम देवे। गौशाला के सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी मेम्बरों व गौभक्तों से निवेदन है इस महापर्व के दिन कार्यक्रम को शोभाय मान बनाने मे समय पय पधारकर तन-मन-धन सेसक्रिय सहयोग करे।

धर्मगुरु दीवान साहब का जन्मदिन आज

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज आईपंत के धर्मगुरु दीवान श्री माधव सिंह जी का 82 वां जन्मदिन 18 जनवरी को गुरुवर के भक्तों के सानिध्य मे विशेष पुजा-अर्चनाकर आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में शमशाबाद सीरवी समाज पूर्व सहसचिव जगदीश काग ने बताया कि धर्मगुरु दीवान श्री माधव सिंह जी का जन्मदिन तेलंगाना की पावनधरा पर गुरुवर के भक्तों द्वारा पूजा-अर्चना व गौशाला मे दान-पुण्यकर धूम-धाम से मनाया जाएगा। कोरेमुला सीरवी समाज अध्यक्ष कालुराम काग ने तेलंगाना की पावन धरा पर बसे प्रवासी गुरुवर के शिष्य एवं भक्तों से निवेदन है धर्मगुरु दीवान साहब के जन्मदिवस के अवसर पर प्रात: काल में पुजा-अर्चना एवं तस्वीर पर माल्यापर्णकर श्रीफल भेंट करते हुए दान-पुण्यकर जन्मदिवस मनाये।

कांग्रेस पार्टी यूथ अध्यक्ष निलंबित

मदनूर, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय युवा कांग्रेस तेलंगाना प्रभारी तथा राष्ट्रीय सचिव सुरभि द्विवेदी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कामारेड्डी जिला कांग्रेस पार्टी यूथ अध्यक्ष गजानन पटेल को पार्टी विरोधी गतिविधियों के खिलाफ शिकायत करने पर उन्हें जांच समिति की रिपोर्ट के अनुसार अगली सूचना तक उनके संबंधित पद से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसकी प्रति श्रीनिवास बीवी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, रेवंत रेड्डी, टीपीसीसी अध्यक्ष, शिवसेना रेड्ड, टीपीवाईसी अध्यक्ष को भेजा गया है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित

मदनूर, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्राम पंचायत सरपंच सुरेश की अध्यक्षता में विकसित भारत संकल्प यात्रा ग्राम पंचायत कार्यालय, गांधी चैक में बुधवार के दिन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय एसबीआई बैंक प्रबंधक विक्रम पाटील, ग्राम पंचायत सचिव संदीप, डाकघर अधिकारी, आशा कर्मचारी मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए स्थानीय जनता को केंद्रीय योजना के बारे में बताया।

केरल बैंबू फेस्ट में बैंबू ज्वैलरी चमकी

मीनाक्षी के इनोवेटिव कैलेंडर की भी सराहना

आसिफाबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केरला स्टेट बैंबू मिशन की ओर से कलूर में 20वा केरला बैंबू फेस्ट आयोजित किया गया. इसमें देश के अलावा जापान जैसे बाहरी देशों के बैंबू आर्टिस्ट ने हिस्सा लिया था. द बैंबू लेडी ऑफ इंडिया के रुप में जाने जानेवाली मीनाक्षी मुकेश वालके ने इस फेस्ट में अपना सिक्का जमाया. उनकी बैंबू ज्वैलरी यहां खूब चमकी वहीं अभिनव तरीके से निर्मित बैंबू कैलेंडर की भी जमकर सराहना हुई। मीनाक्षी ने विजयवाड़ा में हुए नाबार्ड के क्राफ्ट मेले में भी हिस्सा लिया था और वहा उनकी कारीगरी की प्रशंसा हुई थी. यहां से तत्काल मीनाक्षी ने केरला बैंबू फेस्ट में हिस्सा लिया. यहां पुरे देश से बांस कारीगर अपनी कलाकृतियों को लेकर आए थे. इस वर्ष जापान से भी दो आर्टिस्ट की टिम ने हिस्सा लिया था. बैंबू से बने विविध प्रकार के डिजाइंस और बैंबू क्षेत्र के जानेमाने विशेषज्ञों का संबोधन इस तरह से यह बैंबू फेस्ट केरला सरकार ने नियोजित किया था। मीनाक्षी वालके देश और दुनिया में बैंबू क्षेत्र का जाना माना नाम है. देश का पहला बैंबू क्यू आर कोड स्कैनर डिजाईन करने का गौरव उन्हे प्राप्त है. विश्व स्तर की ब्यूटी कॉन्टेस्ट के मुकुट भी मीनाक्षी ने बनाए थे. केबीसी इंडिया में गेस्ट रहीं मीनाक्षी पर कारगिल इंडिया कम्पनी ने लघु फिल्म भी बनाई है। उनकी डिजाइन को देखने केरला में लोगों ने भीड़ इकट्ठा की थी। मीनाक्षी ने बताया कि केरला सरकार बैंबू के लिए बहुत अच्छे प्रयास कर रही है।

हर घर की दीवार पर श्रीराम का नाम लिखा

आसिफाबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इसी महीने की 22 तारीख को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन को देखते हुए हिंदू वाहिनी के सदस्य करण के नेतृत्व में जिला केंद्र के हर घर की दीवार पर श्री राम का नाम प्रकाशित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर घर राम नाम के नाम से आयोजित कार्यक्रम के तहत हर घर की दीवार पर श्री राम के नाम की मुहर लगाई जा रही है। प्रत्येक हिंदू को राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए कहा गया। कई सालों से इंतजार कर रहा एक सपना पूरा होने वाला है। कार्यक्रम में हिंदू वाहिनी के सदस्यों ने हिस्सा लिया।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कदम उठाएं : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर समाहर्ता दीपक तिवारी ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एवं ग्राम पंचायतों में कर संग्रहण के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कदम उठायें। बुधवार को जिला केंद्र स्थित कलक्ट्रेट भवन सभाकक्ष में लक्ष्य प्राप्ति की प्रक्रिया को लेकर मंडल परिषद विकास अधिकारियों, मंडल पंचायत अधिकारियों एवं एपीओ के साथ समीक्षा बैठक हुई. इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि रोजगार गारंटी योजना के तहत प्रत्येक पात्र मजदूर जिसके पास जॉब कार्ड है उसे काम उपलब्ध कराने के लिए अधिकारी कदम उठाएं तथा रोजगार गारंटी योजना के तहत अधिकारी खेत निर्माण पर ध्यान दें तालाब, सामुदायिक संपत्तियों की स्थापना और नर्सरी का प्रबंधन। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में 31 मार्च तक निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें, ग्राम पंचायत सचिव कर वसूली की प्रक्रिया में तेजी लायें तथा अधिकारी उसकी निगरानी करें।इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अधिकारी कुमार हुसैन, जिला ग्रामीण विकास अधिकारी सुरेंद्र एवं अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

अग्रवाल समाज, हैदरगुडा शाखा का दीपोत्सव 22 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की हैदरगुडा शाखा एवं वैभवी नारी शक्ति शाखा के कार्यकारणी सदस्यों और विशेष आमंत्रित सदस्यों की लोअर टैंक बैंड स्थित जगदीश मंदिर में संपन हुई। इस सभा को संबोधित करते हुए शाखा अध्यक्ष गोपाल दास अग्रवाल ने बताया कि हमारे आराध्य, हमारे आदर्श, भगवान रामचंद्रजी के बालस्वरूप विग्रह की श्री अयोध्या धाम में नव निर्मित भव्य मंदिर मे हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इस अवसर को सम्पूर्ण विश्व में दीपावली पर्व के रूप मनाया जा रहा है। हैदरगुड़ा शाखा द्वारा भी इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के संयोजन हेतु वैभवी नारी शक्ति शाखा की अध्यक्षा श्रीमती सतवंती सराय वाला, दीपक गुप्ता, श्रीमती अनुपमा गुप्ता और श्रीमती उर्मिला मोदी को संयोजक नियुक्त किया गया है। श्रीमती सतवंती सरायवाला ने सभा को बताया की इस दीप उत्सव में श्री जगदीश मंदिर को 1100 दीपों से सजाया जाएगा। रामायण थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, भगवान राम-सीता जी, लक्ष्मण जी और हनुमान जी की झांकी सजाई जाएगी और संयुक्त आरती का आयोजन होगा। उपस्थित लोगों में प्रसाद का वितरण होगा। शाखा के अध्यक्ष गोपाल दास अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए बताया की अग्रवाल समाज की केंद्रीय समिति द्वारा श्री सेलम में यात्री की सुविधा हेतु भवन निर्माण की योजना है और इस कार्य हेतु आंध्र प्रदेश सरकार ने समाज को आरी सेलम में जमीन उपलब्ध कराई है। इस योजना में सहयोग प्रदान करने हेतु शाखा द्वारा एक रूम के निर्माण हेतु राशि देने का प्रस्ताव सभा के समुख रखा। ,सभा ने इसे सर्व सम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य मनोज कुमार अग्रवाल ने सभी से सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। अवसर अवसर पर श्रीमती सतवंती सरायवाला ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद प्रकट करने के पश्चात सभा सम्पन्न हुई।

केबीआर पार्क बंजारा हिल्स में भगवान गणेश की पूजा की गई। उपस्थित हैं गोपाल बलदेवा, सुरेंद्र अग्रवाल (गोयल), सुरेश अग्रवाल, विजय कुमार देहलीवाले, विजय कुमार अग्रवाल, कोठारी, प्रमोद सरायवाले, पी.सी. जैन और अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

10 साल पहले ...

हमें ये लोगों तक पहुंचाना होगा। भाजपा सरकार की प्राथमिकता है कि देश के सामान्य नागरिकों की कमाई के साथ बचत भी बढ़े। आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलने से देश के लोगों को 1 लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है। जन औषधि केंद्रों पर 80% डिस्काउंट से दवा लेने से 25 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बचे हैं। दस साल पहले 2 लाख रुपए से ज्यादा की इनकम पर टैक्स लगता था। भाजपा सरकार ने तय किया 7 लाख रुपए तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। दस साल के दौरान टैक्स पेयर के लगभग ढाई लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है।

अदाणी समूह तेलंगाना ...

एमओयू के तहत अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) अगले पांच से सात वर्षों में तेलंगाना में 100 मेगावाट के डेटा सेंटर में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। यह डेटा सेंटर नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित होगा। एईएल इस परियोजना के लिए वैश्विक स्तर पर सक्षम आपूर्तिकर्ताओं का आधार बनाने के लिए स्थानीय सूक्ष्म, लघु व मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप के साथ काम करेगी।

बयान में कहा गया है कि इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 600 लोगों को रोजगार मिलेगा। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) भी दो पंप भंडारण परियोजनाएं स्थापित करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। इसके तहत कोयाबेस्टगुडेम में 850 मेगावाट और नाचराम में 500 मेगावाट की परियोजनाएं होंगी। वहीं अंबुजा सीमेंट्स तेलंगाना में 60 लाख टन सालाना क्षमता के सीमेंट संयंत्र पर अगले पांच साल में 1,400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 4,000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

बयान में कहा गया है कि अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अदाणी एयरोस्पेस पार्क में काउंटर ड्रोन और मिसाइल प्रणाली के अनुसंधान, विकास, डिजाइन, विनिर्माण और एकीकरण के लिए एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित के लिए 10 साल में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। बयान में कहा गया है कि इन परियोजनाओं के माध्यम से विकसित पारिस्थितिकी तंत्र भारत की रक्षा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा और 1,000 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करेगा।

आईएसआईएस का इनामी ...

यूपी एटीएस का दावा है कि अब्दुल्ला अर्सलान के कमरे से कई ऐसे दस्तावेज बरामद किए हैं जो उसे सीधे-सीधे आतंकी ठहराने का काम करते हैं। अब्दुल्ला अर्सलान के पास से यूपी एटीएस ने एक पेन ड्राइव, मोबाइल सहित कई संदिग्ध वस्तुएं बरामद की है जो आईएसआईएस संगठन से जुड़े होने का संकेत देती है।

वहीं एटीएस ने दूसरे आईएसआईएस संगठन से जुड़े माज बिन तारीख पुत्र मोहम्मद तारिक निवासी थाना क्वार्सी फोर्थ फ़्लोर अल अब्राहम अपार्टमेंट मजूरगढ़ी अलीगढ़ को भी गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से एक आईफोन, एक पेन ड्राइव, एक एंड्रॉयड फोन और अन्य चीज बरामद की गई है. यूपी एटीएस का दावा है कि दोनों पकड़े गए आईएसआईएस संगठन से जुड़े हुए हैं और उनके पास से तमाम ऐसी सामग्री बरामद की गई है जो आतंकवादी साबित करती है।

हिंदू संगठन की ...

भाजपा विधायक टी राजा सिंह पर पहले भी रैलियों के दौरान नफरत भरे भाषण देने के आरोप लगे हैं। इन रैलियों के खिलाफ शाहीन अब्दुल्ला नामक एक व्यक्ति ने याचिका दायर कर इनके आयोजन पर रोक लगाने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल कोर्ट में पेश हुए। याचिकाकर्ता ने याचिका में आशंका जताई थी कि इन रैलियों में नफरत भरे भाषण दिए जा सकते हैं। यवतमाल में 18 जनवरी को रैली होनी है। वहीं रायपुर में 19-25 जनवरी को रैली होनी प्रस्तावित है। सुप्रीम कोर्ट ने रोक से इनकार करते हुए कहा कि कोर्ट पहले ही इस तरह की घटनाओं के लिए दिशा-निर्देश जारी कर चुका है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ओलिंपिक 2036: भारत के ओलंपिक मेजबान बनने की राह आसान

मैक्सिको ने वापस लिया नाम; अब ये चार बड़े दावेदार

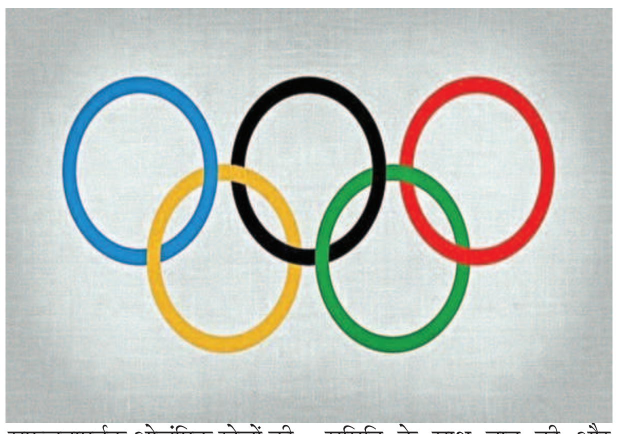

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। ओलंपिक 2036 के लिए भारत की मेजबानी का रास्ता साफ होता जा रहा है। अब मैक्सिको ने आधिकारिक तौर पर ओंलपिक 2036 की मेजबानी से नाम वापस ले लिया है। कड़ी प्रतिस्पर्धा का हवाला देते हुए मैक्सिको ने मेजबानी से अपना नाम वापस ले लिया है। राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (सीओएम) की अध्यक्ष मारिया जोस अल्काला ने प्रायोजकों के एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अब मैक्सिको अपना ध्यान युवा ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगाने पर केंद्रित करेगा, जहां उसके पास बेहतर मौका है।

मैक्सिको ने शुरुआत में अक्तूबर 2022 में खेलों के इस महाकुंभ की मेजबानी करने का इरादा जताया था। पूर्व विदेश मंत्री मार्सेलो एबरार्ड ने सीओएम के साथ मिलकर 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा जताई थी। यह देश 1968 में सफलतापूर्वक ओलंपिक खेलों की मेजबानी कर चुका है और एक बार ग्रीष्मकालीन खेलों को अपनी धरती में आयोजित करना चाहता था।

दक्षिण कोरिया, भारत, मिस्र और कतर सहित अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा को स्वीकार करते हुए, अल्काला ने खुलासा किया कि मैक्सिको अब अपना ध्यान युवा ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगाने पर केंद्रित करेगा, जहां उनका मानना है कि उनके पास बेहतर मौका है। उन्होंने कहा ₹हमने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ बात की और हमने देखा कि प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है। हम यह देखने के लिए विचार कर रहे हैं कि क्या हम युवा ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगा सकते हैं, जहां हमारे पास एक बेहतर मौका होगा।₹

उन्होंने आगे युवा ओलंपिक खेलों की बोली के संबंध में आईओसी के साथ चल रही बातचीत का उल्लेख किया, जिसमें मैक्सिको के लिए एक अलग क्षमता में वैश्विक मंच पर चमकने के संभावित अवसर पर जोर दिया गया। यूथ ओलंपिक पर विचार करने के अलावा अल्काला ने खुलासा किया कि 2027 पैन अमेरिकन गेम्स के लिए मेक्सिको के बोली लगाने की संभावना है।

हाल ही में कोलंबियाई शहर बैरेंक्विला से मेजबानी के अधिकार वापस लेने के बाद उत्तरी राज्य नुएवो लियोन ने इस आयोजन की मेजबानी में रुचि व्यक्त की थी। अल्काला ने कहा, ₹नुएवो लियोन ने इसमें रुचि दिखाई है। केवल वे ही हैं जिन्होंने हमसे संपर्क किया है। इस पर अभी भी चर्चा चल रही है।₹

भारत के लिए अभी भी कड़ी चुनौती

दक्षिण कोरिया, मिस्त्र और कतर जैसे देश अभी भी ओलंपिक 2036 की मेजबानी में रुचि दिखा रहे हैं। कतर ने 2022 फीफा विश्व कप का सफल आयोजन किया था। दक्षिण कोरिया और मिस्त्र में भी बड़े खेलों के आयोजन के लिए क्षमता है। हालांकि, भारत पहली बार इन खेलों की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश कर रहा है। भारत को इसका फायदा मिल सकता है।

प्रगनाननंदा ने फिर किया कमाल

विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराया विश्वनाथन आनंद से आगे निकले

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के स्टार शतरंज खिलाड़ी रमेशबाबू प्रगनाननंदा ने एक बार फिर कमाल किया है। उन्होंने टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही वह अनुभवी शतरंज ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद को पछाड़कर पहली बार नंबर एक रैंक वाले भारतीय ग्रैंडमास्टर बन गए।

चीन के विश्व चैंपियन लिरेन के खिलाफ मिली जीत ने प्रगनाननंदा को आश्चर्यचकित कर दिया, क्योंकि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि पूर्व खिलाड़ी इतनी आसानी से हार जाएगा।

चेस डॉट कॉम ने प्रगनाननंदा के हवाले से कहा, ₹मुझे लगा कि मैंने बहुत आसानी से बराबरी कर ली और फिर किसी तरह चीजें उनके लिए गलत होने लगीं। मोहरा जीतने के बाद भी मुझे लगा कि मैच में वह पकड़ बना सकते हैं। मुझे लगता है कि किसी भी दिन, यदि आप इतने मजबूत खिलाड़ी को हराते हैं, तो यह हमेशा विशेष होता है क्योंकि उन्हें हराना बहुत आसान नहीं होता है। शास्त्रीय शतरंज में विश्व चैंपियन के खिलाफ पहली बार जीतना अच्छा लगता है।

प्रगनाननंदा को टूर्नामेंट में जिस तरह की शुरुआत मिली है उससे संतुष्ट लग रहे हैं, लेकिन वह अपने सामने आने वाली चुनौतियों से सावधान हैं। उन्होंने कहा ₹यह अच्छा है। मुझे लगता है कि पहले तीन गेम काफी दिलचस्प थे। मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेल रहा हूं, लेकिन पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था। एक समय था जब मैं वास्तव में अच्छा खेल रहा था और फिर मेरा खेल काफी खराब हो गया था इसलिए मुझे लगता है कि यह (नतीजा) अच्छा है। टूर्नामेंट के अंत तक ऊर्जा बरकरार रखना वास्तव में महत्वपूर्ण है।₹

कार्लसन को हरा चुके हैं प्रगनाननंदा

प्रगनाननंदा इससे पहले भी शीर्ष खिलाड़ियों को हराने के लिए चर्चा में रहे हैं। वह कई बार विश्व चैंपियन और दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को हरा चुके हैं।

पिछले साल शतरंज विश्व कप में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। खिताबी मुकाबले में कांटे की टक्कर के बाद टाई ब्रेकर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वह शतरंज विश्व कप के फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने थे।

2 बाउंसर का नियम बैटर्स के लिए चैलेंजिंग

अंजुम बोलीं- लीग के लिए संन्यास लेने वालों के देश को नुकसान; आईएलटी-20 दो दिन बाद

दुबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय महिला कप्तान अंजुम चोपड़ा घरेलू क्रिकेट में एक ओवर में 2 बाउंसर डालने के नियम को बल्लेबाजों के लिए चैलेंजिंग मानती हैं। वह कहती हैं कि इस नियम ने गेंदबाजों को थोड़ा और कम्फर्ट होगा।

46 साल की पूर्व भारतीय कप्तान और आईएलटी-20 लीग में कॉमेंटेटर अंजुम चोपड़ा उन क्रिकेटर को देश के लिए नुकसान बताती हैं, जो लीग खेलने के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं। वह कहती हैं, जब देश को सीनियर प्लेयर की जरूरत होती है तब वे उपलब्ध नहीं होते।

लीग के लिए वे संन्यास ले रहे हैं, जिनका करियर आखिरी पड़ाव पर है। अंजुम ने इंटरनेशनल लीग टी-20, आईपीएल-2024 और टी-20 वर्ल्ड कप पर कहा - गेम में बैटर को चैलेंज करने के लिए यह नियम अच्छा है, क्योंकि बॉलर एक गेंद बाउंसर डालता था तो बैटर को पता होता था कि गेंदबाज अब और बाउंसर नहीं डाला सकता है। यदि वह ऐसा करता है तो वाइड वाली हो जाएगी।

ऐसे में आप कैसी भी फील्ड सजा लो बल्लेबाज निश्चिंत होकर खेलता है। इस नियम के आने से गेंदबाजों को थोड़ा कंफर्ट दिया गया है। जो बैटर को मजबूर करेगा कि गेंदबाज को हल्के में मत लिजिए, क्योंकि अब दूसरी गेंद कब बाउंसर आएगी, बैटर को नहीं पता। ऐसे में वह संभल कर खेलेगा। यह नियम से बॉलर्स कहीं न कहीं बैटर को चैलेंज देगा।

क्रिकेट अब दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेट खत्म नहीं हो रही है, लेकिन इतनी सारी क्रिकेट है और 365 दिन है। शरीर आपका पूरे साल खेलने की इजाजत नहीं देगा। आपको आराम की जरूरत है। अब प्लेयर्स पिक कर रहे हैं कि उन्हें कहां खेलना है कहां नहीं खेलना है। ऐसे में कुछ चीजें मिस भी होती हैं।

जिन्हें पता है कि उनका करियर आखिरी पड़ाव पर है। वे ही इंटरनेशनल क्रिकेट को मना कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि अब उनको एक फॉर्मेट में खेलना है। वर्तमान में अफगानिस्तान के नवीन उल हक ही ऐसे खिलाड़ी हैं। अब वे टी-20 ही खेल रहे हैं।

जितने भी प्लेयर्स ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट में के लिए संन्यास लिया है, वे अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं, उन्हें लगता है कि अब केवल एक ही फॉर्मेट खेलेंगे तो उनका करियर का ग्रोथ करेगा।

इसका प्रभाव इंटरनेशनल क्रिकेट पर इस तरह से पड़ता है कि वे एक सीनियर्स खिलाड़ी हैं और जब कंट्री को जरूरत होती है तो वे उपलब्ध नहीं होते हैं। वे देश के लिए एक नुकसान है। वहीं अगर खिलाड़ी के नजरिए से सोचेंगे तो वे अपना बेस्ट ही दे रहा है। वह यह नहीं कह रहा है कि मैं इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए उपलब्ध नहीं हूं। बस वो बंदिश नहीं चाहता, ताकि सारे फॉर्मेट खेलने की जरूरत न पड़े। वह केवल थोड़ी आजादी चाहता है।

जब टी-20 शुरू हुआ था, तब बाइलेटरल सीरीज में सीमित टी-20 मैच होते थे। मैचों की संख्या बढ़ती चली गई और टेस्ट मैचों की संख्या घटती चली गई। जहां तक खिलाड़ियों पर पाबंदियां लगाने का सवाल है तो अब हम उस स्थिति से आगे जा चुके हैं। अब यह संभव नहीं है।

मैं ये नहीं मानूंगी कि इंटरनेशनल क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए फ्रेंचाइजी क्रिकेट से कम महत्वपूर्ण है। किसी भी क्रिकेटर से पूछिए तो वह जरूर कहेगा कि वह इंटरनेशनल टी-20 और वर्ल्ड कप खेलना चाहता है। आने वाले समय में ऐसा नहीं होगा कि कोई खिलाड़ी देश के लिए खेलना नहीं चाहे और केवल फ्रेंचाइजी चाहे। ऐसा जरूर हो सकता है कि खिलाड़ी टेस्ट कम खेले और टी-20 को प्राथमिकता दे। आईएलटी 20 में कई इंटरनेशनल प्लेयर हैं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वॉर्नर टीम को लीड कर रहे हैं। हालांकि, वे टेस्ट और वनडे से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन वे टी-20 खेलेंगे। शाहीन अफरीदी जैसे खिलाड़ी खेल रहे हैं। इन सबके प्रदर्शन पर कहीं न कहीं इनके बोर्ड की नजर रहेगी।

आप अंदाजा लगा जा सकते हैं अफरीदी, वॉर्नर जैसे खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम शेयर करते हैं, तो यूएई के खिलाड़ियों पर कितना फर्क पड़ेगा। उन्हें काफी कुछ सीखने को मिलेगा, क्योंकि यहां पर 11 में से 9 खिलाड़ी इंटरनेशनल के होंगे।

आईसीसी की कोशिश है कि क्रिकेट का ग्लोबलाइजेशन हो सके। भारत सहित कई देश प्लेइंग नेशन हैं। एसोसिएट देशों में क्रिकेट है, लेकिन इनके मार्केट को डेवलप करना होगा। यह लीग आईसीसी के क्रिकेट गोलबनाइजेशन में मदद करने का काम कर रहा है।

यूएई में अगर ये टूर्नामेंट हो रहा है, उसके 2 खिलाड़ी खेल रहे हैं, तो इससे उनके खिलाड़ियों को इंटरनेशनल क्रिकेटरों से मिलने का मौका मिलेगा। इसका अनुभव इनके नेशनल टीम को मिलेगा, चूंकि अभी यहां क्रिकेट ज्यादा प्रॉपुलर नहीं है, ऐसे में भारत की तरह यहां प्रतिभाएं नहीं हैं। आने वाले समय में यहां खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा की उम्मीद की जा सकती है।

इंडिया ओपन: लक्ष्य सेन पहले ही दौर में हारे

प्रियांशु ने किया बाहर; चेन के खिलाफ प्रणय की 13 मैचों में छठी जीत

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के शीर्ष खिलाड़ी और आठवें वरीय एचएस प्रणय ने नई दिल्ली में इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत रोमांचक मुकाबले में सीधे गेम में जीत के साथ की। वहीं, प्रियांशु राजावत ने पुरुष एकल में पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए हमवतन लक्ष्य सेन को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी ताइवान के टिएन चेन चाउ को 42 मिनट में 21-6, 21-19 से हराया। टिएन चेन के खिलाफ प्रणय की 13 मैच में यह छठी जीत है। अगले दौर में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय की भिड़ंत प्रियांशु से होगी जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद पूर्व चैंपियन लक्ष्य को एक घंटा और 15 मिनट चले मुकाबले में 16-21, 21-16 21-13 से हराया।

प्रणय के खिलाफ असहज दिखे चेन

दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय के खिलाफ टिएन चेन शुरुआत में बिल्कुल भी लय में नजर नहीं आए। उन्होंने काफी सहज गलतियां की। वह कोर्ट से सामंजस्य बिठाने में नाकाम रहे और उन्होंने कई बार कोर्ट के अंदर गिर रही शटल को छोड़ दिया। ताइवान के खिलाड़ी ने इसके अलावा कई शॉट नेट पर भी मारे। भारतीय खिलाड़ी की तेजी और सटीक शॉट का भी टिएन चेन के पास कोई जवाब नहीं था।

प्रणय ने पहला गेम आसानी से जीता

प्रणय ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और टिएन चेन की गलतियों का फायदा उठाकर 2-1 के स्कोर पर लगातार आठ अंक के साथ 10-1 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी ब्रेक के समय 11-2 से आगे था। प्रणय ने बढ़त को 13-2 किया और फिर इसे 16-4 तक पहुंचाया। भारतीय खिलाड़ी ने 20-6 स्कोर पर 14 गेम प्वाइंट हासिल किए और फिर नेट पर आकर अंक जुटाते हुए पहला गेम आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में टिएन चेन ने शुरुआती दो अंक जुटाए लेकिन प्रणय ने लगातार चार अंक के साथ 4-2 की बढ़त बनाई जिसमें क्रॉस कोर्ट स्मैश से जुटाए दो अंक भी शामिल थे। दूसरे गेम में भी हालांकि टिएन चेन ने पहले गेम की गलतियों को दोहराना जारी रखा। वह हालांकि इसके बावजूद प्रणय को अच्छी टक्कर देने में सफल रहे। उन्होंने क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ 7-6 की बढ़त बनाई और लगातार चार अंक के साथ ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बनाने में सफल रहे। प्रणय ने इसके बाद कुछ शॉट नेट पर उलझाए और कुछ बाहर मारे जिससे टिएन चेन 14-8 से आगे हो गए।

विराट कोहली 22 जनवरी को अयोध्या जाएंगे

ट्रेनिंग सेशन से एक दिन का ब्रेक मांगा

25 से इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के विराट कोहली 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए अयोध्या जाएंगे। वह टीम इंडिया के ट्रेनिंग सेशन से एक दिन का ब्रेक लकर अयोध्या पहुंचेंगे। विराट 23 को फिर टीम इंडिया के साथ जुड़ जाएंगे।

हैदराबाद में टीम इंडिया का ट्रेनिंग सेशन 20 जनवरी से शुरू होगा। टीम यहां 4 दिन तक प्रैक्टिस करेगी। इंग्लैंड टीम 21 को हैदराबाद पहुंच जाएगी। 25 जनवरी से दोनों के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। टीम इंडिया 20 से 23 जनवरी तक हैदराबाद में ट्रेनिंग सेशन करेगी। 24 को ब्रेक के बाद 25 को टीम पहला मैच खेलेगी। विराट कोहली समेत भारत की टेस्ट टीम में शामिल सभी प्लेयर्स और सपोर्ट स्टाफ इस दौरान हैदराबाद में रहेंगे।

कविराट कोहली 21 जनवरी की ट्रेनिंग के बाद एक दिन का ब्रेक लेंगे। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए बीसीसीआई से ब्रेक मांगा। जो अप्रूव कर दिया गया है।

विराट को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का ऑफिशियल इन्विटेशन भेजा गया था। उनके साथ भारत के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी को भी अयोध्या जाने का इन्विटेशन मिला है।

ट्रेनिंग सेशन के लिए रवींद्र जडेजा बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी पहुंच चुके हैं। वह अफगानिस्तान के खिलाफ जारी टी-20 सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं। वह सीधे 20 जनवरी को टीम से जुड़ेंगे। जडेजा ने एनसीए पहुंचने के लिए अपने ऐड की शूटिंग छोड़ने का फैसला किया। टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए उन्होंने ऐड शूट्स और सभी तरह के विज्ञापन को पोस्टपोन कर दिया।

टीम इंडिया फिलहाल अफगानिस्तान के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज खेल रही है। सीरीज का आखिरी मुकाबला बेंगलुरु में आज यानी बुधवार शाम 7:00 बजे से खेला जाएगा।

सीरीज के बाद टीम इंडिया के सभी प्लेयर्स और सपोर्ट स्टाफ 2 दिन के ब्रेक पर रहेंगे।

महेंद्र सिंह धोनी पर दर्ज हुआ मानहानि का केस, कोर्ट पहुंचे दो पूर्व बिजनेस पार्टनर

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के खिलाफ उनके दो पूर्व बिजनेस पार्टनर्स ने दिल्ली उच्च न्यायालय में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मानहानि वाद न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह के समक्ष 18 जनवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। वादी और बिजनेस पार्टनर मिहिर दिवाकर और उनकी पत्नी सौम्या दास ने धोनी, कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मीडिया घरानों के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा और हर्जाना देने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

वादी ने उन सबको उसके खिलाफ मानहानिकारक और दुर्भावनापूर्ण बयान देने, प्रकाशित और प्रसारित करने से रोकने का अनुरोध किया है। अर्जी में कहा गया है कि पूर्व क्रिकेटर से कथित तौर पर 15 करोड़ रुपये का कथित अवैध लाभ उठाने और 2017 के अनुबंध के उल्लंघन के संबंध में लगाए गए धोनी के झूठे आरोपों के संबंध में प्रतिवादियों को वादी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने से रोका जाना चाहिए।

हाल ही में धोनी ने दिवाकर और दास के खिलाफ एक आपराधिक मामला दायर किया और दावा किया कि उन्होंने क्रिकेट अकादमियों की स्थापना के अनुबंध का सम्मान न करके उनके साथ लगभग 16 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है, उनके वकील के अनुसार। खेल प्रबंधन कंपनी आरका स्पोर्ट्स के दो निदेशकों के खिलाफ रांची की निचली अदालत में मामला दायर किया गया है।

धोनी के प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्होंने क्रिकेटर की ओर से रांची की एक सक्षम अदालत में अरका स्पोर्ट्स के निदेशक मिहिर दिवाकर और सौम्या दास के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत एक आपराधिक मामला दायर किया है।

पाकिस्तान के खिलाफ फिन एलन ने लगाए 16 छक्के

डुनेडिन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरा टी-20 भी एकतरफा अंदाज में जीत लिया। डुनेडिन में बुधवार को टीम ने 45 रन से मैच जीतकर 5 टी-20 की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड से फिन एलन ने 16 सिक्स लगाकर 137 रन की पारी खेली।

एलन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 224 रन बनाए। पाकिस्तान की टीम 7 विकेट के नुकसान पर 179 रन ही बना सकी।

फिन एलन को 137 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल की एक पारी में सबसे ज्यादा 16 छक्के लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। उनसे पहले अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई भी आयरलैंड के खिलाफ 2019 में 16 सिक्स लगा चुके हैं।

एलन ने पारी में 16 सिक्स के साथ 5 चौके भी लगाए। यानी उन्होंने बाउंड्री से 116 रन बना लिए। इसी के साथ वह एक पारी में बाउंड्री से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कीवी बैटर बन गए। उनसे पहले ब्रेंडन मैक्कुलम ने बाउंड्री से 96 रन बनाए थे। एलन ने न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ा टी-20 स्कोर भी बनाया। उनसे पहले मैक्कुलम ने ही 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 123 रन बनाए थे।

डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर एक बार फिर बॉलिंग चुनी। टीम ने शुरुआती 2 टी-20 में भी टॉस जीतकर बॉलिंग ही चुनी थी। न्यूजीलैंड ने पहले बैटिंग की, टीम की शुरुआत ठीक नहीं रही। डेवोन कॉन्वे चौथे ही ओवर में 7 रन बनाकर हारिस रऊफ का शिकार हो गए।

पहला विकेट जल्दी गंवाने के बाद एलन ने एक एंड पर तेजी से रन बनाए। उन्हें टिम सायफर्ट का बखूबी साथ मिला। दोनों ने टीम को 150 रन के पार पहुंचाया और सेंचुरी पार्टनरशिप भी कर ली। सायफर्ट 31 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच 125 रन की साझेदारी टूटी।

एलन फिर भी टिके रहे। उन्होंने किसी भी पाकिस्तानी बॉलर के खिलाफ गेम धीरे नहीं किया। एलन ने सेंचुरी लगाई और टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचा दिया। वह 62 बॉल में 137 रन बनाकर 18वें ओवर में आउट हुए।

फिन एलन 17.2 ओवर में आउट हुए, इस वक्त स्कोर 203/4 था। एलन के बाद टीम आखिरी 16 बॉल में 21 रन ही बना सकी और अपने 3 विकेट गंवा दिए। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 224 रन बनाए। न्यूजीलैंड से डेरिल मिचेल ने 8, ग्लेन फिलिप्स ने 19, मार्क चापमन ने 1, मिचेल सैंटनर ने 4, मैट हेनरी ने 1 और ईश सोढी ने 3 रन बनाए।

मुख्य सचिव ने गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज अधिकारियों के साथ बैठक की और पब्लिक गार्डन में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह के संबंध में की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सभी विभागों को अंतर-विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने और समारोह को सफल बनाने का निर्देश दिया। सीएस ने बताया कि राज्यपाल पब्लिक गार्डन में राष्ट्रीय ध्वज फहराएगु। इस संबंध में पुलिस विभाग को अचूक सुरक्षा, बंदोबस्त एवं यातायात व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। आर एंड बी विभाग को राजभवन, सचिवालय, विधान सभा और उच्च न्यायालय आदि जैसे सभी महत्वपूर्ण सार्वजनिक भवनों को रोशन करने का निर्देश दिया गया था।

ऊर्जा विभाग को रिहर्सल के सभी दिनों और मुख्य कार्यक्रम के दिन निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था। स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सा पदाधिकारियों के साथ सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस की व्यवस्था करने तथा पर्याप्त मात्रा में ओआरएस पैकेट उपलब्ध कराने को कहा गया। नगर निगम विभाग को टुकड़ियों और सभी आमंत्रितों के लिए फॉगिंग, सफाई और पीने के पानी की आपूर्ति करने के लिए कहा गया था। इसी प्रकार, अन्य संबंधित विभागों को भी समुचित व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। बैठक में डीजीपी रवि गुप्ता, सचिव राजनीतिक रघुनंदन राव, प्रमुख सचिव गृह जितेंद्र, डीजी फायर सर्विसेज नागी रेड्डी, राज्यपाल के सचिव सुरेंद्र मोहन, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस, पुलिस, रक्षा के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

प्रदेश भाजपा प्रमुख ने मंदिर में की साफ-सफाई

लोगों से की विभिन्न मंदिरों में स्वच्छता अभियान में भाग लेने की अपील

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा प्रमुख जी. किशन रेड्डी ने बुधवार को हैदराबाद के बशीरबाग में श्री कनक दुर्गा श्री नागलक्ष्मी मंदिर में स्वच्छता अभियान में भाग लिया। उन्होंने लोगों से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले विभिन्न मंदिरों में स्वच्छता अभियान में भाग लेने की अपील की। किशन रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मैं लोगों से राम मंदिर उद्घाटन से पहले विभिन्न मंदिरों में श्स्वच्छ अभियानश् में भाग लेने की अपील करता हूं। मैं लोगों से श्राम ज्योतिश् जलाने और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने का भी आग्रह करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अभियान के तहत धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाने के लिए लोगों को प्रेरित करने के बाद स्वच्छता अभियान को नई गति मिली है। उनकी अपील 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले आई है।यह अभियान, जो मंदिर समारोह तक जारी रहेगा, कई राज्यों में मंत्रियों द्वारा आगे बढ़ाया गया है। इससे पहले, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने बुधवार को तिरुचिरापल्ली में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर में स्वच्छता अभियान में भाग लिया।राज्यपाल ने कहा कि हजारों वर्षों से मंदिर उनके जीवन का केंद्र रहे हैं।जब भी कोई गांव बनता है तो सबसे पहले एक मंदिर बनता है और उसके आसपास गांव का विकास होता है। यह हमारे पूरे जीवन का गुरुत्वाकर्षण का केंद्र रहा है। लंबे समय तक अधीनता और उपनिवेशीकरण के कारण यह भावना कमजोर हो गई थी। आज पूरा देश राममय है। अयोध्या में श्रीराम के मंदिर के निर्माण का पूरा देश जश्न मना रहा है...मंदिर को साफ-सुथरा रखना और उसका रखरखाव करना लोगों की जिम्मेदारी है...यह उनके नियमित अनुष्ठानों का हिस्सा होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी बुधवार को दिल्ली के वाल्मिकी मंदिर में सफाई अभियान में हिस्सा लिया.इससे पहले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता अभियान के तहत महाराष्ट्र के नासिक में कालाराम मंदिर के परिसर की सफाई की। दृश्यों में प्रधानमंत्री को पोंछे और बाल्टी से मंदिर के फर्श को पोंछते हुए दिखाया गया।नासिक में 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में अपना उद्घाटन भाषण देते हुए, प्रधान मंत्री ने स्वच्छता अभियान के अपने आह्वान को दोहराया, नागरिकों से अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर देश भर के तीर्थ स्थानों और मंदिरों को साफ करने का आग्रह किया।

तेलंगाना में लिथियम गीगा फैक्ट्री की स्थापना के लिए 8 हजार करोड़

निवेश से अगले 5 वर्षों में 6 हजार से अधिक नई नौकरियाँ पैदा होंगी

दावोस/हैदराबाद,17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जीओडीआई इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और सीईओ महेश गोदी के साथ जीओडीआई से 8000 करोड़ रुपये के निवेश परिव्यय के साथ 12.5 गीगावॉट सेल विनिर्माण की स्थापना की घोषणा की। पांच साल की अवधि में तेलंगाना में लिथियम और सोडियम आयन और संबंधित प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान एवं विकास और गीगा स्केल सेल विनिर्माण सुविधा की स्थापना होगी। आज दावोस में विश्व आर्थिक मंच में तेलंगाना सरकार और गॉडी इंडिया के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रस्तावित परियोजना के चरण 1 में 6,000 रोजगार सृजन की क्षमता है। परियोजना का लक्ष्य चरण 1 में 2.5 जीडब्लूएच सेल असेंबली लाइन बनाना है, दूसरे चरण में 10 जीडब्लूएच तक विस्तार की योजना है।2020 में स्थापित, गारडी तेजी से ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरा है। छोटी अवधि में गारडी ने अपनी ली-आयन पायलट उत्पादन लाइन में ली-आयन पाउच और बेलनाकार प्रोटोटाइप कोशिकाओं को विकसित करने जैसे मील के पत्थर हासिल किए। जीओडीआई के पास पाइपलाइन में भविष्य के नवाचार हैं, जिनमें सोडियम-आयन और सॉलिड-स्टेट बैटरी प्रौद्योगिकियां शामिल हैं, और एक अत्याधुनिक सेल विनिर्माण सुविधा स्थापित करना, रक्षा और एयरोस्पेस, सौर और पवन, दूरसंचार, इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को पूरा करना है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने निवेश का स्वागत किया और कहा कि तेलंगाना की नई सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने और राज्य में एक व्यापक ईवी और ईएसएस पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि प्रस्तावित परियोजना इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने के राज्य के दृष्टिकोण के अनुरूप है और गारडी तेलंगाना के ईएसएस पारिस्थितिकी तंत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी होगी। महेश गोडी ने तेलंगाना सरकार को उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि गोडी तेलंगाना में ईवी और ऊर्जा भंडारण कंपनियों के पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करने और बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, "सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के कार्यभार संभालने के बाद तेलंगाना की व्यावसायिक प्रवृत्ति और विकास में सकारात्मकता और विश्वास का संचार हुआ है।"

बैठक के दौरान उद्योग और आईटीईएंडसी मंत्री डी. श्रीधर बाबू, प्रमुख सचिव आईटीईएंडसी, आईएंडसी जयेश रंजन आईएएस और विशेष सचिव, निवेश संवर्धन, श्री विष्णु वर्धन रेड्डी भी उपस्थित थे।

एरागेन लाइफ साइंसेज तेलंगाना में 2000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एरागेन लाइफ साइंसेज ने मल्लापुर में अपनी मौजूदा सुविधा के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए तेलंगाना में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की अपनी योजना की घोषणा की है और इससे 1500 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। इस निवेश का उद्देश्य दवा खोज और विकास के केंद्र के रूप में शहर की स्थिति को मजबूत करना है। अनुबंध अनुसंधान संगठनों (सीआरओ) के केंद्र के रूप में हैदराबाद की प्रतिष्ठा को और मजबूत करना है।एराजेन के सीईओ मन्नी कांतिपुडी द्वारा घोषित विस्तार योजनाएं वैश्विक जीवन विज्ञान उद्योग के लिए दवा की खोज, विकास और विनिर्माण को बढ़ाने के लिए तैयार हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कंपनी के पर्याप्त निवेश का स्वागत किया, और नवाचार और विकास का समर्थन करने के लिए एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।कंपनी ने भारत में जैव-विनिर्माण और फॉर्मूलेशन विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण निवेश किया है, जो फार्मास्युटिकल और जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कंपनी की ओर से बोलते हुए मन्नी कांतिपुड़ी ने पांच साल की विस्तार योजनाओं के प्रति उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हैदराबाद सीआरओ और सीडीएमओ के लिए निर्विवाद मुख्यालय के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगा।मन्नी कांतिपुड़ी ने कहा हम इस उद्योग को तेलंगाना में बढ़ते और फलते-फूलते देखना जारी रख रहे हैं।

चोरी के आरोप में नौकर समेत चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की कोल्लूर पुलिस ने रामचंद्रपुरम मंडल के उस्मान नगर स्थित मुप्पा इंद्रप्रस्थान विला के विला नंबर 188 में चोरी करने वाले नौकर और तीन अन्य को पकड़ लिया है।

उनकी निशानदेही पर 963 ग्राम सोने और हीरे के आभूषण और 2,90,000 रुपये की शुद्ध नकदी जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियो में ओडिशा के प्रभाकर मलिक, तपन दास, सचिन्द्र दास, रतिकांत दास शामिल हैं। मिली जानकारी के मुताबिक बीते 21 दिसंबर को मुलकला सुजाता पत्नी सूर्य प्रकाश राव निवासी मुप्पा इंद्र प्रस्ता, उस्मान नगर अपने दोनों नौकरों चंदन और प्रभाकर मलिक को छोड़कर अपने कार्मिक कार्य के लिए दिल्ली चली गईं, फिर एक नौकर प्रभाकर मलिक 75 तोला सोने के आभूषण और 6,50,000 रुपये नकदी चोरी कर भाग गए।

पुलिस को 15 जनवरी को सूचना मिली कि आरोपी प्रभाकर गोपनपल्ली सीमा पर मौजूद है, फिर जल्द ही इंस्पेक्टर कोल्लूर और उनकी टीम उपरोक्त स्थान पर पहुंची और अपराधियों को पकड़ लिया। प्रभाकर ने ही अपने साथियों के साथ मिलकर सुजाता के घर में चोरी की योजना बनाई थी।

लोकसभा में बीआरएस सोंसदों ने पूछे सबसे ज्यादा सवाल : केटीआर

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव (केटीआर) ने बुधवार, 17 जनवरी को तेलंगाना के विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों द्वारा पूछे गए प्रश्नों की संख्या के आंकड़ों का हवाला दिया, जिसके अनुसार, बीआरएस के सांसदों ने सबसे अधिक प्रश्न पूछे। क्षेत्र से.बीआरएस सांसदों ने लोकसभा में कुल 4,754 प्रश्न पूछे, जिसमें 2014 में गठित 16वीं लोकसभा के दौरान 2,726 प्रश्न और 2019 में गठित 17वीं लोकसभा के दौरान 2,028 प्रश्न शामिल थे। यह उल्लेखनीय रूप से पूछे गए प्रश्नों की संख्या से अधिक है। बाकी सदस्य अन्य राजनीतिक दलों से हैं। इसकी तुलना में, कांग्रेस सांसदों ने 16वीं और 17वीं दोनों लोकसभाओं में 1,271 प्रश्न पूछे, जबकि तेलंगाना के भाजपा सांसदों ने केवल 190 प्रश्न पूछे।

उन्होंने साझा करते हुए कहा कि तेलंगाना को 2024 के संसद चुनाव में टीम केसीआर को वोट क्यों देना चाहिए? यह सुनिश्चित करने के लिए कि 16वीं और 17वीं लोकसभा के आंकड़ों पर एक साधारण नजर डालने से पता चल जाएगा कि बीआरएस के सांसदों ने तेलंगाना के अधिकारों और हितों के लिए केंद्र सरकार से सवाल पूछने और मांग करने के मामले में कितना अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 2024 लोकसभा में ष्तेलंगाना की आवाजष् के रूप में बीआरएस की आवश्यकता पर जोर दिया।हाल ही में केटीआर ने इस विषय पर अफवाहों को खारिज करते हुए यह भी स्पष्ट कर दिया कि भाजपा के साथ उनकी पार्टी के गठबंधन का कोई सवाल ही नहीं है।देश भर से 543 सदस्यों के चुनाव के लिए कुछ महीनों में लोकसभा चुनाव होने की उम्मीद है।तेलंगाना में कुल 17 लोकसभा सीटें हैं.।2019 के लोकसभा चुनावों में, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तेलंगाना में सबसे अधिक लोकसभा सीटें जीतीं, कुल 9 सीटें (52.94ः)। भाजपा 4 सीटों (23.53ः) के साथ दूसरे स्थान पर रही, उसके बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 3 सीटों (17.64ः) के साथ दूसरे स्थान पर रही। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने 1 सीट (5.88ः) जीती।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.